डीप फ्राई पकवान...

खाते जाइए, क्योंकि यूजीसी के दिशा-निर्देश पन्नों के लिए हैं!

यूजीसी गाइडलाइन के अनुसार कैंपस में प्रतिबंधित है डीप फ्राइड डिशेज और जंक फूड

कैंटीन संचालकों का कहना, समोसे-कचौड़ी की तुलना में अन्य पकवान महंगे, नहीं खरीदते हैं छात्र

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

परीक्षाओं की तैयारी करने के साथ छात्रों को अपनी सेहत का ध्यान खुद ही रखना होगा। ऐसा इसलिए क्योंकि यूजीसी द्वारा छात्रों की सेहत के लिए जारी किए गए गाइड लाइन सिर्फ कागजों में ही सिमटकर रह गए हैं। धरातल पर इसका दूर-दूर तक पालन नहीं हो रहा है। निजी महाविद्यालय छोड़िए ऑटोनॉमस और सरकारी महाविद्यालय भी इन निर्देशों का पालन नहीं कर रहे हैं। यूजीसी के गाइडलाइन के अनुसार, विश्वविद्यालय अथवा महाविद्यालय के कैंटीन में डीप फ्राई डिशेज अर्थात ऐसे पकवान जिन्हें तेल में डुबाकर तलकर निकाला जाता हो, उन्हें जगह ना देने की हिदायत दी गई है। इसके अलावा जंक फूड भी छात्रों को ना परोसने ⏭शेष पेज 11 पर

हरिभूमि लाइव

केस-1

पं. रविशंकर शुक्ल विवि अध्ययनशाला

यहां कोरोना काल से बंद पड़ी कैंटीन इस वर्ष दोबारा शुरू की गई। इंडियन कॉफी हाऊस की जगह राजस्थान के एक होटल को यहां का ठेका मिला हुआ है। कैंटीन में समोसे-कचौड़ी सहित अन्य जंकफूड उपलब्ध हैं। इनकी बाकायदा रेट लिस्ट भी चस्पा की गई है।

केस-2

विज्ञान महाविद्यालय

यहां समोसे, कचौड़ी, मिर्ची भजिया और ब्रेड पकौड़े आपको सप्ताह के सभी दिन मिल जाएंगे। 20 रुपए प्लेट की दर से इनकी बिक्री हो रही है। इनके विकल्प के रूप में अन्य पकवान लगभग गायब ही मिले।

केस-3

छग कॉलेज

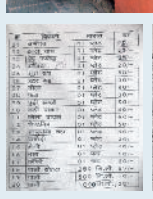

छात्रों ने बताया कि यहां कैंटीन कभी-कभी ही खुलता है। जब कभी कैंटीन खुलता है तो छात्रों के लिए विकल्प के रूप में समोसे, कचौड़ी जैसे पकवान ही होते हैं। कैंटीन बंद होने के कारण छात्र कैंपस के बाहर गुपचुप और चाट ठेलों में भी नजर आ जाते हैं।

केस-4

डिग्री गर्ल्स कॉलेज

यहां नियमित रूप से कैंटीन खुलता है, लेकिन पेट पूजा के लिए सेहतमंद विकल्प अपेक्षाकृत कम हैं। जो हैं वो भी समोसे और अन्य डीप फ्राई पकवानों की तुलना में महंगे हैं।

केस-5

राधाबाई कॉलेज

यहां की स्थिति भी अन्य महाविद्यालयों की तरह ही रही। जंक फूड पूरी तरह से प्रतिबंधित यहां भी नहीं है। कक्षाएं अटैंड करके आईं छात्राएं कैंटीन में इन व्यंजनों को खाती नजर आईं।

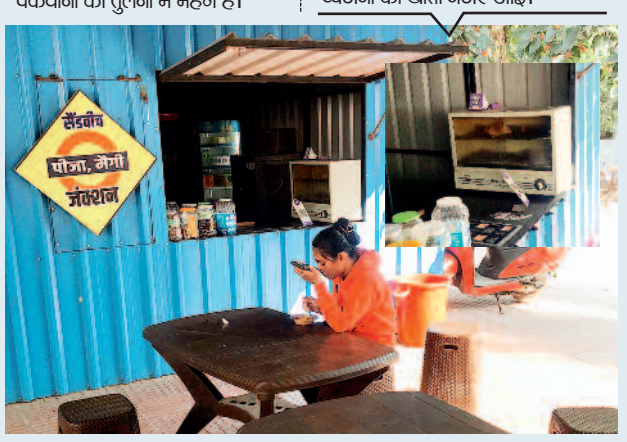

नैक दौरे के समय ही स्वास्थ्यवर्धक पकवान

इस संबंध में उच्च शिक्षा संस्थानों को पहले भी यूजीसी द्वारा 10 नवंबर 2016 और 21 अगस्त 2018 को एडवाइजरी जारी जा चुकी है। इस क्रम में संस्थानों को नियमित अंतराल पर नोटिस जारी किया जाता रहा है। इस बार भी किया गया। यूजीसी की नैक टीम ग्रेडिंग प्रदान करने के दौरान छात्रों को मिलने वाली सुविधाओं का जायजा लेती है। इसमें छात्रों को परोसे जाने वाले व्यंजनों की जांच भी शामिल है। ऐसे में जब कभी किसी संस्थान में नैक टीम ग्रेडिंग के लिए आती है तो कैंटीन का पूरा मेन्यू ही बदल दिया जाता है। इस दौरान इडली, पोहा जैसे पकवान छात्रों को परोसे जाते हैं। टीम के जाते ही समोसे, कचौड़ी सहित जंक फूड की बिक्री शुरू हो जाती है।

बजट के बाहर

हमने कैंटीन संचालकों से बात की थी। उनका कहना था कि सैंडविच, अंकुरित अनाज जैसी चीजों की लागत समोसे, कचौड़ी की तुलना में अधिक आती है। बजट से बाहर होने के कारण छात्र इन्हें नहीं खरीदते, इसलिए वे कम कीमत वाला नास्ता ही रखते हैं।

- डॉ.देवाशीष मुखर्जी, सचिव, निजी कॉलेज संघ

खबर संक्षेप

गांजा तस्कर को 15 साल कैद, डेढ़ लाख जुर्माना

रायपुर। टिकरापारा थाना क्षेत्र में इंटरस्टेट बस टर्मिनल के पास 20 किलो से ज्यादा गांजा के साथ गिरफ्तार आरोपी को न्यायाधीश किरण थवाईत की स्पेशल कोर्ट एनडीपीएस ने 15 साल कैद तथा डेढ़ लाख रुपए जुर्माने की सजा सुनाई है। विशेष लोक अभियोजक भुवनलाल साहू के अनुसार कोर्ट ने उत्तरप्रदेश, जौनपुर निवासी अजीत यादव को कैद तथा जुर्माने की सजा सुनाई है। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर 12 जनवरी 2025 को अजीत के कब्जे से गांजा जब्त किया था।

पत्रकार पर हमले का आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। बोरियाखुर्द निवासी पेशे से पत्रकार हरिमोहन तिवारी ने एक अन्य व्यक्ति तथा उसके बेटे के खिलाफ मामली विवाद में मारपीट करने की टिकरापारा थाना में रिपोर्ट दर्ज कराई है। हरिमोहन ने बफाती उर्फ भोलू खान तथा उसके बेटे के खिलाफ मारपीट करने की शिकायत दर्ज कराई है। हरिमोहन ने पुलिस को बताया कि भोलू उसके 12 साल के बेटे को गाली-गलौज देकर धमका रहा था। इस बात की जानकारी मिलने पर हरिमोहन भोलू को समझाने गया। इससे भोलू नाराज होकर अपने बेटे के साथ मिलकर हरिमोहन के घर में घुसकर मारपीट की। हरिमोहन की शिकायत पर पुलिस ने भोलू को गिरफ्तार कर जेल दाखिल कर दिया है।

देशी कट्टा बरामद धरा गया बदमाश

रायपुर। खमतराई पुलिस ने उरकुरा रेलवे स्टेशन के पास कट्टा लहराकर लोगों को धमकाने के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से देशी कट्टा तथा एक जिंदा कारतूस जब्त किया है। पुलिस ने कट्टा लहराकर लोगों को धमकाने के आरोप में शनि कुमार को गिरफ्तार किया है। आरोपी को पुलिस ने कोर्ट में पेश कर जेल दाखिल कर दिया है।

कार पार्क करने से मना करने पर मारपीट

रायपुर। अभनपुर थाने में एक युवक ने दो अन्य युवकों तथा उसके साथियों के खिलाफ मारपीट करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। चंद्रकांत मिश्रा ने ऋषि साहू, घनश्याम साहू तथा अन्य के खिलाफ मारपीट करने की शिकायत दर्ज कराई है। चंद्रकांत ने पुलिस को बताया कि घनश्याम ने उसके घर के सामने कार पार्क की। मना करने पर घनश्याम ने अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर चंद्रकांत के साथ मारपीट की।

आपसी रंजिश के चलते युवक से की मारपीट

रायपुर। मौदहापारा थाने में एक युवक ने एक अन्य युवक के खिलफ आपसी रंजिश के चलते रास्ता रोककर मारपीट करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। इरफान खान ने शहबाज अली के खिलाफ मारपीट करने की शिकायत दर्ज कराई है।

क्रिकेट टिकट के लिए सुबह 4 बजे घरों से निकले स्टूडेंट्स

क्रिकेट का ऐसा जुनून, दो हजार टिकट, खरीदने पहुंची 10 हजार की भीड़, तड़के से लाइन

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

भारत और साउथ अफ्रीका के बीच 3 दिसंबर को रायपुर में होने वाले वनडे मैच को लेकर टिकट को लेकर जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। सोमवार को स्टूडेंट टिकट के लिए हजारों छात्र सुबह से ही बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम पहुंच गए थे। कई छात्र तो सुबह 5 बजे से ही लाइन में लग गए थे, ताकि टिकट आसानी से मिल सके। एक टिकट पाने के लिए छात्रों को 3 से 4 घंटे तक धूप में इंतजार करना पड़ा। कुछ छात्र तो स्कूल ड्रेस में ही बिना स्कूल गए सीधे टिकट काउंटर पहुंच गए थे। छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ के अनुसार 2,000 स्टूडेंट टिकट जारी किए गए थे, जो सुबह 9 बजे से दोपहर 3 बजे तक वितरित किए गए।

अब स्टूडेंट्स टिकट नहीं बेचा जाएगा। 1500 पहले निर्धारित किया गया था, मांग देखने हुए 500 बढ़ाया गया। बता दें कि टिकट के लिए दुर्ग, भिलाई और बिलासपुर जैसे दूर-दराज के इलाकों से भी छात्र ट्रेन, बस और निजी वाहनों से रायपुर पहुंचे थे। टिकट मिलने के बाद युवाओं और बच्चों में जबरदस्त उत्साह देखा गया। विराट कोहली और रोहित शर्मा को लाइव देखने के जुनून में कई अभिभावक भी अपने बच्चों के साथ लंबी लाइन में खड़े नजर आए। ⏭शेष पेज 11 पर

पहले चरण का फिजिकल टिकट वितरण के बाद खुलेगा दूसरा चरण, 30 हजार से ज्यादा टिकट अब भी उपलब्ध

5 घंटे तक लाइन में खड़े रहे स्टूडेंट्स

सोमवार को टिकट बिक्री के पहले दिन करीब 10 हजार से अधिक छात्र इंडोर स्टेडियम पहुंचे, जबकि उपलब्ध टिकट सिर्फ 2 हजार था। सुबह 6 बजे से लाइन में लगने वाले कई छात्रों को टिकट मिल गया, लेकिन जो छात्र 11-12 बजे के बाद पहुंचे, उन्हें 4-5 घंटे लाइन में खड़े रहने के बावजूद टिकट नहीं मिल सका। टिकट खत्म होने की जानकारी मिलते ही कई छात्र मायूस हो गए और कुछ ने ⏭शेष पेज 11 पर

सिर्फ 40 प्रतिशत ही पहुंचे फिजिकल टिकट लेने

पहले चरण में 18 हजार ऑनलाइन टिकट बिकने के बाद सोमवार को इंडोर स्टेडियम में दिनभर सिर्फ 40 प्रतिशत लोग ही फिजिकल टिकट लेने पहुंचे। आयोजकों ने बताया कि जब तक पहले चरण का सभी फिजिकल टिकट वितरित नहीं हो जाता, तब तक दूसरा चरण शुरू नहीं किया जाएगा, ताकि इंडोर स्टेडियम में अनावश्यक भीड़ से बचा जा सके। अब भी करीब 30 हजार से अधिक टिकट शेष हैं। संभावना है कि मंगलवार तक पहले चरण का सभी टिकट बांट दिया जाएगा, जिसके बाद ऑनलाइन बुकिंग का दूसरा चरण 26 नवंबर से शुरू किया जाएगा।

लाइन में खड़े स्टूडेंट्स के बीच होती रही लड़ाई

इंडोर स्टेडियम में टिकट लेने पहुंचे हजारों स्टूडेंट्स की भीड़ को नियंत्रित करना पुलिस के लिए बड़ी चुनौती बन गई। जैसे-जैसे इंतजार लंबा होता गया, छात्रों में नाराजगी बढ़ने लगी और कुछ जगहों पर विरोध के हालात बनने लगे। स्थिति बिगड़ती देख मौके पर मौजूद पुलिस ने मोर्चा संभाला और व्यवस्था को नियंत्रित किया। कई स्टूडेंट्स बिना वेलिड आईडी कार्ड के पहुंचे थे। जब घंटों कतार में खड़े रहने के बाद उनके आईडी अमान्य बताए गए, तो कुछ छात्र बहस पर उतर आए। क्रिकेट संघ की ओर से स्पष्ट निर्देश था कि केवल वैध स्कूल/कॉलेज आईडी और आधार कार्ड दिखाने वाले स्टूडेंट्स को ही टिकट दिया जाएगा। कुछ छोटे बच्चे भी स्कूल यूनिफॉर्म और आईडी के साथ पहुंचे थे। वहीं, जिन स्टूडेंट्स ने दूसरों की आईडी से टिकट लेने की कोशिश की, उन्हें टिकट नहीं दिया गया।

हॉस्टल भी कराया गया खाली, आईआईएम की बस ने छात्रों को छोड़ा एयरपोर्ट

डीजी कांफ्रेंस के लिए आईआईएम के छात्रों को एक सप्ताह की छुट्टी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

आईआईएम रायपुर में छात्रों को एक सप्ताह का अवकाश दे दिया गया है। आईआईएम रायपुर के इतिहास में यह पहली बार है, जब विद्यार्थियों को इतना लंबा अवकाश पूर्व निर्धारित कैलेंडर के इतर दिया गया हो। हॉस्टल भी खाली करवा दिया गया है। इतनी लंबी अवधि का अवकाश छात्रों को छग में होने वाली डीजीपी कांफ्रेंस के कारण दिया गया है। देशभर के डीजीपी व कई सुरक्षा एजेंसियों के प्रमुखों के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह शामिल रहेंगे। प्रधानमंत्री की सुरक्षा को देखते हुए पुलिस और प्रशासन हाई अलर्ट पर है। आईआईएम रायपुर में संचालित विविध पाठ्यक्रमों में सभी वर्ष मिलाकर लगभग 750 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। छात्रों को सोमवार 24 नवंबर से ही छुट्टी दे दी गई है। छात्रों संग प्राध्यापक 30 नवंबर ⏭शेष पेज 11 पर

- विभिन्न वर्ष व पाठ्यक्रम मिलाकर यहां अध्ययनरत हैं 750 से अधिक विद्यार्थी

तीन दिनों तक होगी जांच

आईआईएम छात्रों के सोमवार को अपने घर लौटने के बाद मंगलवार से पूरे कैंपस में एसपीजी व सुरक्षा बलों के जवान की निगरानी शुरू हो जाएगी। कैंपस के साथ-साथ आस-पास के इलाका भी एसपीजी के सुरक्षा घेरे में रहेगा। डीजीपी-आईजीपी कांफ्रेंस 28 से 30 नवंबर तक आईआईएम कैंपस में होगा। इसके पूर्व तीन दिनों तक कैंपस के कोने-कोने की जांच की जाएगी। सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर एहतियात बरते हुए छात्रों को यह अवकाश दिया गया है। दूसरी ओर, आईआईएम प्रबंधन को सख्त निर्देश दिए गए हैं कि वे इस आयोजन से जुड़ी किसी भी तरह की जानकारी साझा ना करें। इसके चलते प्रबंधन द्वारा अवकाश की सूचना सार्वजनिक नहीं की गई।

सीएसवीटीयू को खत-मदद करें, महाविद्यालय प्रबंधन हमें खेलने नहीं दे रहा!

इंजीनियरिंग स्टूडेंट्स ने लिखा पत्र

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

प्रदेश के इंजीनियरिंग छात्रों ने तकनीकी विवि को खत लिखकर मांग की है कि उनकी खेलने की व्यवस्था की जाए। इससे नाराज विश्वविद्याय ने महाविद्यालयों को खत लिखकर आदेश दिया है कि वे खेल संबंधित प्रतियोगिताओं में छात्रों के हिस्सा लेने की उचित व्यवस्था करें। विवि प्रबंधन ने जारी किए गए अपने आदेश में कहा है कि विगत माह में आयोजित प्रतियोगिताओं में कुछ संस्थानों द्वारा सक्रिय सहभागिता दर्ज की गई। कई छात्रों द्वारा दूरभाष के जरिए विवि को सूचना दी है कि वे खेल ⏭शेष पेज 11 पर

- नाराज तकनीकी विवि ने खत भेजकर महाविद्यालयों को चेताया

नहीं आए थे खिलाड़ी छात्र

स्वामी विवेकानंद तकनीकी विवि द्वारा इंजीनियरिंग महाविद्यालयों के साथ ही पॉलीटेक्निक और फॉर्मेसी महाविद्यालयों को भी संबद्धता प्रदान की जाती है। इस तरह से छग में 176 महाविद्यालय ऐसे हैं, जिनके पाठ्यक्रम को सीएसवीटीयू संबद्धता प्रदान करता है। विवि की खेल प्रतियोगिताएं पिछले माह से प्रारंभ है। अधिक से अधिक संख्या में छात्र हिस्सा ले सकें, इसलिए विवि द्वारा आयोजन के पूर्व कैलेंडर जारी करते हुए प्रत्येक आयोजन की तिथि निर्धारित कर दी गई थी। कई अन्य प्रयास भी छात्रों की भागीदारी बढ़ाने के लिए किए गए, लेकिन कोई विशेष परिणाम नहीं आए। योगा सहित कई प्रतियोगिताओं में दर्जनभर खिलाड़ी छात्र भी नहीं पहुंचे। हालातों को देखते हुए अब विवि प्रबंधन इस व्यवस्था में है कि महाविद्यालय खेल संबंधित गतिविधियों को भी गंभीरता से लें।

नियुक्त होंगे खेल अधिकारी

महाविद्यालयों से कहा गया है कि वे संस्थान स्तर पर खेल अधिकारी की नियुक्ति करें। छात्रों को खेल गतिविधियों में शामिल करने आवश्यक पहल करने निर्देशित किया गया।

- किशोर भारद्वाज, क्रीड़ा अधिकारी, सीएसवीटीयू

बंगाल की खाड़ी में हलचल से फिर आएगी नमी

श्रीलंका की ओर बढ़ा सिस्टम अल्प समय के लिए लौटेगी ठंड

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

तमिलनाडु के ऊपर बने सिस्टम के श्रीलंका की तरफ खिसकने की वजह से राज्य में अल्प समय के लिए ठंड की वापसी होगी। राज्य का औसतन न्यूनतम तापमान अभी दस डिग्री सेल्सियस के ऊपर जा चुका है। आने वाले दिनों में बंगाल की खाड़ी में हलचल होने की वजह से नमीयुक्त हवा का प्रवेश होगा और तापमान फिर बढ़ेगा।

मध्य हिस्से से पिछले दो-तीन दिनों से ठंड गायब हो चुकी है और दिन में भी तेज गर्मी का अहसास हो रहा है। इस मौसम में गुरुवार के बाद थोड़ा बदलाव होने की संभावना है। विशेषज्ञों के मुताबिक आने वाली नमी की मात्रा में कमी की वजह से दस डिग्री सेल्सियस से ऊपर चढ़ चुके रात के पारा में दो से

तीन डिग्री की गिरावट आने की संभावना है। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक तापमान में गिरावट आने से ठंड बढ़ेगी, मगर इसका असर ज्यादा दिनों तक नहीं रहेगा। आने वाले दिनों में बंगाल की खाड़ी में सिस्टम तैयार होने से हवा अपने साथ फिर नमी लेकर आएगी। इससे तापमान में बढ़ोतरी की संभावना है। पिछले चौबीस घंटे शहर का न्यूनतम तापमान बढ़कर 17.5 डिग्री सेल्सियस हो गया है, जो सामान्य 1.6 डिग्री सेल्सियस अधिक है।

तकनीकी कारणों से 4 से 11 घंटे तक लेट हुई ट्रेनें, यात्रियों की बढ़ी परेशानी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

रायगढ़-कोतरलिया रेल खंड में आटोमैटिक सिग्नलिंग प्रणाली लगाने और चक्रधर नगर नए रेलवे स्टेशन की कमीशनिंग का काम रविवार को पूरा हो गया। इस काम के साथ-साथ खड़गपुर और रांची डिवीजन में चल रहे नॉन इंटरलॉकिंग काम की वजह से हावड़ा-मुंबई रूट की 10 के लगभग ट्रेनें रविवार को 4 से 11 घंटे तक विलंब से रायपुर पहुंचीं। इन ट्रेनों में हावड़ा-मुंबई मेल, हावड़ा-पुणे आजाद हिंद एक्सप्रेस एवं अहमदाबाद एक्सप्रेस सहित अन्य ट्रेनें शामिल हैं।

आटोमैटिक सिग्नलिंग प्रणाली रायगढ़ कोतरलिया रेलखंड में स्थापित करने के क्रम में दोनों स्टेशनों के इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग के इंस्टॉलेशन में आवश्यक संशोधन

अब कोहरा भी बढ़ाएगा मुश्किलें

लिए रविवार को पूर्व निर्धारित 4 घंटे की नॉन-इंटरलॉकिंग का काम पूरा किया गया। रायगढ़ स्टेशन पर नॉन-इंटरलॉकिंग का काम 11.15 बजे एवं कोतरलिया स्टेशन पर 11.25 बजे प्रारंभ हुआ। निर्धारित समयानुसार तकनीकी कार्य पूरा कर रायगढ़ स्टेशन को 14.25 बजे तथा कोतरलिया स्टेशन को 14.20 बजे नॉन-इंटरलॉकिंग काम पूरा करने के बाद ट्रैक को परिचालन के लिए बहाल कर दिया गया।

रायपुर पहुंचने में कई प्रमुख गाड़ियां घंटों लेट

रायपुर आने वाली लंबी दूरी की कई महत्वपूर्ण ट्रेनें अपने निर्धारित समय से काफी विलंब से पहुंचीं, जिससे यात्रियों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। जानकारी अनुसार रूट पर तकनीकी कारणों और ट्रैफिक कंजेशन की वजह से देरी हुई। हावड़ा–मुंबई मेल लगभग 5 घंटे, हावड़ा–पुणे आजाद हिंद एक्सप्रेस करीब 6 घंटे, बिलासपुर में पुरी–ऋषिकेश कलिंग उत्कल एक्सप्रेस 6 घंटे, आरा–दुर्ग सारनाथ एक्सप्रेस 6 घंटे, हटिया एक्सप्रेस और टाटा–इटवारी एक्सप्रेस दोनों लगभग 4 घंटे लेट रहीं। वहीं सबसे ज़्यादा देरी हावड़ा–अहमदाबाद एक्सप्रेस और हावड़ा–मुंबई समरसता एक्सप्रेस में दर्ज की गई, जो करीब 11 घंटे विलंब से रायपुर पहुंचीं।

प्रधानमंत्री, गृहमंत्री के विजिट को लेकर राजधानी हाई अलर्ट पर

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

नवा रायपुर में आयोजित 28 से 30 नवंबर को डीजी कांन्फ्रेंस मीटिंग को लेकर हाई अलर्ट घोषित किया गया है। सुरक्षा व्यवस्था चाक चौबंद करने दो दिन पूर्व रविवार को एडीजी इंटेलिजेंस अमित कुमार की अफसरों के साथ बैठक के बाद

सोमवार को वाहनों की जांच करने के साथ संदिग्धों की धरपकड़ पुलिस ने पहले से और तेज कर दी है। डीजी कांन्फ्रेंस के लिए देश के अलग-अलग राज्यों के पुलिस महानिदेशक, केंद्रीय सुरक्षा बल के साथ रॉ, आईबी के निदेशक शामिल होंगे। कान्फ्रेंस का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे। साथ ही केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह पूरे तीन दिन रायपुर में रुकेंगे। इस बात को ध्यान में रखते हुए पुलिस ने जांच तेज कर दी है। ⏭शेष पेज 11 पर

पाठक सूचना

हरिभूमि के सुधि पाठकों को

अखबार की प्रतियां नहीं मिल रही हो या अन्य अखबार दिया जा रहा हो तो हमें निम्न नंबर पर संपर्क करें या वाट्सअप करें

9827555678, 8224868411

मुख्य सचिव का आदेश- शिक्षा संस्थान, अस्पताल, स्टेडियम, बस स्टैंड और खेल मैदान में आवारा कुत्तों का प्रवेश रोंके

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ में अब सभी शैक्षणिक संस्थान, अस्पताल, स्टेडियम, बसस्टैंड एवं खेल के मैदानों में आवारा कुत्तों का प्रवेश रोका जाएगा। यह निर्देश राज्य के मुख्य सचिव की अध्यक्षता में हुई बैठक में दिया गया है। दरअसल आवारा कुत्तों के खतरनाक हमलों को लेकर सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का राज्य में पालन कराने के लिए मुख्य सचिव ने यह निर्देश दिए हैं। यही नहीं, राज्य के नगरीय निकायों से ये भी कहा गया है कि छह सप्ताह में इन सभी स्थानों पर बांउड्रीवाल, गेट और अन्य अधोसंरचना का निर्माण किया जाए, ताकि यहां आवारा कुत्तों का प्रवेश रोका जा सके।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के पालन के लिए तैयारियां, हेल्पलाइन 1033, 1100 में शिकायत 72 घंटे में निपटाएं

ये है मामला

सुप्रीम कोर्ट ने एक स्वतः संज्ञान प्रकरण में सुनवाई के बाद आवारा कुत्तों के मामले में अंतरिम निर्णय पारित किया है। इसके पालन में संस्थागत क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग, राज्य मार्ग, राष्ट्रीय एक्सप्रेस वे, में आवारा गोवंशीय एवं अन्य पशुओं के संबंध में निर्देश दिए गए हैं। इसके पालन के लिए मुख्य सचिव की अध्यक्षता वाली बैठक में विचार विमर्श कर निर्देश को राज्य में लागू करने के लिए विचार किया गया।

अब निकायों को ये करना होगा

मुख्य सचिव की बैठक में दिए गए निर्देश के हवाले से नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने राज्य के सभी नगर निगम आयुक्त, सभी नगर पालिकाओं और नगर पंचायतों के सीएमओ के लिए आदेश जारी किया गया है। निकायों से कहा गया है कि 3. सभी चिन्हित संस्थानों (सभी शैक्षणिक संस्थान, अस्पताल, स्टेडियम, बस स्टैंड एवं खेल के मैदानों में)के निरीक्षण हेतु समस्त नगरीय निकाय स्तर पर नोडल अधिकारी नामित किया जावें। परिसर के रखरखाव, सफाई के साथ यह भी सुनिश्चित किया जाए कि आवारा कुत्ते परिसर में प्रवेश न करे तथा वहाँ नहीं रहें। इस हेतु संस्थान के प्रशासनिक प्रमुख द्वारा नोडल अधिकारी नियुक्त की जाए। नोडल अधिकारी का नाम, मोबाईल नम्बर प्रवेश द्वार के निकट प्रदर्शित किया जावें। (जो स्पष्ट दिखे, मिटे नहीं)। नाम पट्टिका सहित नोडल अधिकारी का फोटोग्राफ शामिल किया जाए।

यहां नहीं घुसने दिए जाएं कुत्ते

यह भी कहा गया है कि नगरीय निकाय के अधीन स्टेडियम स्पोर्ट काम्पलेक्स में आवारा कुत्ते परिसर में प्रवेश नहीं करे न ही वहाँ रहें। नगरीय निकाय द्वारा बस स्टैंड, डिपो परिसर में आवारा कुत्तों के निवास या आवागमन को रोके। आवारा कुत्तों की नसबंदी, डिवार्मिंग एवं टीकाकरण हेतु पशु चिकित्सकों से कराएं।

आवारा कुत्तों के लिए आश्रय स्थल

निर्देश है कि प्रदेश के सभी नगरीय निकाय में आवारा कुत्तों के लिये सुविधा युक्त आश्रय स्थल बनाये जाने तथा पुराने शासकीय भवन,बाड़ा को अस्थायी आश्रय स्थल के रूप में चिन्हांकित किया जावे अथवा आवश्यकतानुसार लो-कॉस्ट अस्थायी आश्रय स्थल बनाया जावें। उक्त आश्रय स्थल में नोटिस बोर्ड प्रदर्शित कर फोटोग्राफ लिया जाए। संस्थाओं के परिसर में पाए जाने वाले प्रत्येक आवारा कुत्ते को तुरंत हटाने और पशु जन्म नियंत्रण नियम, 2023 के अनुसार, नसबंदी और टीकाकरण के बाद आश्रय स्थल में स्थानांतरित करे या अन्यत्र छोड़े। किसी भी स्थिति में उसी स्थान पर वापस न छोडा जावे।

भोजन का इंतजाम भी

समस्त नगरीय निकाय में वार्डवार आवारा कुत्तों के लिये भोजन स्थल चिन्हांकित करें। चिन्हांकित भोजन स्थल का प्रचार-प्रसार किया जायें। जिससे कि उक्त स्थल में ही भोजन उपलब्ध हो सके। बडे वार्ड होने पर एक से अधिक स्थानों पर भोजन स्थल चयन किया।मवेशियों को गौठान या कांजी हाउस में रखें राष्ट्रीय राजमार्ग एवं राज्य राजमार्ग से आवारा पशुओं को पकड़ कर गौठान गौशाला कांजी हाउस में रखें। आवारा पशु मंदिर/ सामाजिक संस्थाओं को भी दिये जा सकते हैं। सड़कों पर मवेशी दिखाई नहीं दे। पेट्रोलिंग का अभियान चलाया जा कर आवारा पशुओं का व्यवस्थापन किया जावें। यही नहीं हेल्पलाइन 1033, 1100 पर इस संबंध में कोई शिकायत आए तो 72 घंटे में उसका निराकरण करना होगा।

खबर संक्षेप

स्कूलों में डाग ट्रेनर कार्यशाला कराएं, सीएम और शिक्षामंत्री को पत्र

रायपुर। पूर्व विधायक विकास उपाध्याय ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव को पत्र लिखकर शिक्षकों को विद्यालय परिसर में दिखने वाले कुत्तो की जानकारी के संबध में डाग ट्रेनर कार्यशाला एवं मैराथन प्रशिक्षण आयोजित करने की मांग की है।

उन्होंने कहा, सरकार द्वारा पिछले दिनों आदेश जारी कर विद्यालय परिसर में दिखने वाले कुत्तों की सम्पूर्ण जानकारी देने शिक्षकों की ड्यूटी लगाई गई है। जारी परिपत्र में 9 कालम में जानकारी मांगी गई है। कुत्तों की इतनी जानकारी एकत्र करने के लिए श्वान प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित करना चाहिए। कुशल डॉग ट्रेनर नियुक्त कर शिक्षकों को कुत्तों के संबध मे पूरी जानकारी दी जा सके। अगर आप हमारी मांगे पूर्ण नहीं करते हैं, तो हमारे द्वारा ट्रेनिंग के लिए शिविर का आयोजन कर गुरुजनों को प्रशिक्षित किया जायेगा।

तार्किक और मनमाने ढंग से बढ़ाई जमीन की दरें

रायपुर। जमीन की गाइड लाइन दरों में की गई बेतहाशा बढ़ेतरी का विरोध कर रहे व्यापारियों की मांगों और उनके आंदोलन का कांग्रेस समर्थन करती है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा, सरकार ने अतार्किक तरीके से जमीनों की नई गाइड लाइन दर का निर्धारण किया है, इससे पूरे प्रदेश में असंतोष है।

सरकार के इस फैसले से जमीन व्यवसायी, किसान और उद्योग लगाने वाले सभी परेशान हैं। दुर्ग में गाइड लाइन का विरोध कर रहे व्यापारियों ने प्रदेश भाजपा अध्यक्ष के काफिले को रोककर नारेबाजी की, रायपुर में भी व्यापारियों ने विरोध प्रदर्शन कर हस्ताक्षर अभियान चलाया। उन्होंने कहा, न किसी से चर्चा, न सुझाव, न ही दावा आपत्ति का अवसर, अचानक अनुचित फैसले थोप दिये गये। सरकार पहले भूमि के गाइड लाइन दरों में कांग्रेस सरकार के समय दी जाने वाली 30 प्रतिशत छूट को समाप्त कर दिया। अब अचानक से जमीनों की सरकारी कीमत 10 से 100 प्रतिशत बढ़ा दिया, मतलब छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार आने के बाद भूमि की सरकारी कीमत 40 से 130 प्रतिशत बढ़ गयी, इससे जमीन व्यवसाय ठप हो गया।

साव ने कहा- सरकार नक्सल उन्मूलन के लिए प्रतिबद्ध

नक्सलियों के पत्र, हिड़मा के समर्थन में लगे नारे पर सियासी घमासान, डिप्टी सीएम ने दिया बस्तर आने का न्योता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

माओवादी संगठन एमएमसी जोन ने छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र और मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्रियों को पत्र लिखकर हथियार छोड़कर मुख्यधारा में लौटने की इच्छा जताई है। पत्र को लेकर सियासत तेज हो गई है। डिप्टी सीएम अरुण साव ने कहा, सरकार नक्सल उन्मूलन के लिए प्रतिबद्ध है। वहीं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा, पत्र की सच्चाई सामने लाएं, सही है, तो निर्णय लेना चाहिए।

वहीं दिल्ली में लगे नारे पर डिप्टी सीएम और गृहमंत्री विजय शर्मा ने उन युवाओं को बस्तर आकर देखने का न्योता दिया। नक्सलियों के पत्र और सरेंडर की इच्छा पर उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा, राज्य सरकार नक्सल उन्मूलन के लिए प्रतिबद्ध है। नक्सलियों के पुनर्वास के लिए दरवाज़े हमेशा खुले हैं। वे जब चाहें हथियार छोड़कर मुख्य धारा में लौटें। सरकार ने उनके लिए बेहतर योजनाएं बनाई हैं। अगर वे नहीं मानेंगे, तो सुरक्षाबलों की कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। इंडिया गेट पर हिड़मा के समर्थन में लगे नारों को लेकर उन्होंने कहा, ये वही टुकड़े-टुकड़े गैंग के समर्थक हैं। उनकी मानसिकता बार-बार उजागर होती रही है। केंद्र और राज्य सरकार ऐसे तत्वों को कड़ा सबक सिखाती है। देश के खिलाफ आवाज उठाने वालों को बख्शा नहीं जाएगा।

पत्र की सत्यता स्पष्ट करे सरकार : बैज

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज ने नक्सल संगठन के पत्र को लेकर कहा, पहली बार तीन राज्य के मुख्यमंत्रियों को नक्सलियों ने चिट्ठी लिखी है, उस चिट्ठी पर कितनी सत्यता है, सरकार को स्पष्ट करना चाहिए। चिट्ठी सही है तो सरकार को निर्णय लेना चाहिए। उन्होंने कहा, कोई भी देश में नारा लगा रहा है, तो यह उसका विवेक है। हिड़मा की मौत से बस्तर में नक्सलियों को बड़ा झटका लगा है। वह नक्सलियों का एक बड़ा लीडर था, बस्तर में उसकी अच्छी पैठ और पकड़ रही है। कौन क्या नारा लगा रहा है, वह जाने।

एमएमसी जोन के युद्धविराम प्रस्ताव पर सरकार का स्पष्ट रुख

एमएमसी जोन के माओवादियों द्वारा मुख्यमंत्रियों को भेजे गए युद्धविराम पत्र और ऑडियो पर विजय शर्मा ने कहा, यह प्रस्ताव उनके संज्ञान में है। वे 15 फरवरी की बात कर रहे हैं। इतने लंबे समय की जरूरत नहीं है। किसी भी सार्थक बातचीत के लिए 10-15 दिन पर्याप्त हैं। अगर वे स्पष्ट और ठोस प्रस्ताव देंगे कि वे चाहते क्या हैं, तो सरकार बातचीत और सहयोग के लिए तैयार है। शांति चाहने वालों के लिए दरवाजे खुले हैं, लेकिन हिंसा के लिए कोई जगह नहीं है।

नारे लगाने वाले युवा बस्तर आकर देखें : शर्मा

देश की राजधानी दिल्ली के इंडिया गेट पर हिड़मा के समर्थन में लगे नारे पर छत्तीसगढ़ के डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने कड़ा रुख दिखाते हुए उन युवाओं और बच्चों को बस्तर आने का न्योता दिया है।

उन्होंने कहा, राजधानी में बैठे कुछ लोग मासूमों को बरगलाने की कोशिश कर रहे हैं, जबकि बस्तर की हकीकत और माओवाद की क्रूरता को समझने के लिए जमीन पर आकर देखना जरूरी है। वे बस्तर आएं और उन 25 साल के युवाओं से मिलें, जिन्होंने आज तक टीवी नहीं देखा। दिल्ली में बैठकर बच्चों को बरगलाया नहीं जा सकता। बस्तर कभी बिजली, पानी और सड़क से वंचित रहा है, ऐसे में बाहर बैठे लोग उसकी पीड़ा को समझ भी नहीं सकते। माओवादी विचारधारा किसी भी रूप में स्वीकार्य नहीं है, क्योंकि जो व्यवस्था बंदूक से बात करे, वह लोकतांत्रिक नहीं, दमनकारी होती है।

एसआईआर की समीक्षा में बोले जामवाल- राष्ट्रीय महायज्ञ में भाजपा की पूर्णाहुति सुनिश्चित हो

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

भाजपा रायपुर जिला की एसआईआर को लेकर गहन समीक्षा बैठक क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव के नेतृत्व में हुई। अजय जामवाल ने एसआईआर के कार्य को गंभीरता से करने के लिए सभी को निर्देश दिए। कहा, हमें जागरूक नागरिक होकर एसआईआर के कार्य को करना है, राष्ट्रीय नेतृत्व भी इसकी गहन निगरानी कर रहा है। शहरों की अपेक्षा ग्रामीण क्षेत्रों में उत्साह देखने को मिल रहा है। उन्होंने सभी को एसआईआर के इस अभियान को पूर्ण रूप से समय सीमा के तहत सौ प्रतिशत पूर्ण करने के निर्देश दिए।

जिलाध्यक्ष रमेश सिंह ठाकुर ने कहा, वार्ड, मंडल एवं जिले स्तर पर एसआईआर की कार्यशाला आयोजित की गई। लगातार बूथ स्तर से लेकर एसआईआर की समीक्षा सभी से ली जा रही है। प्रत्येक विधानसभा की विस्तृत जानकारी जिसमे कितने फॉर्म वितरण हुआ एवं कितने फॉर्म प्राप्त हुए इसकी जानकारी दी। आने वाले 4 दिसम्बर तक इस गहन मतदाता सूची पुनर्निरिक्षण का कार्य शत प्रतिशत करने का विश्वास दिलाया। जिसमे मुख्य रूप से राजनांदगाँव के सांसद संतोष पाण्डेय, भाजपा प्रदेश महामंत्री अखिलेश सोनी रायपुर के सभी विधायक एवं रायपुर की महापौर उपस्थित रही। आज की बैठक में मुख्य रूप से निगम मंडल के अध्यक्ष सभी जिला पदाधिकारी सभी पार्षद, विधानसभा के सभी बीएलए, मंडल के पदाधिकारी शक्ति केंद्र के प्रभारी संयोजक सहसंयोजक सम्मिलित हुए।

भाजपा का एक-एक कार्यकर्त्ता अपनी शक्ति सामर्थ्य समर्पित करे : देव

प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने जानकारी दी की लगातार नगर पंचायत, नगर पालिका, नगर निगम के सभी पार्षदों से लगातार एसआईआर को अपना कर्तव्य समझकर गंभीरता से करने का निर्देश दिया और युवा मोर्चा को भी जमीनी स्तर पर काम करने के लिए निर्देशित किया गया है।

कांग्रेस का आरोप- एसआईआर के नाम पर जनता को परेशान करवा रही है भाजपा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

मोदी नोटबंदी के समय जैसे जनता को लाइन में लगाया था वैसे ही एसआईआर के नाम पर एक बार फिर से जनता को अपना मतदान बचाने लाइन में लगा दिया गया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि भाजपा की केन्द्र सरकार एसआईआर के नाम पर प्रदेश की जनता को परेशान कर रही है। आज हर आदमी अपना सब काम छोड़कर अपनी नागरिकता साबित करने तथा मतदाता सूची में अपना नाम बचाने की कवायद में लगा है। आयोग मतदाताओं को अनावश्यक परेशान कर रहा है। जो लोग दशकों से मतदान कर रहे हैं, उनको भी अपने आपको प्रमाणित करने के लिये मशक्कत करनी पड़ रही है। भाजपा ने अपनी राजनीति और सत्ता को बचाने के लिये सभी देशवासियो को लाइन में खड़ा कर दी है।

उन्होंने कहा, चुनाव आयोग ने बिना प्रशिक्षण दिये ही आनन-फानन में आंगनबाड़ी सहायिकाओं और कार्यकर्ताओं को बीएलओ बनाकर फील्ड में भेज दिया है। आयोग के बीएलओ खुद फार्म की जानकारियों के बारे में दिग्भ्रमित है, जिसके कारण भी मतदाता प्रपत्र नहीं भर पा रहे हैं। विवाहिता स्त्री के मामले में आयोग की नियमावली में पिता-माता के 2003 के मतदाता सूची को आधार माना गया है, लेकिन जानकारी के आभाव में आयोग के बीएलओ अधिकांश मतदाताओं से उनके पति की जानकारी को भरकर प्रपत्र स्वीकार कर लिया है। अतः आयोग यह स्पष्ट करें कि बीएलओ के द्वारा भराये गये यह फार्म निरस्त नहीं होंगे।

■ मोदी ने नोटबंदी के बाद एसआईआर पर जनता को लाइन में लगा दिया : बैज

उन्होंने कहा, आनलाइन एसआईआर फार्म भरने और आफलाइन एसआईआर फार्म में जो दस्तावेज मांगे जा रहे वह भी अलग हैं। आनलाइन में केवल आधार नंबर से एसआईआर हो जा रहा, जबकि आफलाइन में 2003 की मतदाता सूची में परिजन का नाम अनिवार्य कर दिया गया है। अब आयोग यह भी स्पष्ट करे कि आनलाइन फार्म स्वीकार करने के बाद फिर से आफलाइन फार्म नहीं मांगेगा। बीएलओ को भाजपा नेता कार्यकर्ता ठीक से काम करने नहीं दे रहे हैं। ऐसी शिकायत जगह-जगह से आ रही है। भाजपा के नेता बीएलओ पर अनुचित दबाव डाल रहे हैं।

तेलंगाना और राजस्थान की सूची जारी, छत्तीसगढ़ की सूची अटकी

जिला अध्यक्षों की सूची पर राहुल की स्वीकृति के बाद लगेगी मुहर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

कांग्रेस के संगठन सृजन अभियान के तहत छत्तीसगढ़ कांग्रेस संगठन में बड़ा बदलाव करने की तैयारी है। 17 अक्टूबर तक सभी जिलों के पर्यवेक्षकों ने ब्लॉक कांग्रेस की राय लेकर संभावित नामों की सूची एआईसीसी को सौंप दी थी। 41 जिलाध्यक्षों में नए चेहरों को मौका मिल सकता है। नए जिला अध्यक्षों की सूची लंबे समय से एआईसीसी में अटकी हुई है। कांग्रेस सूत्रों के अनुसार सूची को अंतिम रूप देने से पहले राहुल गांधी की प्रदेश प्रभारी सचिन पायलट के साथ होने वाली बैठक के बाद जारी होगी।

छत्तीसगढ़ में संगठन को नया और सक्रिय स्वरूप देने के उद्देश्य से बदलाव किया जा रहा है। संगठन में नियुक्ति के लिए एआईसीसी ने प्रदेश के वरिष्ठ नेताओं से भी राय ली है। पर्यवेक्षकों ने अपनी पूरी रिपोर्ट देने के साथ ही एआईसीसी को पूरा फीडबैक दे दिया है। ऐसे में यह माना जा रहा था कि नवंबर के अंत में सूची आ जाएगी। सूत्र बताते हैं कि राज्य के वरिष्ठ नेताओं से राय लेने के बाद अब राहुल गांधी, एआईसीसी के महासचिव केसी वेणुगोपाल के साथ प्रदेश प्रभारी सचिन पायलट की एक और बैठक होगी। बैठक में आए सभी नामों पर चर्चा के बाद सक्रिय लोगों के नाम जारी किए जाएंगे। बिहार चुनाव के कारण इस पर होने वाली बैठक नहीं हो पाई, जो जल्द होगी।

कल आएंगे पायलट

प्रदेश कांग्रेस प्रभारी सचिन पायलट 26 नवंबर को छत्तीसगढ़ दौरे पर आ रहे हैं। बताया गया है कि वे यहां पर निर्वाचन आयोग द्वारा चलाए जा रहे एसआईआर कार्यक्रम की पार्टी स्तर पर समीक्षा के लिए आ रहे हैं। कांग्रेस द्वारा बूथों में बनाए गए बीएलए के माध्यम से पूरे प्रदेश में एसआईआर की जानकारी लेंगे। वहीं पार्टी की निगरानी समिति से अब तक प्रदेश की रिपोर्ट भी लेंगे।

जल्द आएगी जिला अध्यक्षों की सूची- बैज

जिलाध्यक्षों की सूची को लेकर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा, राजस्थान और तेलंगाना दोनों राज्यों की जिला अध्यक्षों की सूची आ गई है। हम चाह रहे हैं कि सूची जल्द आ जाए, ताकि संगठन के बहुत सारे काम हो सकें। बहुत जल्द छत्तीसगढ़ की सूची आएगी।

वरिष्ठ नेताओं में खींचतान

जिलों से जिन नामों का पैनल गया है, उनमें अधिकतर ऐसे लोग शामिल हैं, जो पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज के खेमे से हैं। नामों को लेकर कई वरिष्ठ नेताओं में खींचतान मची हुई है। ऐसे में देखना यह है कि जो नार्म्स संगठन ने तय किए हैं, उन पर वे कितने फिट बैठते हैं। वहीं राज्य में राजनीतिक समीकरण के हिसाब से नामों को तय करने की तैयारी है। बताया जा रहा है कि अब होने वाली बैठक में किन नामों को तवज्जो देते हैं, यह बैठक के बाद ही तय हो सकेगा।

कमजोर प्रदर्शन करने वाले बदले जाएंगे

छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस ने इसके पहले 11 जिलाध्यक्षों की नियुक्ति की थी, लेकिन कुछ जिलों में संगठन का प्रदर्शन उम्मीदों पर खरा नहीं उतरा। अब कमजोर प्रदर्शन वाले जिला अध्यक्षों को भी बदलने की तैयारी हो चुकी है। जिन जिलों में विधानसभा चुनाव के दौरान पार्टी का प्रदर्शन ठीक नहीं रहा, उनका हटना तय है। माना जा रहा है कि सभी जिलों में नए अध्यक्षों की नियुक्ति नवंबर के अंत में आने की संभावना है।

कार्यालय राजस्व निरीक्षक मंडल-19 (धनेली) तहसील धरसींवा जिला रायपुर (छ.ग.)

आम सूचना

दिनांक 24/11/2025

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक नारायण मुलचंदानी पिता/पिता स्व. सच्चानंद मुलचंदानी निवासी रायपुर की ग्राम बेन्दरी प.ह.नं. 30 राजस्व निरीक्षक मंडल रायपुर-19 (धनेली) तहसील धरसींवा जिला रायपुर छ.ग. में स्थित भूमिस्वामी हक की भूमि खसरा नंबर 130/57 रकबा 0.1950 हे. का सीमांकन न्यायालय तहसीलदार धरसींवा के ज्ञापन क्रमांक क/वाचक/तह/2024-25 आदेश दिनांक 30/06/2025 के परिपालन में दिनांक 16/12/2025 को समय 12:00 बजे पश्चात किया जाना नियत है। अतः उक्त सीमांकन में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा या आपत्ति हो, वे उक्त तिथि को पटवारी हल्का नंबर 30 के स्थित कार्यालय में अथवा सीमांकन स्थल में दस्तावेज सहित स्वयं अथवा अपने वैध अभिभावक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। बाद के किसी दावा या आपत्ति पर विचार किया जाना संभव नहीं होगा।

अतः सूचना जानें।

राजस्व निरीक्षक
रायपुर-19 (धनेली)

आम-सूचना

मौजा-ग्राम-कोटनी, प.ह.नं. 20, रा.नि.मं. मंदिरहसौद, तहसील- आरंग, जिला रायपुर (छ.ग.) में स्थित खसरा नं. 150, 152/2, 153, 344/1, 344/2, 345 कुल खसरा 06 कुल रकबा 0. 8600 के संबंध में :-

एतत द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि विक्रेता राजकुमार उम्र- 47 वर्ष पिता लच्छीराम, जाति- सतनामी, निवासी- ग्राम टेमरी, रायपुर तहसील व जिला रायपुर छ.ग. के आधिपत्य व स्वामित्व की कृषि भूमि जो कि वाके मौजा- ग्राम- कोटनी, प.ह.नं. 20, रा.नि.मं. मंदिरहसौद, तहसील- आरंग, जिला रायपुर (छ.ग.) में स्थित खसरा नं. 150, 152/2, 153, 344/1, 344 / 2, 345 कुल खसरा 06 कुल रकबा 0.8600 को मेरे पक्षकार क्रेता सुरेश कोसरे उम्र 50 वर्ष पिता स्व. उदय राम कोसरे निवासी-पता-ग्राम- जोरा, कोसरे सदन कृषक नगर, जोरा, रायपुर तहसील व जिला रायपुर छ.ग. के द्वारा उक्त भूमि को क्रय करने का पक्का सौदा कर विक्रेता को बयाना राशि अदा कर दिया है, जिसका केवल बैनामा पंजीयन कराया जाना ही शेष है।

अतः उपरोक्त संव्यवहार से जिस किसी भी व्यक्ति, साहूकार, फर्म, संस्था, बैंक, शासकीय एवं अर्द्धशासकीय निकाय इत्यादि को कोई उजर, दावा या आपत्ति हो तो वह इस आम सूचना प्रकाशन के 07 दिनों के अंदर मय सुसंगत दस्तावेज मेरे कार्यालय में आकर अपनी लिखित आपत्ति दर्ज करावे। समयावधि बीतने के पश्चात की गई आपत्ति अवैध व शुन्य समझी जाएगी तथा मेरे पक्षकार पर लागू एवं बधनकारी नहीं होकर शुन्य मानी जाएगी। अतः सूचना जाने।

रायपुर छ.ग. दिनांक- 23.11.2025

मनीष बारबुधे (अधिवक्ता)
पता- गोलबाजार तेलीपारा, हनुमान मंदिर के पीछे रोड़ रायपुर छ.ग.
मो.नं. 9827196944

आम-सूचना

ग्राम-टिकरापारा, प.ह.न. 70, रा.नि.मं. रायपुर-2 तह. व जिला-रायपुर (छ.ग.) स्थित भूमि के संबंध में

सर्व साधारण आम जनता को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार ने विक्रेतागण 1. रश्मि शर्मा पति स्व. आर. बी. शर्मा, 2.रत्नेश शर्मा पिता स्व. आर.बी. शर्मा, 3. निहारिका मिश्रा पति श्री निखिल मिश्रा, सभी निवासी अवन्ति उद्यान के पीछे सिविक सेन्टर भिलाई दुर्ग (छ.ग.) के स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमिमय मकान जो कि ग्राम- टिकरापारा, प.ह.न. 70. रा.नि.मं. रायपुर-2 तहसील व जिला-रायपुर (छ.ग.) में स्थित भूमि विक्रेतागण ने रायपुर विकास प्राधिकरण से भूमिमय मकान क्रय कर खसरा 296 का भाग को फ्री होल्ड कराकर नामांतरण पश्चात नया खसरा नंबर 296/201 रकबा 0.0139 हे. याने 1500 वर्गफुट जिसके भूतल पर 500 वर्गफुट एवं प्रथम तल पर 500 वर्गफुट पर जर्जर मकान निर्मित है शेष खुला भाग है। को क्रय किए जाने का पक्का सौदा कर ब्याना राशि प्रदान किया गया है तथा बैनामा पंजीयन की कार्यवाही शेष है।

अतः जिस किसी व्यक्ति, संस्था, निकाय, शासकीय, अर्द्धशासकीय को उपरोक्त सौदे पर किसी भी तरह की हक, उजर, दावा, आपत्ति हो वह इस आमसूचना प्रकाशन के 15 दिनों के अंदर अपने आपत्ति लिखित रूप से मय दस्तावेज मेरे नीचे लिखे पते पर मेरे समक्ष प्रस्तुत कर सकता है। दैनिक समाचार पत्र के माध्यम से की गई आपत्ति अमान्य होगी तथा निर्धारित समयावधि के उपरांत विक्रय पत्र की लिखा पढ़ी एवं रजिस्ट्री करा ली जावेगी तथा उक्त दशा में प्राप्त आपत्ति झूठी एवं नाजायज करार दी जावेगी तथा मेरे पक्षकार बंधनकारी भी नहीं होगा। सो सूचना जाने।

रायपुर छ.ग. दिनांक- 24/11/2025

भवदीय
राकेश कुमार कौशल, योगेश कुमार पिछोड़े (अधिवक्तागण)
लक्ष्मीनारायण मंदिर परिसर, लिली चौक, पुरानीबस्ती, रायपुर (छ.ग.)
मो. 98274-94371

फूड कोर्ट पर विकास ने सांसद और विधायक की भूमिका पर उठाया सवाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

पूर्व विधायक विकास उपाध्याय ने कहा, केवल जिद के कारण विधायक राजेश मूणत और महापौर मीनल चौबे ने फूड कोर्ट को बर्बाद किया। चौपाटी के नाम पर जनता के टैक्स का 6 करोड़ रुपए बर्बाद करने का जवाबदार कौन है। उन्होंने कहा, उस समय के विधायक और सांसद बृजमोहन अग्रवाल, सुनील सोनी की भूमिका क्या थी? जब इसके निर्माण को लेकर स्मार्ट सिटी में मीटिंग हो रही थी, तब यह क्या कर रहे थे? इनकी क्या भूमिका थी जांच का विषय है। वही दूसरी ओर इसके निर्माण को लेकर अधिकारियों की बैठक चल रही थी कलेक्टर, स्मार्ट सिटी के सीईओ और निगम कमिश्नर द्वारा रूप रेखा तैयार किए जा रहे थे, अगर यह गलत तो इनकी भी जवाबदारी तय होनी चाहिए। तोड़-फोड़ करना और लोगों को बेरोजगार करना राजेश मूणत की फितरत में शामिल है। इसके पूर्व जब मंत्री थे, तब स्टेशन रोड और खालसा स्कूल के लोगों को सड़क चौड़ी करण के नाम पर उजाड़ने का काम किया था। उन्हें व्यवस्थापन का दिलासा देकर आज तक उन्हें मुआवजा नहीं मिला। आज फिर वही दोहराने का काम उन्होंने किया है। सैकड़ों परिवार के सामने आज जीवन व्यापन का संकट आ गया है।

डीजीपी कांफ्रेंस की समीक्षा कर दिल्ली लौटे आईबी चीफ

रायपुर। डीजीपी-आईजी कांफ्रेंस को लेकर देश के आईबी चीफ तपन डेका इसकी दो दिन समीक्षा के बाद दिल्ली लौट गए हैं। बताया गया है कि दो दिन उन्होंने यहां होने वाली कांफ्रेंस की तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था सहित अन्य मुद्दों को लेकर राज्य के डीजीपी और अन्य अधिकारियों के साथ बैठक कर फीडबैक लिया। श्री डेका रायपुर में गुरुवार और शुक्रवार को थे। अब वे 28 की शाम को डीजीपी कांफ्रेंस के दौरान आएंगे। बताया गया है कि कांफ्रेंस में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह भाग लेंगे। बैठक के दौरान देशभर के डीजीपी और आईजी भी मौजूद रहेंगे। ऐसे में उनके रुकने और कांफ्रेंस के आयोजन की पूरी समीक्षा की गई। यहां पर आज से सीआरपीएफ ने नया रायपुर में सुरक्षा की जिम्मेदारी संभाल ली है। वहीं एसपीजी की टीम कल रायपुर आएगी। टीम कार्यक्रम स्थल और अन्य ठहरने के स्थान का दौरा कर सुरक्षा की समीक्षा करेगी।

शोक संदेश

स्व. श्री सोमनाथ साहू

हम अत्यंत दुःख के साथ सूचित कर रहे हैं कि हमारे पूजनीय पिताजी
स्व. श्री सोमनाथ साहू (सचिव)
का स्वर्गवास रविवार, 16 नवंबर 2025 को हो गया है ।
(धर्म पत्नी श्रीमती अंजू साहू), चंदन साहू (शुभम) पुत्र
धारणा साहू (पुत्री)

श्रद्धांजलि सभा (दशगात्र)

मंगलवार, 25 नवंबर 2025, दोपहर- 12 बजे से
साहू भवन (तालाब के पास), बाजार चौक धरमपुरा, रायपुर (छ : ग)

शोकाकुल परिवार :
श्री शत्रुधन साहू (पिता जी), श्री श्याम सुंदर (चाचा जी), मोहन लाल, फागुराम, आत्माराम, मधुकुमार, संदीपकुमार, चेतन, राकेश, वरुण, सृजन, एवं समस्त साहू परिवार

जिस किसी सज्जन को शोक-पत्र न मिला हो कृपया इसे ही स्वीकार करें।

खबर संक्षेप

छेरछेरा पुन्नी पर बारा डेरा तुलसी में लगेगा तीन दिवसीय गुरु अमर दास दर्शन मेला

मंदिर हसौद। राजधानी रायपुर के पास स्थित बारा डेरा तुलसी में गुरु अमर दास दर्शन मेला जो की छरछेरा पुन्नी में 3 दिवसीय लगने वाले गुरू दर्शन मेला को लेकर 24 नवंबर को गुरुद्वारा परिसर में गुरु अमर दास संत संघ समिति द्वारा बैठक आयोजित किया। जिसमें मेला बाजार का ठेका गुरुद्वारा जैत खंभा और रंग मंच की पेंटिंग , पंथी, मंगल चौक सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा भंडारे की व्यवस्था पर चर्चा हुई।

साहू समाज के मीडिया प्रभारी बने जागेश

रायपुर। साहू समाज समोदा महानदी परिक्षेत्र में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष सहित सभी पदाधिकारियों के शपथ ग्रहण समारोह के बाद संगठन का

विस्तार किया गया। इसी क्रम में क्षेत्र के युवा पत्रकार जागेश साहू को समाज का मीडिया प्रभारी नियुक्त किया गया है। समाज में उनकी सक्रिय भूमिका को देखते हुए यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी उन्हें सौंपी गई है। महानदी परिक्षेत्र के अध्यक्ष परसराम साहू ने जागेश साहू को बधाई देते हुए कहा कि समाज ने उन पर जो भरोसा जताया है, वह एक बड़ी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा, "एकता, सहयोग और सेवा भावना के साथ समाज को और अधिक मजबूत बनाना है। हमें विश्वास है कि जागेश साहू समाज को नई ऊंचाइयों तक ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।" अध्यक्ष ने कहा कि सभी पदाधिकारियों के कुशल नेतृत्व में समाज और अधिक सशक्त, आत्मनिर्भर और प्रगतिशील बनेगा। वहीं, नवनियुक्त मीडिया प्रभारी जागेश साहू ने इस दायित्व के लिए अध्यक्ष परसराम साहू सहित सभी पदाधिकारियों का आभार व्यक्त किया और कहा कि वे पूरी निष्ठा और लगन के साथ अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करेंगे।

मांग : रबी फसल के पुराने धान को खरीफ फसल का बताकर लगभग 400 कट्टा बेचा

टेकारी खरीदी केंद्र में पुराना धान बेचने का मामला गरमाया, कार्रवाई की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| धरसींवां

राजधानी रायपुर से लगी हुई प्राथमिक कृषि शाख सहकारी समिति टेकारी, धरसींवा (पं. क्र. 303) में कर्मचारियों की मिलीभगत से लगभग 400 कट्टा रबी फसल का पुराना धान खरीदे जाने का गंभीर मामला सामने आया है। इस मामले में शनिवार को पंचनामा कार्यवाही होने के बावजूद, अभी तक दोषियों पर कोई कार्रवाई नहीं की गई है, जिसके विरोध में किसानों और भाजपा नेताओं ने मोर्चा खोल दिया है। आज, भाजपा ओबीसी मोर्चा के प्रदेश मंत्री एवं सांसद प्रतिनिधि अशोक सिन्हा के नेतृत्व में ग्राम छपोरा के सरपंच राजकुमार भारती और वरिष्ठ भाजपा नेता मोतीलाल साहू सहित आस-पास के किसानों ने दोषियों पर उचित कानूनी कार्यवाही की मांग को लेकर रायपुर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। अशोक सिन्हा ने घटना का विवरण देते हुए बताया कि एक ओर सरकार बाहरी राज्यों से परिवहन कर लाए जा रहे धान पर बेरिकेटिंग कर कार्रवाई कर रही है, वहीं यह एक नया

गड़बड़ी : टेकारी मंडी में 400 कट्टा रबी फसल के धान खरीदी किसानों से धोखाधड़ी

टेकारी मंडी में पुराना धान खरीदी पर मचा बवाल, सरपंचों ने की शिकायत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुंरा

राजधानी रायपुर से लगा हुआ प्राथमिक कृषि शाख सहकारी समिति टेकारी में बीते दिनों कर्मचारियों के मिलीभगत से लगभग 400 कट्टा रबी फसल का पुराना धान का क्रय कर लिया गया। इस मामले की जब किसानों ने एवं आस पास के सरपंचों एवं जनप्रतिनिधियों ने उपस्थित कर्मचारियों व अधिकारियों से लिखित शिकायत दर्ज कराया तो मामले में गोल मटोल करते हुए शनिवार सुबह शिकायत करता किसानों एवं सरपंचों को उच्च अधिकारियों की उपस्थिति में जौच कराने की बात कहा गया था।

जब किसानों एवं जनप्रतिनिधियों ने इस मामले की जानकारी स्वयं उच्च अधिकारियों को दी तब घंटो इंतजार के बाद इसमें पंचनामा कार्यवाही हुआ।

ग्राम पंचायत छपोरा के सरपंच राजकुमार भारती , पूर्व सरपंच श्री मोतीलाल साहू सहित किसानों ने टेकारी धान मंडी में पुराने धान खरीदी करने का लिखित शिकायत किया है। इस मामले को उजागर करते हुए भाजपा के प्रदेश मंत्री व सांसद प्रतिनिधि अशोक सिन्हा ने बताया कि एक तरफ हमारी सरकार दूसरे राज्यो से परिवहन कर हमारे राज्य में ला रहे धान को रोकने के लिए जगह जगह बेरिकेट्स लगाकर उस पर कार्यवाही कर रहा है अब तक हजारों टन धान पकड़ा जा चुका है किंतु वहीं दूसरी तरफ अधिकारियों व कर्मचारियों के मिलीभगत से पुराने धान को खरीदी करने का यह नए तरीके का मामला सामने आया है जो संगीन अपराध है, इसमें आस पास गाँव के अपराधी किस्म के कुछ लोग इस अपराध में कर्मचारियों के साथ साठ गांठ कर इस कुकृत्य को कर रहे है।

मेरी जानकारी में नहीं

जांच में टालमटोल करने का आरोप

मामला सामने आया है। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ आपराधिक किस्म के लोगों ने टेकारी मंडी में प्रशासन की नज़रों में धूल झोंकते हुए रबी फसल के पुराने धान को खरीफ फसल का धान बताकर लगभग 400 कट्टा बेच दिया।

हद तो तब हो गई जब उपस्थित कर्मचारियों ने भी इसे नया धान मानकर खरीद लिया और इसका भुगतान भी कर दिया। यह मामला तब प्रकाश में आया जब लॉट में रखे गए धान को तथा पुनः उसी व्यक्ति द्वारा कांटा कराने लाए गए धान को किसानों एवं जनप्रतिनिधियों ने पहचान लिया कि यह पुराना धान है और इसकी लिखित शिकायत की गई।

संलिप्त सभी व्यक्तियो पर कार्रवाई हो

सिन्हा ने इसे शासन-प्रशासन के साथ धोखाधड़ी और शासकीय पैसों का भ्रष्टाचार बताया। उन्होंने इसमें संलिप्त सभी व्यक्तियों के ऊपर उचित कानूनी कार्यवाही करने की मांग को लेकर कलेक्टर महोदय को किसानों के साथ ज्ञापन दिया है। ज्ञापन सौंपते समय सांसद प्रतिनिधि अशोक सिन्हा, भाजपा विधानसभा मंडल के पूर्व अध्यक्ष भरत सोनी, उपाध्यक्ष चंद्रशेखर वर्मा, भाजयुमो नेता सूरज टंडन, छपोरा सरपंच एवं किसान राजकुमार भारती, भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं किसान मोतीलाल साहू, उपसरपंच सनत देवांगन, पंच विनय वर्मा, दीपक धीवर, योगेश पठारी, राकेश वर्मा, अनिल वर्मा सहित आस-पास के किसान एवं जनप्रतिनिधि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

अभनपुर में पूर्व सीएम बघेल का स्वागत, धान खरीदी की अव्यवस्था पर कांग्रेस ने सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अभनपुर

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के धमतरी प्रवास के दौरान सोमवार को अभनपुर आगमन पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उनका भव्य स्वागत किया। यह स्वागत ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अभनपुर के महामंत्री फतीश साहू के नेतृत्व में सिंगल चौक, अभनपुर में किया गया। इस अवसर पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ-साथ सामाजिक कार्यकर्ता भी उपस्थित रहे। स्वागत उपरांत, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के महामंत्री फतीश साहू ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को अभनपुर विधानसभा क्षेत्र में किसानों को धान खरीदी के संबंध में आ रही परेशानियों से अवगत कराया। उन्होंने निम्नलिखित अव्यवस्थाओं और कठिनाइयों पर ध्यान आकर्षित किया और शीघ्र समाधान की मांग रखी। किसानों को टोकन वितरण में हो रही देरी। नाप-तौल में आ रही समस्याएं। धान खरीदी केंद्रों पर व्याप्त अव्यवस्था। इस अवसर पर स्वागत करने वाले और अपनी बात रखने वाले सैकड़ों कार्यकर्ताओं में प्रमुख रूप से टिकेंद्र बघेल, पन्ना लाल नवरंगे, जयवर्धन बघेल, भरत देवांगन, राकेश बघेल, लोकेश साहू, डॉ. ओमप्रकाश साहू, डोमेंद्र साहू, वीरेंद्र सिन्हा, भरत साहू, तुका साहू, दीपक कोसरिया, लोकेश्वर साहू, गोलू सिन्हा, कुलदीप साहू, प्रिंस भारती, सुनील मातुकर, कमलेश बघेल, कृतिकांत तारक, पंकज साहू, मोनू निषाद, निलेश साहू, बिरसिंग पारधी, धरमसिंग पारधी, बादल हरवंश, अंजू भारती, अमरसिंग पारधी सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

कराटे चैंपियनशिप में आरंग के खिलाड़ियों मारी बाजी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| आरंग

ऑल इंडिया ओपन नेशनल कराटे चैंपियनशिप 2025 में छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों ने शानदार उपस्थिति दर्ज कराई। रायपुर के अग्रसेन धाम में 19 और 20 नवंबर को आयोजित इस प्रतियोगिता में देशभर से प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम का आयोजन छत्तीसगढ़ सीको-काई कराटे-डो एसोसिएशन और भारत कराटे अकादमी द्वारा किया गया था। कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री टंक राम वर्मा और कराटे इंडिया ऑर्गेनाइजेशन के अध्यक्ष भारत शर्मा मुख्य अतिथि रहे। दोनों ने खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि बच्चों में कराटे की लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है और भविष्य में इसके और भी गोल्डन ओप्पोर्टनिटीज हैं। इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में रायपुर जिला के आरंग ब्लॉक स्थित एकेडमी ऑफ स्पोर्ट्स कराटे अकादमी के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। टीम ने 4 गोल्ड, 1 सिल्वर और 6 ब्रॉन्ज, कुल 11 पदक अपने नाम किए। इस उपलब्धि ने छत्तीसगढ़ को ओवरऑल प्रथम स्थान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पूरी टीम की इस उपलब्धि पर कोच अब्दुल रहीम खान, कराटे प्रशिक्षक सुनील भारती, कोपल योगी, चंचल सिंह ठाकुर, स्कूल निदेशक अनूप नाथ योगी, तथा स्कूल प्रिंसिपल देव कुमारी मैडम ने खिलाड़ियों को बधाई दी और आगे भी उत्कृष्ट प्रदर्शन की शुभकामनाएं दीं।

डीप फ्राई पकवान...

की सलाह दी गई है। यूजीसी का मानना है कि इससे छात्रों में मोटापे सहित अन्य स्वास्थ्य समस्याएं बढ़ जाती हैं।

क्रिकेट का ऐसा ....

रात 3 बजे घरों से निकले स्टूडेंट्स- भारत-साउथ अफ्रीका वनडे मैच का टिकट पाने के लिए स्टूडेंट्स में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। बिलासपुर, दुर्ग, भिलाई से बड़ी संख्या में स्टूडेंट्स रायपुर पहुंचे। भिलाई के गुलशन साहू ने हरिभूमि से बातचीत में बताया कि वे टिकट के लिए रात 3 बजे घर से निकले थे और सुबह 4 बजे रायपुर पहुंचकर लाइन में लग गए। उनके साथ आए सभी पांच दोस्तों को करीब 11 बजे टिकट मिला। इसी तरह मयंक और राहुल ने स्कूल छोड़कर सीधे इंडोर स्टेडियम का रुख किया। लड़कियों में भी मैच को लेकर खासा क्रेज देखने को मिला। तेज धूप में खड़े रहकर उन्होंने टिकट हासिल किया। कई स्टूडेंट्स तो सिर्फ एक झलक विराट कोहली और रोहित शर्मा को मैदान में देखने के लिए टिकट पाने घंटों तक लाइन में डटे रहे।

पेज 09 के शेष...

5 घंटे तक लाइन में ....

विरोध भी दर्ज कराया। हालांकि सीमित संख्या में टिकट होने के कारण कई स्टूडेंट्स को बिना टिकट लौटना पड़ा। स्टेडियम प्रबंधन का कहना है कि स्टूडेंट टिकट सिर्फ एक दिन के लिए निर्धारित था और अब उसकी बिक्री बंद हो चुकी है।

डीजी कांफ्रेंस के ....

तक अवकाश पर रहेंगे। इतनी लंबी अवधि की छुट्टी को देखते हुए छात्र अपने-अपने घर लौट गए हैं। सोमवार को रायपुर एयरपोर्ट पर आईआईएम की बस से छात्रों को छोड़ा गया।

सीएसवीटीयू को खत-मदद ....

प्रतियोगिताओं में शामिल होना चाहते हैं, लेकिन उनका महाविद्यालय प्रशासन आवश्यक सहयोग नहीं कर रहा है। तथापि अनेक संस्थानों द्वारा अब तक किसी भी खेल विधा में पंजीयन अथवा दल प्रविष्टि विवि को प्राप्त नहीं हुई है और ना ही उनके कोई खिलाड़ी शामिल हुए हैं। यह राष्ट्रीय शिक्षा नीति एवं उच्च शिक्षा नियामक संस्थाओं के दिशा-निर्देशों के अनुरूप नहीं हैं। एनईपी के अंतर्गत खेल एवं शारीरिक शिक्षा को अनिवार्य घटक के रूप में शामिल किया गया है। ऑल इंडिया काउंसिल फॉर टेक्निकल एजूकेशन तकनीकी संस्थानों के लिए वार्षिक खेल आयोजन में सहभागिता को गुणवत्ता मापदंड का हिस्सा मानते हैं। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के फिट इंडिया एवं खेला अभियान के अंतर्गत प्रत्येक संस्थान के लिए खेल आयोजन में सहभागिता सुनिश्चित करना आवश्यक है। ऐसे में संस्थानों से अपेक्षित है कि वे खिलाड़ियों का पंजीयन निर्धारित तिथि तक विवि को प्रेषित करें।

प्रधानमंत्री, गृहमंत्री के ....

शहर के अंदर तथा आउटर में 24 अलग-अलग पाइंट बनाकर दोपहिया से लेकर सभी तरह के वाहनों की पुलिस जांच कर रही है। साथ ही बदमाश, चाकूबाजों की धरपकड़ तेज कर दी गई है। संदिग्धों के खिलाफ प्रतिबंधात्मक धाराओं के तहत अपराध दर्ज कर जेल दाखिल किया जा रहा है। राजधानी पुलिस ने पिछले तीन दिनों के भीतर छह सौ बदमाशों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उन्हें जेल भेजा है।

संकलनकर्ता- प्रेमपाल (संवाददाता), प्रफुल वर्मा (सहयोगी)-कुंरा

खबर संक्षेप

वक्ता मंच ने प्रदेश की 121 विभूतियों का किया सम्मान

रायपुर। अग्रणी सामाजिक व साहित्यिक संस्था वक्ता मंच ने सोमवार को वृंदावन हॉल में प्रदेश के 121 व्यक्तित्वों को विभूति अलंकरण अवार्ड से सम्मानित किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री सत्यनारायण शर्मा रहे एवं अध्यक्षता बस्तर अंचल के प्रमुख हर्बल उत्पादक एवं कृषि विशेषज्ञ डॉ. राजाराम त्रिपाठी ने की। विशिष्ट अतिथि की आसंदी पर जिला जनसम्पर्क अधिकारी अनिल द्विवेदी, जनमन के संपादक अनिल सिंह, छग जर्नलिस्ट एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष अमित गौतम, वरिष्ठ पत्रकार राजकुमार धर द्विवेदी एवं संपादक पं. पीके तिवारी उपस्थित थे। दिव्यांग आश्रम के रहवासियों हेतु वक्ता मंच के माध्यम से विनोद ओमप्रकाश गोयल ने अपने माता-पिता की स्मृति में 50 कंबल प्रदान किए। समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि सत्यनारायण शर्मा ने कहा कि जब समाज आगे बढ़कर अच्छा कार्य करनेवालों की पीठ थपथपाता है, तब प्रतिभाओं को नई ऊर्जा प्राप्त होती है।

नए श्रम कानून श्रमिकों से ज्यादा उद्योगपतियों के लिए फायदेमंद

रायपुर। छत्तीसगढ़ सीमेंट एवं खदान कल्याणकारी श्रमिक संघ के छत्तीसगढ़ प्रदेश संरक्षक शंकर सिंह निर्मलकर ने विज्ञप्ति जारी कर कहा है कि केंद्र सरकार द्वारा लागू किए गए चार नए श्रम कानून श्रमिकों की भलाई की कीमत पर उद्योगपतियों के लिए फायदेमंद साबित होंगे। महंगाई के दौर में ठेका श्रमिकों को मिलने वाली न्यूनतम मजदूरी दर को भी अधिकांश औद्योगिक संस्थानों द्वारा नहीं दिया जा रहा है और श्रम अधिकारियों द्वारा भी श्रमिकों के द्वारा शिकायत करने पर कोई सुनवाई नहीं होती। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर से 35 किलोमीटर की दूरी पर तीन सौ से अधिक छोटे बड़े उद्योग स्थापित हैं, जहां अधिकांश उद्योगों में श्रमिकों को न्यूनतम मजदूरी दर भी नहीं दी जाती।

विवि भेजेंगे प्रोफेसर्स की लिस्ट, ये सिखाएंगे स्कूली शिक्षकों को पढ़ाई के नए तरीके

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत हो रहा प्रयोग, छग के विवि भी भेजेंगे नाम

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने उच्च शिक्षा संस्थानों को एक नई एडवाइजरी जारी की है, जिसमें उनसे अनुरोध किया गया है कि वे अपने संस्थान के ऐसे अनुभवी प्राध्यापकों की पहचान करें और नामांकन भेजें जो नेशनल मिशन फॉर मेंटरिंग (एनएमएम) के तहत मेंटर की भूमिका निभा सकें। यह कदम शिक्षा मंत्रालय द्वारा देशभर में मेंटरिंग व्यवस्था को मजबूत करने के प्रयास के तहत उठाया गया है, ताकि विश्वविद्यालयों के अनुभवी प्राध्यापक स्कूल शिक्षकों को औपचारिक ढंग से मार्गदर्शन दे सकें।

- प्राध्यापकों के लिए जरूरी होगा कम से कम 8 वर्ष का अनुभव

नोटिफिकेशन के अनुसार, ऐसे प्रोफेसर जिनके पास कम से कम आठ वर्ष का शिक्षण अनुभव है, उन्हें नेशनल मेंटर के रूप में शामिल किया जा सकता है। चुने गए मेंटर एनसीटीई (नेशनल काउंसिल फॉर टीचर्स एजूकेशन) द्वारा संचालित एनएमएम पोर्टल के माध्यम से व्यक्तिगत और समूह आधारित मेंटरिंग सत्र आयोजित करेंगे। संस्थानों से कहा गया है कि वे जल्द से जल्द पात्र शिक्षकों के नामांकन भेजें।

बनाया जाएगा बड़ा नेटवर्क

एनईपी 2020 के पैराग्राफ 15.11 में यह प्रस्तावित है कि स्कूल शिक्षकों को अकादमिक और प्रोफेशनल सपोर्ट देने के लिए विशेषज्ञों का बड़ा नेटवर्क बनाया जाए। इस व्यवस्था को तैयार करने की जिम्मेदारी एनसीटीई को दी गई थी, जिसने इसका फ्रेमवर्क और दिशा-निर्देश तैयार कर लिए हैं। इस मिशन को आगे बढ़ाने के लिए बीते वर्ष एनएमएम द्वारा एक किताब जारी की गई। इसमें इस योजना की कार्यप्रणाली, मेंटर और मेंटी की जिम्मेदारियां तथा डिजिटल सिस्टम की जानकारी शामिल है। एनएमएम पोर्टल पर शिक्षकों और मेंटर्स की मुलाकात, चर्चा, प्रशिक्षण कार्यक्रम और अन्य गतिविधियां आयोजित होंगी।

इन विषयों की देगी जानकारी

नेशनल मेंटर के रूप में चयनित प्रोफेसर आधुनिक शिक्षण आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए विभिन्न विषयों पर मार्गदर्शन देंगे। इनमें शैक्षणिक कंटेंट, बुनियादी साक्षरता और संख्यान कौशल, डिजिटल शिक्षा साक्षरता, कुशलता आधारित शिक्षा, समावेशी शिक्षा, कक्षा प्रबंधन, 21वीं सदी के कौशल, एक्शन रिसर्च, समग्र मूल्यांकन जैसे बिंदु शामिल हैं। इस मिशन का उद्देश्य शिक्षण प्रक्रिया को आधुनिक बनाना और शिक्षकों को नई शिक्षा पद्धतियों के अनुरूप तैयार करना है। यूजीसी की इस नई सलाह के बाद अब विश्वविद्यालयों और कॉलेजों को ऐसे शिक्षकों की पहचान करनी होगी जो मेंटरिंग की भूमिका निभा सकें। उनकी सक्रिय भागीदारी से ही यह मिशन व्यापक स्तर पर प्रभावी ढंग से लागू हो सकेगा।

स्काई वॉक के निर्माण में तेजी, मेकाहारा से शास्त्री चौक होते हुए जयस्तंभ तक वनवे

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

स्काई वॉक निर्माण कार्य की गति में रफ्तार लाने आंबेडकर अस्पताल से शास्त्री चौक, मल्टीलेवल पार्किंग तथा जयस्तभं चौक तक के मार्ग को वनवे करने रायपुर कलेक्टर ने आदेश जारी किया है। स्काई वॉक के रुके हुए कार्य को पूरा करने मई में कार्यादेश जारी किया गया है। व्यस्त मार्ग होने की वजह से निर्माण कार्य में तेजी नहीं आ रही थी। इस बात को ध्यान में रखते हुए कलेक्टर ने स्काई वाक निर्माण क्षेत्र के मार्ग को वनवे करने करने आदेश जारी किया है।

- 15-15 दिनों के लिए सुबह 10 से शाम छह बजे तक मार्ग वनवे किया जाएगा

जारी आदेश के अनुसार शास्त्री चौक से आंबेडकर अस्पताल, मल्टीलेवल पार्किंग तक जयस्तंभ चौक मार्ग रात 10 से सुबह 6 बजे तक एक माह तक एकांकी मार्ग होगा। प्रथम 15 दिन में शास्त्री चौक से मल्टीलेवल पार्किंग तक जयस्तंभ चौक की ओर मार्ग तथा अगले 15 दिन में शास्त्री चौक से आंबेडकर अस्पताल चौक तक एकांकी मार्ग होगा। कलेक्टर ने संबंधित विभागों को निर्देश दिया है कि एकांकी मार्ग किए जाने के लिए बंद मार्ग को प्रवेश एवं निर्गम स्थान पर पर्याप्त संख्या में रिफ्लेक्टिव बैरिकेड्स लगाकर बंद करेंगे। वाहनों को परिवर्तित करने एवं यातायात संचालन के लिए पर्याप्त संख्या में गार्ड्स की व्यवस्था करेंगे एवं बंद मार्ग के प्रारंभ एवं अंत में एकांकी मार्ग का सूचना बोर्ड प्रदर्शित करेंगे।

लागत राशि में छह से सात करोड़ की वृद्धि

स्काई वॉक का निर्माण सात साल बाद शुरू किया गया है। इतने वर्षों तक निर्माण कार्य रुके होने की वजह से लागत राशि सात करोड़ रुपए के करीब बढ़ गई है। 70 करोड़ रुपए की लागत में बनने वाला स्काई वॉक के लिए अब तक 48 करोड़ रुपए राशि का भुगतान किया जा चुका है। शेष 32 करोड़ रुपए के साथ जोड़कर 37.75 करोड़ रुपए की राशि और स्वीकृत की गई है। स्काई वॉक का निर्माण वर्ष 2016-17 में शुरू किया गया था। सरकार बदलने के बाद काम रोक दिया गया। इसके बाद मई 2025 में स्काई वॉक निर्माण के लिए टेंडर के साथ कार्यादेश जारी किया गया।

स्काई वॉक की वर्तमान में यह स्थिति

स्काई वाक का स्ट्रक्चर जय स्तंभ चौक स्थित मल्टी लेवल पार्किंग से शास्त्री चौक से लेकर अंबेडकर अस्पताल के गेट तक तैयार है। पीडब्ल्यूडी के ब्रिज सेक्शन के अफसरों की जांच में पता चला है कि इस ब्रिज से कई जगहों से एसीपी शीट, एल्यूमिनियम फ्रेम और डिवाइडर रेलिंग चोरी हो गए हैं। ब्रिज में लगे स्टील और नट बोल्ट सही हैं। वेल्डिंग, पेंटिंग, फ्लोरिंग, हुड और फ्लोरिंग फिक्सिंग का काम अधूरा है। खुले में होने की वजह से बारिश और गर्मी के कारण कई हिस्से में जंग भी लग गई है। इन सब खामियों को दूर करने का काम किया जा रहा है।

शास्त्री चौक में बनेगा रोटरी

शास्त्री चौक से किसी भी क्षेत्र में पैदल आने जाने वाले लोगों की सहूलियत को देखते हुए चौक में रोटरी बनाया जाएगा। रोटरी बनने से लोग पूरे चौक पर किसी भी हिस्से में चढ़-उतर सकेंगे। कई हिस्से में गर्डर तक काम हो चुका है। इसके ऊपर फ्लोरिंग कर आरसीसी स्लैब डाला जाएगा। स्लैब के ऊपर टाइल्स और दोनों किनारों पर स्टील की रेलिंग लगाई जाएगी। बारिश और धूप से बचाने के लिए ऊपरी हिस्से में पॉली-कार्बोनेट शीट लगाई जाएगी। आसपास सरकारी दफ्तरों में आने-जाने वालों को राहत मिलेगी। सात साल पहले कराए गए एक सर्वे में ये बताया गया था कि शास्त्री चौक के चारों ओर रोज औसतन 40 हजार से ज्यादा लोग पैदल सफर करते हैं।

एक दर्जन स्केलेटर, लिफ्ट

स्काई वॉक पर चढ़ने-उतरने के लिए 12 नए एस्केलेटर, लिफ्ट और सीढ़ियां बनाई जाएंगी। यह शास्त्री चौक से मल्टीलेवल पार्किंग और फिर डॉ. भीमराव आंबेडकर अस्पताल के बीच लगेगा। बताया जा रहा है, पूर्व में स्काई वॉक के लिए लाए गए स्केलेटर तथा लिफ्ट को रिपेयरिंग कर लगाए जाने की तैयारी है।

चौपाटी बनाने में अधिकारियों की लापरवाही, डिप्टी सीएम से पूर्व महापौर ने की शिकायत

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

निगम क्षेत्र में हाल ही में चौपाटी संचालकों को अचानक नोटिस जारी करके निर्धारित समय में दुकानों को हटाने का निर्देश देते हुए की गई कार्रवाई अब तूल पकड़ने लगी है। मामले को लेकर पूर्व महापौर एजाज ढेबर ने कई गंभीर बिंदुओं को लेकर डिप्टी सीएम अरुण साव से ज्ञापन के माध्यम से शिकायत की है। उन्होंने अधिकारियों पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाते हुए चौपाटी का डिज़ाइन, ड्रॉइंग और अनुमोदन करवाने का तर्क दिया। सवाल उठाया है कि अगर संरचना अवैध थी, तो डिज़ाइन की स्वीकृति किस आधार पर दी गई। निर्माण और संचालन वर्षों तक बिना आपत्ति कैसे चलता रहा। रायपुर निगम के पूर्व महापौर श्री ढेबर ने मामले को लेकर कहा कि यह कार्रवाई क्षेत्रीय विधायक के राजनीतिक दबाव का परिणाम है। इससे चौपाटी में दुकान चलाने वालों के सामने रोज़ी-रोटी का संकट पैदा कर दिया है।

- ज्ञापन देकर लगाया राजनीतिक दबाव के तहत कार्रवाई करवाने का आरोप

यह भी आरोप लगाया कि स्कूल-कॉलेज की आड़ में कार्रवाई की जा रही है, जबकि बूढ़ापारा की चौपाटी के पास भी गर्ल्स स्कूल और शिक्षण संस्थान होने के बाद भी वहां कोई कार्रवाई नहीं की गई। दोहरे मापदंड और चयनात्मक सख्ती की जा रही है। ज्ञापन में गुड़ियारी क्षेत्र में 16 करोड़ रुपए के पाइप लाइन का भी मुद्दा उठाया है। जिसे " पानी की उपलब्धता जांचे बिना ही" बिछा दिया गया और आज भी लाइन में पानी नहीं पहुंच रहा है। इसे "शासकीय बजट के दुरुपयोग का गंभीर उदाहरण" बताया है।

अधिकारियों जनप्रतिनिधियों पर की जाए कार्रवाई

इस दौरान पूर्व महापौर के साथ निगम के नेता प्रतिपक्ष आकाश शर्मा, पूर्व एमआईसी सदस्य सुरेश चन्नावर और सुंदर जोगी सहित वरिष्ठ कांग्रेसी उपस्थित थे। निगम के नेता प्रतिपक्ष ने मंत्री साव से वार्ड विकास के लिए हर वार्ड को 50 लाख रुपए देने के लिए की गई घोषणा के संबंध में जानकारी मांगी। मंत्री अरुण साव ने बताया कि निगम की ओर से अभी तक एक भी फाइल नहीं भेजी गई है। ढेबर ने इसे निगम की निष्क्रियता और शहर के विकास में लापरवाही बताते हुए मांग की है कि चौपाटी हटाने के लिए की गई प्रक्रिया की जांच कर जिम्मेदार अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों पर कार्रवाई की जाए।

बिजनेस साइट

क्रेडाई छत्तीसगढ़ के प्रतिनिधिमंडल ने मंत्री ओपी चौधरी से की मुलाकात

रायपुर। क्रेडाई छत्तीसगढ़ के सदस्य मंत्री ओपी चौधरी से गाइडलाइन से उत्पन्न समस्याओं को लेकर मुलाकात करने पहुंचे, जहां बैठक का माहौल काफी सकारात्मक रहा। प्रतिनिधिमंडल ने वर्तमान गाइडलाइन के कारण रियल एस्टेट सेक्टर में आ रही चुनौतियों को विस्तार से प्रस्तुत किया। सभी बिंदुओं पर गहन विचार-विमर्श के बाद मंत्री श्री चौधरी ने क्रेडाई सदस्यों को आश्वासन दिया कि उनकी सभी मांगों पर त्वरित निर्णय लिए जाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य सरकार किसी भी परिस्थिति में रियल एस्टेट सेक्टर पर नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ने देगी और उद्योग के हितों की पूरी तरह रक्षा की जाएगी। इस मुलाकात में क्रेडाई छत्तीसगढ़ के अध्यक्ष पंकज लाहोटी, आनंद सिंघानिया, विजय नथानी, जीएस राजपाल, मृणाल गोलछा, रवि फतनानी, विजय अग्रवाल, अक्षय शर्मा, नवनीत अग्रवाल, अमरदीप गांधी, जसदीप गांधी, यश सिंघानिया और आयुष मोदी शामिल थे।

उर्मिला मेमोरियल हॉस्पिटल में निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर 26 और 27 को

रायपुर। भाठागांव स्थित उर्मिला मेमोरियल हॉस्पिटल द्वारा जनस्वास्थ्य के लिए निशुल्क ईको एवं फाइब्रोस्कैन जांच शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। हॉस्पिटल 26 नवंबर को हृदय परीक्षण हेतु ईको जांच शिविर तथा 27 नवम्बर को लिवर संबंधी समस्याओं के लिए फाइब्रोस्कैन शिविर आयोजित करेगा। दोनों दिवस सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक विशेषज्ञ टीम द्वारा जांच की जाएगी। अस्पताल प्रशासन के अनुसार ईको जांच हृदय की संरचना, पंपिंग क्षमता एवं रक्त प्रवाह की सटीक जानकारी देती है, वहीं फाइब्रोस्कैन बिना दर्द की आधुनिक तकनीक है, जो लिवर में फैटी लिवर, फाइब्रोसिस व सिरोसिस की पहचान में सहायक है। मेडिकल डायरेक्टर डॉ. विनोद कुमार सिंह ने बताया कि अनियमित जीवनशैली के कारण हार्ट और लिवर रोग तेजी से बढ़ रहे हैं, इसलिए समय पर जांच बेहद जरूरी है। मैनेजिंग डायरेक्टर नम्रता सिंह ने कहा कि हम समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग को भी गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

श्री गणेश विनायक फाउंडेशन : बच्चों की दृष्टि-सुरक्षा के लिए नई पहल का शुभारंभ

रायपुर। श्री गणेश विनायक फाउंडेशन और श्री गणेश विनायक आई अस्पताल द्वारा आयोजित 'रंगों भरी दुनिया–चित्रकला प्रतियोगिता 2025' बच्चों की रचनात्मक प्रतिभा का उत्सव बनी। कक्षा चार से आठवीं तक के प्रतिभागियों ने अपनी कल्पनाओं को रंगों में पिरोते हुए प्रभावशाली चित्र प्रस्तुत किए। बाल-नेत्र विशेषज्ञ डॉ. चारु ने बच्चों की कलाकृतियों को संवेदनशील और प्रेरणादायक बताया। इसी अवसर पर बच्चों की दृष्टि-सुरक्षा और स्वास्थ्य जागरूकता को समर्पित नई पहल 'ब्राइट आई, ब्राइट फ्यूचर' का शुभारंभ किया गया, जिसे वरिष्ठ नेत्र विशेषज्ञ डॉ. अनिल कुमार गुप्ता ने शुरू किया। कार्यक्रम में विद्यालयों के भीतर सेल्फ विजन स्क्रीनिंग यूनिट, शिक्षकों का प्रशिक्षण, नियमित निशुल्क नेत्र–जांच शिविर और डिजिटल–सेफ्टी सत्र शामिल रहेंगे। यह पहल बच्चों की आँखों की सुरक्षा के साथ उनके मानसिक और शैक्षणिक विकास को भी सुदृढ़ करेगी।

कोलंबिया ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स ने मनाया 23वां स्थापना दिवस

रायपुर। कोलंबिया ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स ने जनप्रगति एजुकेशन सोसाइटी (जेपीईएस) का 23वां स्थापना दिवस बड़े हर्ष और उत्साह के साथ मनाया। समारोह ने संस्थान की 22 वर्षों की गौरवशाली उपलब्धियों को याद करते हुए भविष्य के नए लक्ष्यों की दिशा में प्रेरणा दी। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन और माता सरस्वती की पूजा के साथ हुई। संस्थापक सदस्य किशोर जादवानी, अध्यक्ष हरजीत सिंह हुरा, सचिव एवं रविंद्र सिंह हुरा ने प्राचार्यों के साथ मिलकर आयोजन का शुभारंभ किया। कोलंबिया संस्थान के परमपूज्य गुरूजी उमाशंकर शर्मा ने अनुशासन और समय प्रबंधन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए सभी सदस्यों की निस्वार्थ सेवाओं के प्रति आभार व्यक्त किया। किशोर जादवानी और हरजीत सिंह हुरा ने संस्थान की प्रगति, चुनौतियों और उपलब्धियों पर अपनी बात रखते हुए सभी के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

कैंसर जागरूकता के लिए आईएमए की मैराथन में उमड़ा उत्साह

रायपुर। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) रायपुर द्वारा संजीवनी कैंसर केयर फाउंडेशन और सहयोगी संस्थाओं के साथ आयोजित ग्रैंड आईएमए मैराथन 2025 में रविवार सुबह स्वास्थ्य और जोश का अनोखा संगम देखने को मिला। कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 6 बजे जुम्बा वार्म-अप से हुई, जिसके बाद 7 बजे मैराथन को हरी झंडी दिखाई गई। 300 से अधिक प्रतिभागियों ने 'रन फॉर हेल्थ, वार अगेन्सट कैंसर' संदेश के साथ दौड़ में भाग लिया। आईएमए रायपुर के अध्यक्ष डॉ. कुलदीप सोलंकी और सचिव डॉ. संजीव श्रीवास्तव ने कहा कि संतुलित आहार, अनुशासित दिनचर्या और नियमित व्यायाम कैंसर सहित कई गंभीर बीमारियों के खतरे को कम करते हैं। उन्होंने ऐसे आयोजनों को जन-जागरूकता का प्रभावी माध्यम बताया।

श्री शंकरा सीनियर सेकेंडरी स्कूल में स्टूडेंट कार्निवल का भव्य आयोजन

रायपुर। श्री शंकरा सीनियर सेकेंडरी स्कूल उरकुरा में स्टूडेंट कार्निवल का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें विज्ञान प्रदर्शनी, सामुदायिक सहायक कार्यक्रम, व्यावसायिक मेला और आनंद मेला आकर्षण का केंद्र रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्या सुजाता महापात्रो, नोडल समन्वयक दिनेश कुमार साहू, संस्था के अध्यक्ष अधिवक्ता बी. गोपाकुमार, सेक्रेटरी शैलेश नायर और कोषाध्यक्ष विशम्बरान नायर द्वारा दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। अध्यक्ष बी. गोपाकुमार ने अपने उद्बोधन में बच्चों को नवाचार और आत्मनिर्भरता अपनाने का संदेश दिया। विज्ञान प्रदर्शनी में छात्रों ने जल संरक्षण, नवीकरणीय ऊर्जा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और जैविक खेती जैसे विषयों पर कार्यशील मॉडल प्रस्तुत कर दर्शकों को प्रभावित किया। व्यावसायिक मेले में बच्चों ने डिजिटल मार्केटिंग, गोल्ड लोन और स्टॉक मार्केटिंग की जानकारी साझा की। आनंद मेला छात्रों के लिए उल्लास का केंद्र बना रहा।

ट्रायल देकर गायब हुए ड्रोन, दो साल बाद भी हवा के रास्ते दवा पहुंचाने की योजना अधूरी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

बड़े स्वास्थ्य केंद्रों से छोटे हेल्थ सेंटरों तक आकाश मार्ग से दवा पहुंचाने और ब्लड सैंपल की रिपोर्ट कलेक्शन करने का काम दो साल बाद भी पूरा नहीं हो पाया है। शुरुआती दौर में रायपुर समेत पांच इलाकों में ड्रोन को काफी दूर स्थित स्वास्थ्य केंद्र तक भेजने की योजना बनाई गई थी। ट्रायल के दौरान ड्रोन उड़े और उसके बाद योजना के साथ गायब हो गए। उस दौरान दावा किया गया था कि ड्रोन की मदद लिए जाने परिवहन में लगने वाले समय की काफी बचत होगी।

- रायपुर के पांच क्षेत्रों में हुआ था ट्रायल, दवा के साथ ब्लड सैंपल कलेक्शन की थी मंशा

केंद्र सरकार द्वारा स्वास्थ्य सेवाओं में ड्रोन के सदुपयोग के लिए लाई गई योजना को छत्तीसगढ़ में भी लागू किए जाने की तैयारी है। इसके लिए दो साल पहले काम भी शुरू हुआ है, मगर योजना प्रारंभिक चरण यानी ट्रायल से बाहर नहीं निकल पाई है। योजना के मुताबिक जिन इलाकों में वाहनों की आवाजाही आसानी पूर्वक नहीं हो पाती, वहां हवा के रास्ते यानी ड्रोन से दवा पहुंचाने की योजना थी। साथ ही अन्य स्वास्थ्य केंद्रों से जांच के लिए ब्लड सैंपल लाने और रिपोर्ट वापस ले जाने के लिए ड्रोन की मदद लेने की मंशा थी। राज्य के कई इलाकों में इस योजना को लागू करने के लिए वहां विभिन्न कंपनियों द्वारा ड्रोन उड़ाने का ट्रायल भी हुआ। स्थानीय और स्वास्थ्य विभाग से जुड़े अधिकारियों ने ट्रायल को सफल करार दिया था।

ट्रायल हुआ था

धरसींवा स्वास्थ्य केंद्र तक ड्रोन सेवा के लिए ट्रायल हुआ था। उसके बाद आगे की कार्यवाही नहीं हुई है। इस मामले में सारी प्रक्रिया उच्च स्तर पर पूरी होगी।

- डॉ. मिथिलेश चौधरी
सीएमएचओ रायपुर

ना एजेंसी ना ट्रेनिंग

योजना के तहत ड्रोन की व्यवस्था के लिए टेंडर के माध्यम से एजेंसी तय की जानी थी। साथ ही ड्रोन में दवा और जांच के लिए भेजे जाने वाले सैंपलों को सुरक्षित रखने के लिए संबंधित स्वास्थ्य केंद्रों के स्टॉफ को ट्रेंड किए जाने की योजना थी। इसके लिए एजेंसी तय नहीं हो पाई जिसकी वजह से ट्रेनिंग का काम भी अधूरा रह गया। योजना के अनुसार ड्रोन के संचालन के एयर ट्रैफिक सर्विसेस की अनुमति भी आवश्यक था। इसके अलावा अन्य तकनीकी कठिनाई की वजह से काम अधूरा रहा गया।

इन इलाकों में हुआ था ट्रायल

हेल्थ सेक्टर में ड्रोन की योजना के तहत लगभग दो साल पहले अंबिकापुर के उदयपुर हेल्थ सेंटर तक दवा लेकर ड्रोन उड़ा था। इसके बाद अलग-अलग जिलों में यानी कोंडागांव जिले के सुदूर हेल्थ सेंटर, भरतपुर से चिरमिरी के साथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, जशपुर जिला मुख्यालय से ग्राम सन्ना के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, रायगढ़ जिले के तमनार हेल्थ सेंटर के लिए ड्रोन उड़ाया गया। अंतिम अक्टूबर माह के अंतिम दिनों में एम्स से ट्रायल के रूप में उड़ा ड्रोन 20 किमी दूर धरसींवा तक पहुंचा था। इसके बाद दूसरी बाद यह उड़ान संचालित ही नहीं हो पाई।

पेज 09 के शेष ...

डीप फ्राई पकवान...

की सलाह दी गई है। यूजीसी का मानना है कि इससे छात्रों में मोटापे सहित अन्य स्वास्थ्य समस्याएं बढ़ जाती हैं।

क्रिकेट का ऐसा ....

रात 3 बजे घरों से निकले स्टूडेंट्स- भारत-साउथ अफ्रीका वनडे मैच का टिकट पाने के लिए स्टूडेंट्स में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। बिलासपुर, दुर्ग, भिलाई से बड़ी संख्या में स्टूडेंट्स रायपुर पहुंचे। भिलाई के गुलशन साहू ने हरिभूमि से बातचीत में बताया कि वे टिकट के लिए रात 3 बजे घर से निकले थे और सुबह 4 बजे रायपुर पहुंचकर लाइन में लग गए। उनके साथ आए सभी पांच दोस्तों को करीब 11 बजे टिकट मिला। इसी तरह मयंक और राहुल ने स्कूल छोड़कर सीधे इंडोर स्टेडियम का रुख किया। लड़कियों में भी मैच को लेकर खासा क्रेज देखने को मिला। तेज धूप में खड़े रहकर उन्होंने टिकट हासिल किया। कई स्टूडेंट्स तो सिर्फ एक झलक विराट कोहली और रोहित शर्मा को मैदान में देखने के लिए टिकट पाने घंटों तक लाइन में डटे रहे।

5 घंटे तक लाइन में ....

विरोध भी दर्ज कराया। हालांकि सीमित संख्या में टिकट होने के कारण कई स्टूडेंट्स को बिना टिकट लौटना पड़ा। स्टेडियम प्रबंधन का कहना है कि स्टूडेंट टिकट सिर्फ एक दिन के लिए निर्धारित था और अब उसकी बिक्री बंद हो चुकी है।

डीजी कांफ्रेंस के ....

तक अवकाश पर रहेंगे। इतनी लंबी अवधि की छुट्टी को देखते हुए छात्र अपने-अपने घर लौट गए हैं। सोमवार को रायपुर एयरपोर्ट पर आईआईएम की बस से छात्रों को छोड़ा गया।

सीएसवीटीयू को खत-मदद ....

प्रतियोगिताओं में शामिल होना चाहते हैं, लेकिन उनका महाविद्यालय प्रशासन आवश्यक सहयोग नहीं कर रहा है। तथापि अनेक संस्थानों द्वारा अब तक किसी भी खेल विधा में पंजीयन अथवा दल प्रविष्टि विवि को प्राप्त नहीं हुई है और ना ही उनके कोई खिलाड़ी शामिल हुए हैं। यह राष्ट्रीय शिक्षा नीति एवं उच्च शिक्षा नियामक संस्थाओं के दिशा-निर्देशों के अनुरूप नहीं हैं। एनईपी के अंतर्गत खेल एवं शारीरिक शिक्षा को अनिवार्य घटक के रूप में शामिल किया गया है। ऑल इंडिया काउंसिल फॉर टेक्निकल एजूकेशन तकनीकी संस्थानों के लिए वार्षिक खेल आयोजन में सहभागिता को गुणवत्ता मापदंड का हिस्सा मानते हैं। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के फिट इंडिया एवं खेला अभियान के अंतर्गत प्रत्येक संस्थान के लिए खेल आयोजन में सहभागिता सुनिश्चित करना आवश्यक है। ऐसे में संस्थानों से अपेक्षित है कि वे खिलाड़ियों का पंजीयन निर्धारित तिथि तक विवि को प्रेषित करें।

प्रधानमंत्री, गृहमंत्री के ....

शहर के अंदर तथा आउटर में 24 अलग-अलग पाइंट बनाकर दोपहिया से लेकर सभी तरह के वाहनों की पुलिस जांच कर रही है। साथ ही बदमाश, चाकूबाजों की धरपकड़ तेज कर दी गई है। संदिग्धों के खिलाफ प्रतिबंधात्मक धाराओं के तहत अपराध दर्ज कर जेल दाखिल किया जा रहा है। राजधानी पुलिस ने पिछले तीन दिनों के भीतर छह सौ बदमाशों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उन्हें जेल भेजा है।

खबर संक्षेप

नहीं रखा डस्टबिन 6 दुकानदारों पर लगाया 1200 रुपए जुर्माना

रायपुर। नगर निगम स्वास्थ्य विभाग की विभिन्न जोन टीम ने 6 दुकानदारों से 1200 रुपए का जुर्माना वसूला। चेतावनी दिए जाने के बाद भी इन दुकानदारों द्वारा अपने दुकान में कचरे का डिब्बा नहीं रखा गया था। इस कारण इन पर यह कार्रवाई हुई। दुकानदारों सहित विभिन्न 21 स्थानों पर व्यक्तियों और संस्थाओं को गंदगी का कारण पाए जाने पर 12,200 रुपए का जुर्माना वसूला गया। इस तरह कुल 13400 रुपए का जुर्माना संबंधितों को भविष्य के लिए समझाइश देते हुए वसूला गया। नगर निगम स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.तृप्ति पाणीग्रही के नेतृत्व में यह अभियान चलाया गया। इस दौरान जोन स्वास्थ्य अधिकारी भी उपस्थिति रहे। अधिकारियों ने कहा, डस्टबिन नहीं रखे जाने पर जुर्माने की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। **हेल्पलाइन में शिकायत, ढकी गई नाली :** वहीं निगम ने प्राप्त जन शिकायत को तत्काल संज्ञान में लेते हुए जोन 4 क्षेत्र अंतर्गत नेताजी सुभाषचन्द्र बोस स्टेडियम से बैजनाथपारा होकर मालवीय रोड जाने वाले मुख्य बायपास मार्ग में मार्ग के किनारे खुली बड़ी नाली को ढका गया। नागरिकों ने इसे लेकर शिकायत की थी कि आवागमन के दौरान दुर्घटना का खतरा बना हुआ है। कई बार बड़ा हादसा होते-होते रह गया है। प्राप्त शिकायत के आधार पर इसे तत्काल ढक कर आवागमन के लिए आमजनों के लिए सुरक्षित किया गया।

बीपीटी की 13 सीटें खाली नए आवेदन मंगाए गए

रायपुर। राज्य में संचालित एक शासकीय और एक निजी फिजियोथैरेपी कालेज में मॉपअप राउंड के बाद 13 सीटें खाली है। चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा स्ट्रे वेकैंसी राउंड का आयोजन करने के लिए अभ्यर्थियों से आवेदन मंगाया गया है। ऑनलाइन आवेदन के साथ च्वाइस फीलिंग के लिए 25 से 27 नवंबर तक की तारीख तय की गई है। खाली सीटों में चार शासकीय और बाकी 9 निजी कालेज से संबंधित है। बीपीटी की प्रवेश प्रक्रिया नीट के माध्यम से की जाती है।

मेडिकल कालेज में खेलकूद का आयोजन

रायपुर। सभी सरकारी एवं प्राइवेट मेडिकल कॉलेजों के लिए पंडित जवाहर लाल नेहरु स्मृति शासकीय मेडिकल द्वारा इंटर-कालेज मेडिकल फेस्ट 2026 का आयोजन किया जाएगा। यह फेस्ट शैक्षणिक, सांस्कृतिक, खेल एवं अन्य विविध प्रतियोगिताओं के माध्यम से छात्र-छात्राओं की प्रतिभा एवं सहभागिता को बढ़ावा देने हेतु आयोजित किया जा रहा है। कालेज प्रबंधन द्वारा इसके लिए विस्तृत कार्यक्रम तिथियाँ एवं नियमावली शीघ्र जारी की जाएगी।

वापस नहीं हुई एनएचएम कर्मियों की बर्खास्तगी, वादे पर दो महीने पहले खत्म हुई थी हड़ताल

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

शासन स्तर पर मिले आश्वासन के बाद हड़ताल खत्म करने वाले एनएचएम कर्मचारियों को दो महीने से वेतन नहीं दिया जा रहा है। इसके अलावा उन कर्मचारियों की नौकरी पर वापसी नहीं हुई है, जिन्हें उस दौरान बर्खास्त किया गया था। इस मामले में कर्मचारियों का प्रतिनिधिमंडल कई बार मंत्री और अफसरों के चक्कर लगा चुका है। आश्वासन के अलावा ठोस पहल नहीं किए जाने की वजह से कर्मचारियों में नाराजगी बढ़ रही है।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के कर्मचारियों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर महीनेभर हड़ताल की थी। स्वास्थ्य सेवा पर इसके पड़ते असर को देखते हुए शासन द्वारा उनकी कई मांगों को पूरा करने का आश्वासन दिया गया। इनमें 5 प्रतिशत की वेतन वृद्धि और आंदोलन का नेतृत्व करने वाले बर्खास्त कर्मचारियों की वापसी प्रमुख थी। हड़ताल समाप्त हुए दो माह से अधिक का वक्त बीत चुका है, मगर अब तक प्रमुख मांगें पूरी नहीं हुई है। कर्मचारी नेताओं के मुताबिक प्रदेश अध्यक्ष सहित जिन 25 लोगों को अब तक सेवा में वापस नहीं लिया गया है। इस मामले में जिम्मेदारों से मिलने वाले प्रतिनिधि मंडल को कार्यवाही पूरी करने का आश्वासन दिया गया है। दूसरी ओर इन कर्मचारियों के वेतन में 5 फीसदी की बढ़ोतरी तो नहीं हुई है उल्टे उन्हें पिछले दो महीने से वेतन नहीं मिला है। सितंबर में जब वे काम पर वापस लौटे तो केवल एक सप्ताह की तनख्वाह दी गई थी। इन मामलों को लेकर कर्मचारियों में एक बार फिर नाराजगी बढ़ रही है।

वेतन नहीं मिलने की समस्या भी बनी हुई, कर्मचारियों में बढ़ रही नाराजगी

मुख्यमंत्री से छत्तीसगढ़ प्रदेश एनएचएम कर्मचारी संघ के प्रतिनिधि मंडल ने की मुलाकात

बर्खास्तगी के अल्टीमेटम के बाद हेल्थ के संविदा कर्मचारियों ने तोड़ी महीनेभर की हड़ताल

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के संविदा कर्मचारियों को स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल द्वारा बर्खास्तगी का अल्टीमेटम देने के बाद महीनेभर से चल रही हड़ताल स्थगित कर दी गई। स्वास्थ्य मंत्री द्वारा नौकरी पर नहीं लौटने पर सोमवार से नयी भर्ती किए जाने दोपहर दिए गए बयान के बाद शाम को हड़ताली कर्मचारियों ने उनसे और मुख्यमंत्री से मुलाकात के बाद हड़ताल स्थगित करने की घोषणा कर दी। हड़ताल की वजह से प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था महीनेभर से प्रभावित हो रही थी। स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि 10 में से 4 मांगे पूरी की जा चुकी हैं 3 पर कमेटी बनाई गई है और 3 पर आवश्यक कार्यवाही की जा रही है। स्वास्थ्य मंत्री जायसवाल ने अपने शंकरनगर स्थित निवास में शुक्रवार को दोपहर एजबारी को बताया था कि एनएचएम के संविदा कर्मचारियों ⏭शेष पेज 7 पर

दिवाली में रहे खाली हाथ

एनएनएम के संविदा कर्मचारी संघ के अध्यक्ष डा. अमित मिरी और प्रवक्ता पूरन दास ने बताया कि कर्मचारियों को दिवाली के दौरान भी खाली हाथ रहना पड़ गया था, क्योंकि उन्हें वेतन का भुगतान नहीं हुआ था। अभी भी किए जा रहे टालमटोल की वजह से कर्मचारियों में नाराजगी है। मांगों को पूरा करने उन्हें ठोस आश्वासन तो मिल रहा है, मगर मांग पूरी नहीं की गई है।

बिल्डरों ने जारी अधिसूचना को अवैध तथा जनविरोधी बताया

जमीन की नई गाइडलाइन दर को लेकर विरोध प्रदर्शन करने बिल्डर पहुंचे रजिस्ट्री कार्यालय

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

जमीन की नई गाइड लाइन दर को लेकर राजधानी सहित प्रदेश के बिल्डर विरोध में उतर गए हैं। बिल्डरों के सबसे बड़े एसोसिएशन छत्तीसगढ़ क्रेडाई संघ तथा अन्य बिल्डरों ने रायपुर सहित राज्य के अलग-अलग शहरों में सोमवार को प्रदर्शन किया। राजधानी में बिल्डर तथा ब्रोकर ने रजिस्ट्री कार्यालय के सामने प्रदर्शन किया।

छत्तीसगढ़ क्रेडाई का दावा है कि नई गाइड लाइन जारी होने के बाद रायपुर में कई जगहों पर जमीन की सरकारी कीमत मार्केट रेट से कई गुना ज्यादा हो गई है। ब्रोकरों का कहना है कि लोग जितनी कीमत में जमीन नहीं खरीदेंगे, उससे कहीं ज्यादा कीमत के आधार पर रजिस्ट्री शुल्क देंगे। इसका असर रियल एस्टेट के कारोबार पर भी पड़ेगा। क्रेडाई का कहना है कि नई गाइडलाइन में कई बदलाव स्वागत योग्य है। पहले 1500 से ज्यादा जगहों को आधार मानकर गाइड लाइन तय की जाती थी, लेकिन अब इनकी संख्या घटकर 700 के ही आसपास रह गई है।

बिल्डरों की प्रमुख मांग यह है

बिल्डर तथा जमीन खरीदी बिक्री के कार्य में लगे ब्रोकर के अनुसार गैर पारिवारिक लोगों की ओर से जमीन खरीदे जाने की स्थिति में प्रत्येक खरीदार के अंश के आधार पर गणना की जाए। जमीन की बिक्री केवल रकबे के आधार पर होती है, खरीदारों की संख्या के आधार पर मूल्य तय करने से जमीन का गाइड लाइन मूल्य वास्तविक मूल्य से कई गुना बढ़ गया है, इसे ठीक करना होगा। पंजीयन शुल्क को 4 प्रतिशत ही रखना होगा। अभी बहुमंजिला भवनों में ऊपर की मंजिलों पर कंस्ट्रक्शन कॉस्ट में दी जाने वाली छूट खत्म कर दी गई है। बिल्डरों ने इस छूट को फिर से दिए जाने की मांग की है। बिल्डरों के अनुसार कलेक्टर गाइड लाइन में 30% छूट को पहले ही खत्म कर दिया गया है।

पूर्व का पंजीयन शुल्क लागू करने की मांग

बिल्डरों के अनुसार नए रेट लागू हो गए हैं, इसलिए गाइड लाइन में छूट के पहले लगने वाले पंजीयन शुल्क की दर 0.8% को वर्तमान में लागू किया जाना चाहिए। यह दर भी वर्तमान की तरह संपत्ति के गाइड लाइन मूल्य तक ही लगनी चाहिए। गाइड लाइन से अधिक दरों पर पंजीयन कराने वालों के लिए यह काम नहीं करेगा। छत्तीसगढ़ में व्यावसायिक और आवासीय इमारतों में ऊपर के फ्लोर का बिक्री मूल्य कम होता है। इसीलिए पहले की तरह ही सेकेंड फ्लोर एवं उसके ऊपर की मंजिलों पर मिलनी वाली छूट को यथावत रखा जाए। जिन जगहों पर सरकारी कीमत बाजार रेट से ज्यादा हो गई है, वहां फिर से जांच करवाकर नए रेट लागू करने बिल्डरों ने मांग की है।

बिल्डरों ने शासन से यह भी मांग की

बिल्डरों ने शासन से राहत देने जो मांग की है वह इस प्रकार से है-

- गाइडलाइन दर बढ़ोतरी वापस हो- बिल्डरों ने 11 नवंबर 2025 को जारी अधिसूचना में की गई वृद्धि को अवैध और जनविरोधी बताया है।
- समान दर लागू की जाए - बिल्डरों ने हर प्रकार की भूमि पर समान प्रति वर्गमीटर मूल्य तय करने मांग की है।
- वार्षिक वृद्धि (0.30% और 0.60%) का विरोध करते हुए बिल्डर गाइडलाइन रेट में हर वर्ष 0.30% और 0.60% जो बढ़ोतरी तय है, उसे अनुचित बताया है।
- जनता पर बोझ बढ़ेगा बिल्डरों के अनुसार नई दरों से दोनों क्षेत्रों के लोगों पर भारी आर्थिक दबाव पड़ेगा, जबकि सुविधाएं पहले से सीमित है।
- शुल्क वृद्धि रद्द की जाए स्टांप शुल्क और पंजीयन शुल्क में जो वृद्धि की गई है, बिल्डरों ने उसे रद्द करने की मांग की है। बिल्डरों के अनुसार 19 नवंबर 2025 से लागू नई दरें वास्तविक बाजार स्थिति से मेल नहीं खातीं।

लिखित परीक्षा के जरिए भरे जाएंगे नवोदय और केंद्रीय विद्यालय के पद

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने केंद्रीय विद्यालय संगठन और नवोदय विद्यालय समिति में शैक्षणिक और गैर-शैक्षणिक पदों पर भर्ती के लिए परीक्षा तिथि का ऐलान कर दिया है। इस भर्ती के तहत कुल 14,967 रिक्तियों को भरने का उद्देश्य है। भर्ती प्रक्रिया का पहला चरण, यानी टियर 1 परीक्षा, जनवरी 2026 में आयोजित की जाएगी। इस भर्ती के लिए आवेदन प्रक्रिया जारी है। इच्छुक और पात्र उम्मीदवार सीबीएसई, नवोदय विद्यालय अथवा केंद्रीय विद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट उपलब्ध आवेदन लिंक के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

- तीन वेबसाइट के जरिए 4 दिसंबर तक कर सकते हैं आवेदन

आवेदन करने और फीस भुगतान की अंतिम तिथि 4 दिसंबर 2025 निर्धारित की गई है। इस भर्ती का लक्ष्य केवीएस में 9126 और एनवीएस में कुल 5841 पदों को भरना है। सहायक आयुक्त के 17, प्रधानाचार्य के 227, उप प्राचार्य के 58, स्नातकोत्तर शिक्षक के 2978, पीजीटी के 1, प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक के 5772, तृतीय भाषा शिक्षक के 443, लाइब्रेरियन के 147, प्राथमिक शिक्षक के 3365 सहित 1931 पद गैर शैक्षणिक स्टाफ के हैं। इनमें छग के केंद्रीय विद्यालयों में रिक्त पद भी शामिल हैं।

जनवरी में होगी परीक्षा

केंद्रीय विद्यालय संगठन और नवोदय विद्यालय समिति में शिक्षण और गैर-शिक्षण पदों के लिए भर्ती अधिसूचना के अनुसार, टियर-1 परीक्षा 10 और 11 जनवरी 2026 को आयोजित की जाएगी। परीक्षा केंद्र, आवंटित परीक्षा शहर, परीक्षा कार्यक्रम और टियर-1 के प्रवेश पत्र की जानकारी उम्मीदवारों के ऑनलाइन लॉगिन में समय पर उपलब्ध कराई जाएगी। बोर्ड ने कहा है कि, उम्मीदवार परीक्षा से जुड़ी ताजा जानकारी के लिए आधिकारिक वेबसाइट देखते रहें। चुनाव प्रक्रिया में उम्मीदवारों का चयन कई चरणों में किया जाएगा, जिसमें लिखित परीक्षा (टियर-1), कुछ पदों के लिए कौशल परीक्षण, दस्तावेज सत्यापन और चिकित्सा परीक्षा शामिल हैं। सभी पदों के लिए आवश्यकता अहर्ता संबंधित जानकारी वेबसाइट पर अपलोड कर दी गई है।

सत्य साईं हॉस्पिटल में मनाया गया 'बाबा' का जन्मदिन कार्यक्रम में शामिल हुए विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

श्री सत्य साईं बाबा का 100वां जन्मदिवस नवा रायपुर के श्री सत्यसाईं संजीवनी हॉस्पिटल में धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों के साथ सौ किलो का केक भी काटा गया। कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष डा. रमन सिंह शामिल हुए और अस्पताल में सर्जरी के बाद स्वस्थ हुए बच्चों को प्रमाणपत्र भी वितरित किया।

- 100वें जन्मदिन पर काटा गया सौ किलो का केक, दिनभर कई आयोजन

जन्मदिन पर आयोजित कार्यक्रम में स्वस्थ होने वाले बच्चों के साथ अस्पताल के कर्मचारियों और शुभचिंतकों ने भी इसमें भाग लिया। अस्पताल और ' सौभाग्यम ' को फूलों, गुब्बारों और विशाल रंगोलियों से सजाया गया था।

दिनभर चलने वाले कार्यक्रम में दौरान भजन गाते परिक्रमा, जन्मोत्सव गीत, शोभायात्रा के साथ विशेष पूजा-अर्चना की गई। कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह भी आयोजित हवन में शामिल हुए और बाबा की महामंगल आरती की। इस दौरान वरिष्ठ रोटेरियन रंजीत सैनी, वरिष्ठ समाजसेवी सीताराम अग्रवाल, डॉ. रागिनी पांडे और डॉ. योगेश साठे उपस्थित थे। स्वरांजलि समूह के सदस्यों के शानदार साई भजनों की प्रस्तुति ने श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया और विस अध्यक्ष ने गायक एल. नितेश कुमार और समूह के संगतकारों को सम्मानित किया। इस अवसर पर उन्होंने अस्पताल की स्थापना के समय से ही अध्यक्ष डॉ. सी. श्रीनिवास के साथ अपने जुड़ाव को दोहराया। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ का नाम और प्रसिद्धि श्री सत्य साई संजीवनी अस्पताल के नाम से हुई। इस दौरान उन्होंने उत्तर प्रदेश, झारखंड, महाराष्ट्र, बिहार और छत्तीसगढ़ के 10 मरीजों को प्रमाणपत्र और उपहार प्रदान किए।

लेजर शो के साथ आतिशबाजी

कार्यक्रम का समापन शानदार लेजर शो और आतिशबाजी के साथ हुआ। इसके पूर्व श्री सत्य साई इंस्टिट्यूट ऑफ नर्सिंग एंड एलाइड हेल्थ केयर साइंसेज छात्रों तथा महिला सेवादल के सदस्यों ने श्रमिक बस्ती के 77 परिवारों के 202 सदस्यों को भोजन और वस्त्र वितरित किए। शाम के कार्यक्रम की शुरुआत भजन और विश्व प्रार्थना से हुई। सौभाग्यम को मिट्टी के दीपों से प्रज्ज्वलित किया गया।

एसआईआर की जिले में बढ़ाई जाए अंतिम तिथि

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

देश के 12 राज्यो में निर्वाचन आयोग द्वारा एसआईआर की प्रक्रिया करवाई जा रही है। उन राज्यों की कड़ी में छत्तीसगढ़ भी शामिल है, जहां एसआईआर सर्वे किया जा रहा है। रायपुर से सटे बिरगांव में शामिल 6 गांवों को मिलाकर निगम बनाया गया है। वर्ष 2014 में इसको निगम का दर्जा दिया गया। वर्तमान में यहां की आबादी लगभग दो लाख है। बिरगांव निगम से उरला औद्योगिक क्षेत्र जुड़ा है। इसमें क्षेत्र के अधिकतर लोग उद्योगों में मजदूरी करने जाते हैं। मजदूरी करने के कारण निर्वाचन आयोग द्वारा की जा रही एसआईआर प्रक्रिया से वंचित हो रहे हैं।

- सर्वे में छूट रहे फैक्ट्रियों में काम करने वाले लोग
- बिरगांव निगम के एमआईसी मेंबर ने निर्वाचन आयोग से की मांग

बिरगांव निगम के एमआईसी सदस्य इकराम अहमद ने बताया कि फैक्टरी प्रबंधक द्वारा कर्मचारियों को छुट्टी नहीं दी जा रही है। इससे निर्वाचन आयोग द्वारा करवाए जा रहे एसआईआर के लिए बहुत कम समय मिल रहा है। इस कारण निर्वाचन का काम कर रहे बीएलओ भी मानसिक तनाव का सामना कर रहे हैं। समाचार पत्रों के माध्यम से जानकारी मिल रही है कि एसआईआर का काम करने वाले 17 बीएलओ की मानसिक तनाव के कारण ड्यूटी के दौरान आत्महत्या और हार्टअटैक से मृत्यु हुई है। इन दुखद घटनाओं पर निर्वाचन आयोग को मृतकों के आश्रितों को कम से कम 50 लाख का मुआवजा देना चाहिए। साथ ही एसआईआर की अंतिम तिथि 4 दिसंबर को बढ़ाकर कम से कम 15 जनवरी 2026 करना चाहिए, ताकि सभी मतदाता अपना एसआईआर करवा सकें।

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में सीएम साय ने छत्तीसगढ़ पवेलियन का किया अवलोकन

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

भारत मंडपम, नई दिल्ली में आयोजित अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में आज छत्तीसगढ़ पवेलियन आकर्षण का केंद्र बना रहा। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने छत्तीसगढ़ के पवेलियन का भ्रमण कर विभिन्न स्टॉलों का अवलोकन किया। उन्होंने पवेलियन में प्रदर्शित उत्पादों और नवाचारों की प्रशंसा करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ वैश्विक व्यापार मंचों पर लगातार अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा रहा है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ की पारंपरिक कला, हस्तशिल्प, वनोपज आधारित उत्पाद और पारंपरिक कला वैश्विक बाजार में अपनी विशेष पहचान बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि देश-विदेश के खरीदारों के बीच छत्तीसगढ़ी उत्पादों की बढ़ती मांग स्थानीय अर्थव्यवस्था की मजबूती और हमारे कारीगरों के सम्मान को नई दिशा दे रही है। यह 'आत्मनिर्भर छत्तीसगढ़' के हमारे संकल्प की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। उन्होंने पवेलियन में प्रदर्शित कोसा सिल्क, धातु-शिल्प, ढोकरा कला, प्राकृतिक वन-आधारित उत्पाद, मिलेट-आधारित फूड प्रोडक्ट्स और सूक्ष्म उद्यमों के अभिनव मॉडल की सराहना की। इस अवसर पर उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन, लोकसभा सांसद बृजमोहन अग्रवाल, कमलेश जांगड़े एवं अन्य जनप्रतिनिधि तथा अधिकारी उपस्थित थे।

हरिभूमि

रायपुर, मंगलवार 25 नवंबर 2025

लाइव

Email id- zindgi.live.hb@gmail.com

0771- 4242222, Message at - 9630172937

सोमवार को बीटीआई ग्राउंड पर आयोजित आवास मेले में सुप्रसिद्ध लोकगायिका आरू साहू की मधुर आवाज में पारंपरिक लोक गीतों की महफिल सजी। देर रात करीब 9 बजे सर्द फिजां में कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान श्रीगणेश की वंदना से हुआ। इसके बाद आरू साहू ने "हे मईया झूप-झूप महु ला नचाई दे, मेरे राम आएंगे, सुआ, गौरी-गौरा, ददरिया, राउत नाचा" मटकी म बासी और चुटकी म नून तथा बस्तरिया जैसे पारंपरिक गीत प्रस्तुत किए, जिनसे पूरा वातावरण लोक-सुगंध से भर उठा।

छत्तीसगढ़ी लोकगीत-संगीत पर देर रात तक झूमते रहे दर्शक, रॉक बैंड का भी लिया लुत्फ

आवास मेले में लोकगायिका आरू साहू की प्रस्तुति ने बांधा समां

रायपुर। पारंपरिक छत्तीसगढ़ी लोकगीतों की रंगारंग प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कड़ाके के ठंड के बावजूद आरू साहू की मधुर आवाज का आनंद लेने देर रात तक कार्यक्रम में दर्शक जमे रहे। छत्तीसगढ़ी भक्ति गीतों व पारंपरिक लोकगीतों की मनमोहक गीत-संगीत के ताल पर दर्शक झूमते रहे। आवास मेले के इस सांस्कृतिक संध्या में आरू साहू के प्रस्तुति से पहले कलिंगा बैंड टीम ने अपने रॉक बैंड की धुनों व गीतों से धमाल मचा दर्शकों का भावविभोर किया। आवास मेले में शिरकत करने पहुंचे आम नागरिकों सहित जनप्रतिनिधियों, छत्तीसगढ़ हाउसिंग बोर्ड के अधिकारी-कर्मचारियों ने कल्चरल इवेंट का आनंद उठाया। इसके अलावा सांस्कृतिक कार्यक्रम को देखने के लिए शहर के लोकगीत-संगीत के प्रेमी भी बड़ी संख्या में पहुंचे। आवास मेले में आधी रात तक छत्तीसगढ़ी गीत-संगीत की सुरीली लहरियों में बीटीआई का वातावरण डूबा रहा।

कलिंगा बैंड की प्रस्तुति ने मोहा रायपुरियंस का मन

आवास मेले में कलिंगा बैंड टीम ने अपनी शानदार प्रस्तुति से रायपुरियंस का मन मोह लिया। बैंड ने एक सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान पारंपरिक और लोक संगीत की मनमोहक धुनें प्रस्तुत कीं, जिससे दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए। प्रस्तुति का मुख्य आकर्षण बैंड ने छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को दर्शाते हुए पारंपरिक लोकगीतों और संगीत वाद्ययंत्रों का उपयोग किया। गुलाबी ठंड के मौसम में बीटीआई ग्राउंड में कलाकारों के भावपूर्ण और ऊर्जावान प्रदर्शन ने श्रोताओं में जोश भर दिया। कार्यक्रम में भारी संख्या में दर्शक मौजूद थे, जिन्होंने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ बैंड का उत्साहवर्धन किया और प्रस्तुति की जमकर सराहना की। इस सफल कार्यक्रम ने रायपुर के सांस्कृतिक परिदृश्य में एक अमिट छाप छोड़ी और स्थानीय निवासियों को एक यादगार शाम का अनुभव कराया।

आवास मेले में आशियाने का सपना हो रहा पूरा, अब तक 350 मकान बुक

शंकर नगर स्थित बीटीआई ग्राउण्ड में तीन दिवसीय राज्य स्तरीय आवास मेले के दूसरे दिन 350 से अधिक आवास की बुकिंग हुई। आवास मेले में अपने आशियाने का सपना पूरा करने लोगों का जबर्दस्त उत्साह देखा जा रहा है। छत्तीसगढ़ हाउसिंग बोर्ड के अधिकारी सुनील सिंह ने बताया, सोमवार के देर शाम तक आवास बुकिंग का आंकड़ा करीब 350 के पार पहुंच गया। आवास मेले में ग्राहक छत्तीसगढ़ हाउसिंग बोर्ड के अलग फेस के मकानों को खरीदने बड़ी संख्या में रुचि दिखा रहे हैं। जरूरतमंद परिवारों को बेहद किफायती दरों पर राज्य सरकार खुद आवास उपलब्ध करा रही है। आवास मेले में ग्राहकों की तत्काल पंजीयन, साइट विजिट और बैंकिंग फाइनेंस जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही है। गौरतलब है कि रविवार को मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आवास मेले का शुभारंभ किया था। उन्होंने बताया कि आवास मेले में ग्राहकों को आवास बुकिंग का प्रमाण पत्र, हाउसिंग बोर्ड के उपभोक्ताओं को आवास की चाबी एवं फ्री होल्ड मकान का प्रमाणपत्र प्रदान किया जा रहा है। हाउसिंग बोर्ड के एआई चैट बॉट और पोर्टल के माध्यम से उपभोक्ताओं को हाउसिंग बोर्ड की आवासीय परियोजनाओं की जानकारी सहजता से मिल रही है। छत्तीसगढ़ हाउसिंग बोर्ड राज्य के लोगों को किफायती और गुणवत्तापूर्ण मकान उपलब्ध कराने के लिए नवाचार के साथ आगे बढ़ रहा है। इस अवसर पर बड़ी संख्या में नागरिक आवास खरीदने व जानकारी लेने आवास मेले के स्टॉल पर पहुंच रहे हैं।

एजुकेशन अलर्ट

आरआरबी एनटीपीसी भर्ती के लिए आवेदन की लास्ट डेट नजदीक

रायपुर। रेलवे रिक्रूटमेंट बोर्ड की ओर से नॉन टेक्निकल पॉपुलर कैटेगरी (ग्रेजुएट/ सीईएन संख्या 06/2025) भर्ती और एनटीपीसी अंडर ग्रेजुएट लेवल भर्ती के लिए आवेदन करने की लास्ट डेट 27 नवंबर निर्धारित की गई है। ऐसे में जो भी अभ्यर्थी इंटरमीडिएट या ग्रेजुएशन उत्तीर्ण हैं वे इस भर्ती में शामिल होने के लिए ऑनलाइन माध्यम से आवेदन पत्र भर सकते हैं। ऑफिशियल साइट के अलावा आप इस पेज पर दिए डायरेक्ट लिंक पर क्लिक करके ही आवेदन प्रक्रिया पूर्ण कर सकते हैं। आरआरबी एनटीपीसी यूजी भर्ती में भाग लेने के लिए अभ्यर्थी का किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड/ संस्थान से इंटरमीडिएट (10+2) उत्तीर्ण होना अनिवार्य होगा। इसके साथ ही कुछ पदों के लिए उम्मीदवारों को हिंदी/ अंग्रेजी टाइपिंग का ज्ञान भी होना चाहिए। उम्मीदवार की न्यूनतम आयु 18 वर्ष एवं अधिकतम आयु 33 साल से ज्यादा नहीं होनी चाहिए। आरआरबी एनटीपीसी ग्रेजुएट लेवल भर्ती में शामिल होने के लिए मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/ संस्थान से ग्रेजुएशन उत्तीर्ण होना आवश्यक है। कुछ पदों के लिए ग्रेजुएशन उत्तीर्ण होने के साथ उम्मीदवारों को कंप्यूटर प्रोफिशिएंसी/ टाइपिंग का ज्ञान होना चाहिए। शैक्षिक योग्यता के अनुसार अभ्यर्थी की न्यूनतम आयु 18 वर्ष से कम और अधिकतम आयु पदानुसार 33 वर्ष से ज्यादा नहीं होनी चाहिए। आरक्षित श्रेणी से आने वाले उम्मीदवारों को नियमानुसार छूट दी जाएगी।

कैसे करें अप्लाई

आरआरबी एनटीपीसी अंडर ग्रेजुएट एप्लीकेशन फॉर्म भरने के लिए सबसे पहले पोर्टल **rrbapply.gov.in** पर जाना होगा। वेबसाइट के होम पेज पर आपको क्रिएट एन अकाउंट पर क्लिक करके रजिस्ट्रेशन कर लें। इसके बाद लॉग इन के माध्यम से अन्य डिटेल भरकर फॉर्म को पूरा कर लें। अंत में कैटेगरी वाइज निर्धारित शुल्क जमा करके फॉर्म को सबमिट कर दें। अंत में पूर्ण रूप से भरे हुए फॉर्म का प्रिंटआउट निकालकर अपने पास सुरक्षित रख लें।

इस तरह है एप्लीकेशन फीस

इस भर्ती में शामिल होने के लिए अनरिजर्व, ओबीसी एवं ईडब्ल्यूएस वर्ग को शुल्क के रूप में 500 रुपये जमा करना होगा वहीं एससी, एसटी, पीएच एवं सभी वर्ग की महिला अभ्यर्थियों को 250 रुपये का भुगतान करना होगा। स्टेज 1 सीबीटी 1 एग्जाम होने के बाद अनरिजर्व, ओबीसी एवं ईडब्ल्यूएस वर्ग 400 रुपये एवं एससी, एसटी, पीएच एवं सभी वर्ग की महिला अभ्यर्थियों को पूरा शुल्क रिफंड कर दिया जायेगा।

सिटी इवेंट

चित्रकला प्रतियोगिता में बच्चों ने सजाई रंगों से भरी दुनिया

रायपुर। "रंगों भरी दुनिया, चित्रकला प्रतियोगिता 2025" में बच्चों की रचनात्मकता और कल्पनाशील दुनिया का एक सुंदर उत्सव मनाया गया। यह पहल गणेश विनायक फाउंडेशन और गणेश विनायक आई अस्पताल ने संयुक्त रूप से की। इस कड़ी में रविवार को कक्षा चार से आठवीं तक के बच्चों ने अपनी कलात्मक सोच और भावनाओं को रंगों से व्यक्त किया। कैनवास पर उत्साह, मुस्कान और बाल मन की स्वाभाविक कल्पनाएं छाई रहीं। इनको जज करने के लिए निर्णायक मंडल में डॉ. अमृता मुखर्जी और डॉ. रोहित राव ने सभी चित्रों को देखने के बाद बच्चों की विषय के प्रति समझ, रंग, अभिव्यक्ति और रचनात्मक प्रस्तुति का मूल्यांकन किया। बच्चों की पेंटिंग्स में गहराई और संवेदनशीलता देखकर डॉ. चारु, बाल-नेत्र विशेषज्ञ भी प्रभावित हुए। उनका कहना था कि बच्चों की कला कृतियाँ उनके मन की सच्ची भावनाओं और कल्पनाशीलता का जीवंत प्रतिबिंब हैं।

विद्यालय परिसर में सेल्फ विजन स्क्रीनिंग यूनिट स्थापित

इसी अवसर पर उज्ज्वल आंखें उज्ज्वल भविष्य का शुभारंभ किया गया। इस पहल की शुरुआत डॉ. अनिल कुमार गुप्ता, निदेशक एवं वरिष्ठ नेत्र विशेषज्ञ ने की। उनका मानना है कि बच्चों की आंखें सिर्फ देखने का साधन नहीं, बल्कि उनके सीखने, ध्यान और समग्र विकास की बुनियाद हैं। इसके साथ ही विद्यालय परिसर में सेल्फ विजन स्क्रीनिंग यूनिट स्थापना की गई। जहां शिक्षकों को प्रशिक्षण, नियमित निःशुल्क नेत्र जांच शिविर और स्वास्थ्य के प्रति जागरुक करने के लिए डिजिटल सेफ्टी से जुड़े सत्र को शामिल किया गया। इसके साथ ही बच्चों में सकारात्मक सोच और सहयोग की भावना से जोड़ने के लिए भी जोर दिया गया।

स्कूली बच्चों को नशा, स्वास्थ्य व शिक्षा के प्रति किया जागरूक

रायपुर। आओ संवारें बचपन अभियान के तहत शासकीय प्राथमिक एवं पूर्व माध्यमिक शाला डुमरडीह में कार्यशाला आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में श्रद्धा साहू ने स्कूली बच्चों के साथ स्वास्थ्यए शिक्षा, नशा उन्मूलन, जल संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण और बेटा बचाओ बेटा पढ़ाओ पर विस्तृत चर्चा की। कार्यशाला का उद्देश्य बैगलेस डे में बच्चों की मन की बात जानने और उनकी समस्याओं के समाधान पर फोकस है। खेल खेल और खुशनुमा माहौल में विद्यार्थियों ने अपने मन की बात भी कही।

इस कार्यक्रम में समस्त अतिथियों ने प्राणायाम भी किया। ग्राम पंचायत डुमरडीह के सरपंच धर्मेन्द्र बंजारे, संस्था प्रमुख पोषण मारकण्डे ने बाल संरक्षण अधिनियम एवं साइबर सुरक्षा के उपाय सहित टोल फ्री नंबर बताया एवं इस आओ संवारे बचपन अभियान की सराहना करते हुए सभी पालकों से अपील किया कि आप घर पर अपने बच्चों से नियमित संवाद करते रहे। इस कार्यशाला में अध्यक्षद्वय शाला प्रबंधन समिति उमेन्द्र जांगड़े, कामिनी बंजारे आदि उपस्थित थे।

नेत्र रोग के 109 व दंत रोग के 46, मोतियाबिंद के 3 मरीज मिले

रायपुर। केंद्रीय जेल में पुरुष बंदियों के लिए नेत्र और दंत परीक्षण मार्गदर्शन शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान दंत रोग और मोतियाबिंद के लक्षण पाए जाने पर उन्हें मार्गदर्शन दिया गया। जिला चिकित्सालय नेत्र विभाग के पूर्व नेत्र सहायक अधिकारी अरुण सिंह एवं नेत्र सहायक अर्पिता फिलिप, संस्कार चंद्राकर, तोमन साहू, अंचल साहू, निकिता व प्रियंका द्वारा बंदियों की आंखों की जांच की। डॉ. पायल पाटिल ने दंत परीक्षण किया। इस दौरान नेत्र रोग के 109 और तीन बंदी मोतियाबिंद से पीड़ित पाए गए।

दंत रोग के 46 पीड़ितों में से कुछ बंदियों में पायरिया का लक्षण पाया गया। ओम सत्यम शिक्षण एवं जन विकास समिति के सीता राम ठाकुर, दिलीप ठाकुर, आरके तिवारी, रमेश साहू, जेल अधीक्षक मनीष शंभाकर, प्रभारी उप जेल अधीक्षक एके साव, फॉर्मासिस्ट डीएस कोसरे, प्रभारी अष्टकोण अधिकारी अरुण त्रिपाठी, प्रहरी गोपाल कश्यप, मुख्य प्रहरीर मेश खारसे, प्रहरी राजेश साहू आदि उपस्थित थे।

भारत भ्रमण पर निकले लेखक व फिल्म निर्देशक अभिनव सिन्हा की हरिभूमि से खास बातचीत

बड़े बजट की फिल्मों में निर्देशक पर होता है दबाव, मुझे कम बजट में ही मिल जाता है मुनाफा

मुंबई और रायपुर के लोगों की समझ में कोई विशेष फर्क नहीं, दोनों समझदार और जागरूक हैं

कार्नर न्यूज

रायपुर। बॉलीवुड निर्देशक अभिनव सिन्हा इन दिनों देश को नजदीक से समझने के लिए भारत भ्रमण पर हैं। इसी सिलसिले में वे सोमवार को रायपुर पहुंचे, जहां उन्होंने शहर का दौरा करते हुए युवाओं सहित विभिन्न वर्गों के लोगों से मुलाकात की। हरिभूमि से खास बातचीत में अभिनव ने फिल्म निर्देशन के अपने अनुभव भी साझा किए। उन्होंने बताया कि अब तक 17 से ज्यादा राज्यों का भ्रमण कर चुका हूं। मुंबई और रायपुर के लोगों में मुझे कोई खास फर्क महसूस नहीं हुआ। दोनों जगह के लोग समान रूप से समझदार और जागरूक हैं। यहां के लोग मिलनसार और अतिथि का स्वागत करने वाले हैं। मुझे ऐसा नहीं लगता कि सिर्फ मेट्रो शहरों में ही समझदारी ज्यादा होती है। छोटे शहरों की चौकड़ी मुझे अच्छी लगती है। रायपुर मुझे अच्छा शहर लगा। चलती सड़क वाला शहर है। फिल्मों को लेकर उन्होंने कहा कि जो बड़े बजट की एंटरटेनमेंट फिल्में होती हैं, उनमें 300 से 500 करोड़ तक खर्च हो जाता है, लेकिन मैं जो सामाजिक और संवेदनशील विषयों पर फिल्में बनाता हूं, वे कम बजट में भी तैयार हो जाती हैं और अच्छा मुनाफा भी देती हैं। उन्होंने यह भी जोड़ा कि बड़े बजट की फिल्मों में निर्देशक पर काफी दबाव होता है, जबकि कंटेंट आधारित फिल्मों में निर्देशक को ज्यादा आजादी मिलती है।

ओटीटी के आने के बाद भी सिनेमाघरों का क्रेज बरकरार

फिल्म निर्देशक अभिनव सिन्हा ने ओटीटी प्लेटफॉर्म्स के बढ़ते प्रभाव पर अपनी राय रखते हुए कहा कि जब टीवी आया था, तब भी यही कहा गया था कि अब लोग सिनेमाघरों में नहीं जाएंगे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। आज भी लोग थिएटर में फिल्म देखने का अनुभव मिस नहीं करते। उन्होंने आगे कहा कि ओटीटी की सुविधा जरूर है, लेकिन सिनेमाघरों में फिल्म देखने का जो माहौल होता है, वह अलग ही होता है। आंकड़े बताते हैं कि न सिर्फ भारत, बल्कि विदेशों में भी थिएटरों की संख्या में बढ़ोतरी हो रही है। अमेरिका, जो हमसे 30 साल आगे है, वहां आज भी लोग घरों से निकलकर फिल्मों का लुत्फ थिएटर में उठाते हैं। इससे साफ है कि सिनेमा का जादू कभी खत्म नहीं होगा।

हरिभूमि के संपादक समन्वय ब्रह्मवीर सिंह ने फिल्म निर्देशक अभिनव सिन्हा से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने अपनी चर्चित कृति 'बुत मरते नहीं' उपन्यास की एक प्रति भेंट की। मुलाकात के दौरान उपन्यास की पृष्ठभूमि, इसकी सामाजिक प्रासंगिकता और इसके आगामी भाग को लेकर भी विस्तृत चर्चा हुई।

जीवन के हर मोड़ पर मददगार है भ्रमण का अनुभव

फिल्म निर्देशक अभिनव सिन्हा ने अपने भारत भ्रमण को लेकर कहा कि वे इस यात्रा के माध्यम से लोगों से जुड़ने और उनके विचारों को समझने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मैं ये नहीं कहता कि यह अनुभव सीधे फिल्मों में काम आएगा, लेकिन यह जीवन के किसी भी हिस्से में उपयोगी हो सकता है। अभिनव का मानना है कि कहानियां हमारे आसपास बिखरी पड़ी हैं। अगर हम ध्यान से देखें तो किसी भी गली-मोहल्ले या व्यक्ति से प्रेरणादायक कहानी मिल सकती है। उन्होंने कहा कि आजकल निर्देशक उस विषय पर फिल्म बना रहे हैं, जो उन्हें भीतर से छूता है और यही सबसे बड़ी आजादी है। साथ ही उन्होंने कहा कि आज पढ़ने की संस्कृति कम होती जा रही है, जबकि हमारे देश में ऐसे कई साहित्यकार हैं, जिनकी रचनाएं मेनस्ट्रीम सिनेमा का हिस्सा बननी चाहिए।

सिटी लाइव

बेस्ट पार्लियामेंटेरियन का खिताब तनय शर्मा ने जीता

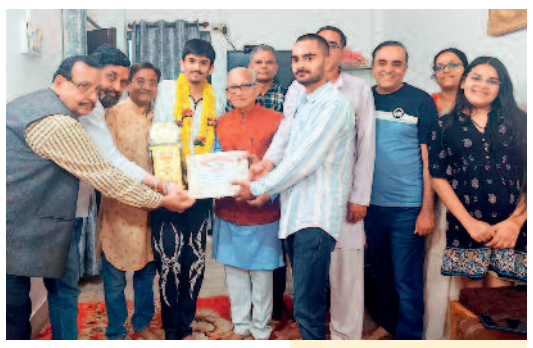

रायपुर। वरिष्ठ अधिकारी श्वेता शर्मा के सुपुत्र तनय शर्मा ने राष्ट्रीय स्तर पर अपने कुशल वाक्पटुता का शानदार परिचय देते हुए देश भर से दिल्ली पहुंचे 120 प्रतिभागियों को पराजित कर यंग इंडिया पार्लियामेंट्री डिबेट में फाइनल में विजयी होकर बेस्ट पार्लियामेंटेरियन का खिताब जीता। पहले जिला स्तर राजनांदगांव और फिर राज्य स्तर जमशेदपुर पर भी स्वर्ण पदक जीतकर राष्ट्रीय स्तर पर दिल्ली पहुंचा। राष्ट्रीय स्तर पर फाइनल में उनकी तर्कपूर्ण प्रस्तुति, नीतिगत गहराई और आत्मविश्वास ने निर्णायकों को प्रभावित किया। इस तरह तनय राष्ट्रीय क्षितिज पर युवाओं के बीच श्रेष्ठ वक्ता के रूप में चमकता सितारा साबित हुआ है। तनय की इस उपलब्धि से उसके परिवार ही नहीं अंचल एवं समाज में सर्वत्र प्रसन्नता की लहर व्याप्त है। समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष ललित मिश्रा और महासचिव शशिकांत तिवारी के पौधा भेंटकर सम्मानित किया।

समाज के साथ प्रदेश का मान बढ़ाया

समाज के सलाहकार डॉ. विश्वनाथ पाणीग्राही ने कहा यह उपलब्धि पूरे छत्तीसगढ़ के लिए गौरव की बात है। इस अवसर पर सुमित शर्मा, चंद्रशेखर पाण्डेय, ऋषभ तिवारी, संतोष शर्मा, किशोर तिवारी, रमेश शर्मा, कमल किशोर शर्मा सहित अन्य मौजूद थे।

● राजधानी में वैवाहिक उत्सव को यादगार बनाने संगीत संध्या, इवेंट के लिए अलग से सजाया जाने लगा समारोह का मंच

हाईप्रोफाइल शादियों में हल्दी, रिसेप्शन और जयमाला की रस्में भी इवेंट बेस्ड, एंकर्स संचालन करते हुए मचाते हैं धूम

'कल्चरल इवेंट के साथ अब हाईप्रोफाइल शादियों में भी एंकर्स संचालन करते हुए वैवाहिक उत्सव को यादगार बनाने लगे हैं। इसके लिए हल्दी रस्म, संगीत संध्या, रिसेप्शन और जयमाला के समय किस तरह का रुटीन तय किया गया है। इसकी जानकारी लेने के बाद खनकती आवाज के जादूगर रिश्तों का ऐसा ताना-बाना बुनते हैं कि लोग इस पल को डिजिटल बुके का हिस्सा भी बनाते हैं। एंकर्स भी रस्मों को अलग-अलग गेम्स के जरिए भी रोचक बनाने का प्रयास करते हैं। इससे आयोजन में शामिल अतिथियों को भी उत्सव जैसा माहौल मिलता है।

रायपुर। शहर के अलग-अलग क्षेत्र में रहकर पढ़ाई और सोशल एक्टिविटी से जुड़े युवाओं ने अब प्रोफेशनल एंकर की तरह काम करना शुरू किया है। इससे उन्हें सांस्कृति प्रोग्राम के लिए ही नहीं बल्कि अब हाई-प्रोफॉइल शादियों में होने वाले रस्मों पर बेस्ड इवेंट के लिए आफर मिलने लगा है। कचना में रहने वाले एंकर ताशिश ने बताया कि अब लोग वैवाहिक रस्मों को अलग तरीके से इवेंट का हिस्सा बनाने के लिए प्रोग्राम संचालन की जिम्मेदारी देते हुए पैकेज में भी आर्डर करते हैं। अभी 35 से ज्यादा युवा छोटे-बड़े इवेंट्स में एंकरिंग का दायित्व निभाते हुए अपनी क्रिएटिविटी से अवसर को खास बनाने लगे हैं। करीब तीन साल पहले तक शादियों में कुछ एक लोग ही बुलाते थे, लेकिन अब शादी के सीजन में प्रोग्राम से ज्यादा वैवाहिक समारोह में धूम मचाने का अवसर भी मिलने से पूछ-परख पढ़ी है।

25 से 30 हजार एक समारोह का एंकर्स देते हैं पैकेज

शंकर नगर में रहते हुए पढ़ाई के साथ एंकरिंग करने वाली चंचल वर्मा ने बताया कि समय के साथ शहर में होने वाली हाई-प्रोफॉइल शादियों में वैवाहिक रस्मों को भी इवेंट की तरह सजाने का प्रयास किया जाने लगा है। लोग आने वाले मेहमानों को व्यस्त रखने का प्रयास भी करने लगे हैं। उनसे जानकारी लेने के बाद रस्मों को थीम बेस्ड किया जाता है। इसमें हर वर्ग को गेम्स के जरिए जोड़ते हैं।बच्चों, युवाओं, पुरुषों और महिलाओं के लिए अलग-अलग तरह के टास्क तय किए जाते हैं। इसे खेलने के बीच ही संगीत संध्या के साथ रिसेप्शन, हल्दी रस्म और जयमाला के लिए बुलाने पर प्रोग्राम की जानकारी लेने के बाद 25 से 30 हजार का पैकेज भी देते हैं।

परिचय देते हुए रस्मों के क्रम को बढ़ाते हैं आगे

सोशल एक्टिविटी और एंकरिंग से जुड़ी माना कैंप निवासी प्रियंका उपाध्याय ने बताया कि पहले सिर्फ कल्चरल इवेंट्स में ही एंकरिंग का अवसर मिलता था, लेकिन अब लोग हर आयोजन को उत्सव की तरह सेलिब्रेट करना पसंद करते हैं। इसे देखते हुए एंकर के रूप में जब मंडप में फेरे का समय आते ही कहते हैं कि अब हम सब विवाह के उस सबसे हृदयस्पर्शी रस्म की ओर बढ़ते हैं। इसे सप्तपदी या सात फेरे, सात वचन, सात जन्मों का साथ। आइए, इस पवित्र क्षण के साक्षी बनें...जैसे संवादों से सात वचन बताते हुए एंकर दुल्हे व दुल्हन को वैवाहिक समारोह में शामिल उनके सभी रिश्तेदारों का एक-एक करके परिचय देते हुए रस्मों के क्रम को आगे बढ़ाते है।

मंच पर आ रहे हैं दुल्हन के प्यारे मम्मी-पापा

वैवाहिक समारोह की भव्यता के बीच संगीत संध्या भी इवेंट और एंकर बेस्ड हो गया है। इसमें एंकर ही दुल्हन के माता पिता की प्रस्तुति को खास बनाने के लिए बोलते हैं, देवियों और सज्जनों, अब समय आ गया है एक बहुत ही खास प्रस्तुति का। यह वो रिश्ता है जिसने इस शादी की नींव रखी है। प्यार की वो मूरत जिन्होंने दुल्हन को इतना खूबसूरत पल दिया है। उसमें प्यार, संस्कार भरते हुए उसे नए घर की गृहलक्ष्मी बनने के लिए तैयार किया है। जी हां, अब मंच पर आ रहे हैं दुल्हन के प्यारे मम्मी-पापा। इस तरह रोचक अंदाज में आयोजन को उत्सव का रूप दिया जाता है। इसका हिस्सा परिवार के लोग ही नहीं बल्कि आए हुए अतिथि भी बनते हैं।

कैंपस लाइव

सामग्री प्रबंधन के लिए वेंडर डेवलपमेंट कार्यशाला हुई

रायपुर। महिला उद्यमियों एवं वेंडर्स के लिए वेंडर डेवलपमेंट कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 40 महिला उद्यमियों और वेडर्स ने आन लाइन भाग लिया। वेंडर डेवलपमेंट सेल के सभी अधिकारी एवं कर्मचारी भी कार्यक्रम में उपस्थित थे। ई-निविदा पोर्टल पर एक संक्षिप्त प्रस्तुतीकरण दिया गया, जिसमें निविदा के लिए लॉगिन करने, निविदा भरने की प्रक्रिया तथा तकनीकी पहलुओं की विस्तार से जानकारी दी गई। वहीं प्रतिभागियों के प्रश्नों के समाधान के लिए इंटरएक्टिव सेशन भी आयोजित किया गया। कार्यक्रम का संचालन वेंडर हेल्प डेस्क की उपासना देशमुख और संदीप कुमार द्वारा धन्यवाद ज्ञापन किया गया।

विवाह पंचमी पर आज श्रीराम-जानकी के लग्न मंडप में मनेगा उत्सव, बैंड-बाजे के साथ बाराती बनेंगे श्रद्धालु

पुरानी बस्ती जैतूसाव मठ सहित प्रमुख श्रीराम-जानकी मंदिरों में निभाई जाएंगी पारंपरिक तरीके से वैवाहिक रस्में

रायपुर। शहर में मंगलवार यानी विवाह पंचमी पर समाज के बीच ही नहीं, बल्कि आराध्य देव राम-जानकी मंदिरों में लग्न मंडप में विधि -विधान से रीति-रिवाजों का पालन करते हुए भगवान का विशेष श्रृंगार किया जाएगा। इसका शुमारंभ सोमवार की शाम से ही किया गया । महिलाओं की भजन मंडली ने वैवाहिक उत्सव को सजाने के लिए विवाह और मंगल गीतों की श्रृंखला भी सजाई। जैतूसाव मठ में इस कड़ी में उत्सव का माहौल विगत कई दिनों से बन रहा है। विवाह के लिए जिस तरह से किसी परिवार में आयोजन की तैयारी करते हुए मंडप, आने वाले मेहमानों के लिए पंडाल सजाया जाता है। कुछ उसी तरह की तैयारी सोमवार की शाम को जैतूसाव मठ में देखने को मिली। एक तरफ जहां महिलाओं की टोली गीतों की मधुर तान छेड़ रही थी, वहीं दूसरी तरफ लोग बारात स्वागत के लिए तैयारी में जुटे थे।

वर-वधू पक्ष की भूमिका में करेंगे बारात का स्वागत

कुछ इसी तरह का माहौल पंडरी स्थित श्रीराम-जानकी मंदिर में भी है। सुबह से ही मंदिर प्रांगण में वैवाहिक उत्सव मनाया जाएगा। इसके लिए पहले से ही मंदिर से जुड़े भक्तों द्वारा तैयारी की गई है। जहां भजन-कीर्तन के साथ ही बारात स्वागत और मंडप में विवाह नियम करने के लिए वेदाचार्यों की मौजूदगी रहेगी। इसके साथ ही लोग आने वाले लोग भी वर-वधू पक्ष की भूमिका में बारात स्वागत के साथ उत्सव टिकावन स्वरूप उपहार भी देंगे। रावांभाठा स्थित बंजारी मंदिर में भी भगवान राम और जानकी के विवाह की रस्में विधि-विधान से निभाई जाएंगी। इसके लिए संचालक हरीश भाई जोशी ने पंडितों के साथ ही व्यवस्था संभालने वाले लोगों का दायित्व तय किया है।

बारात निकलने से पहले श्रीराम-जानकी का साज-श्रृंगार

जैतूसाव मठ पुरानी बस्ती में सुबह 9 बजे से भगवान श्री सीताराम का विवाह पूजन शुरू हो जाएगा। इसके लिए विगत पांच दिनों से ठाकुर जी को तेल हरदी चढ़ाया जा रहा और कल- तेल हरदी उतारा गया। महिलाओं की मौजूदगी और भक्तिमय माहौल में ही भगवान को नहडोरी स्नान कराया जाएगा। इसके बाद जिस तरह से बारात जाने से पहले दुल्हे का साज-श्रृंगार किया जाता है, उस विधान को भी विशेष रूप से किया जाएगा। चांदी के सिंहासन पर बिठा कर धुमधाम से बैंडबाजे के साथ क्षेत्र में बारात निकाली जाएगी विधि विधान से वेद मंत्रोचार और साखोचार के साथ विवाह करवाया जाएगा। इसमें आसपास के भक्त परिवार ही नहीं श्रद्धालु भी शामिल होंगे।

कृष्ण मित्र फाउंडेशन ने मुक्तिधाम में चलाया स्वच्छता अभियान

रायपुर। सोमवार को कृष्ण मित्र फाउंडेशन के पदाधिकारियों का वार्षिक बैठक अध्यक्ष माधवलाल यादव की अध्यक्षता में संपन्न हुई। उक्त बैठक में सरजूबांधा मुक्तिधाम परिसर टिकरापारा में विधायक निधि से नवनिर्मित पंजीयन कक्ष भवन के निर्माण कार्य पूर्ण होने के पश्चात लोकार्पण के संबंध में चर्चा की गई। फाउंडेशन की गतिविधियां विगत तीन माह के बारे में सचिव गोवर्धन झंवर ने बताया कि मुक्तिधाम, परिसर में अनावश्यक घास-फूस, पेड़-पौधे हो गए थे, जिन्हें नगर निगम की सहायता से जेसीबी मशीन द्वारा कटवाया गया। नारायण साहू दानदाता ने दो नग सीमेंट की बैंच अपने दादाजी की स्मृति में प्रदान की। इसी कड़ी में शुद्ध पीने के ठंडे पानी हेतु वाटर फिल्टर 80000 रुपए का गुप्त दान प्राप्त हुआ। संस्था के समस्त सदस्यों ने दानदाता के प्रति कृतज्ञता जाहिर किया। आय-व्यय लेखा जोखा कोषाध्यक्ष संजय चंद्राकर ने प्रस्तुत किया। आगामी कार्यों की बजट भी बनाई गई जिस पर सभी ने अपनी सहमति प्रदान की। नए सदस्य बनाने का प्रस्ताव वरिष्ठ सदस्य रतन जैन ने रखा, जिसे सभी ने सहमति देते हुए वार्षिक सदस्य शुल्क 1000 लेने का निर्णय लिया गया।

सदस्यता अभियान मार्च 2026 तक चलेगी

नवनिर्मित पंजीयन भवन का लोकार्पण अन्य मरम्मत आदि कार्य पर चर्चा का निर्णय लिए गए। बैठक में प्रमुख रूप से उपस्थित रहे अध्यक्ष माधव लाल यादव, सचिव गोवर्धन झंवर ,कोषाध्यक्ष संजय चंद्राकर, वरिष्ठ सदस्य रतन जैन, धन्नू लाल देवांगन ,विजय पाल ,हरिराम सेन ,राजू यादव ,संतोष लखोटिया, मनीष त्रिपाठी, रवि धनगर ,राजेश सिंह ठाकुर, अशोक पटेल रहे। फाउंडेशन के सदस्य हरिराम सेन ने आभार व्यक्त किया।

समाज लाइव

गुरु तेगबहादुर साहेब के शहीदी दिवस पर आज बच्चों का कीर्तन समागम

रायपुर। छत्तीसगढ़ सिख समाज द्वारा नौवें गुरु तेगबहादुर साहेब का 350वां शहीदी शताब्दी वर्ष मंगलवार को मनाया जाएगा। शहर के स्टेशन रोड गुरुद्वारे में 350 बच्चों द्वारा उनकी शहादत को याद करते हुए सामूहिक कीर्तन समागम किया जाएगा। सिख समाज के अध्यक्ष महेंद्र सिंह छाबड़ा, सचिव तेजिंदर सिंह होरा और मंजीत सिंह सलूजा ने बताया कि 25 नवंबर को हिंदू धर्म की रक्षा के एवज में गुरु तेगबहादुर साहेब का सिर कलम कर दिया गया था। वे धर्म की रक्षा के लिए अपना शीश देकर शहीद हुए थे। उनकी इस शहादत को हिंद की चादर के रूप में उपाधि मिली। देश की नहीं, बल्कि विश्व में उनकी याद में शहीदी समागम का आयोजन किया जा रहा है।

गुरु तेगबहादुर की शहीदी यात्रा निकाली

गुरुद्वारा के सचिव ने आगे बताया कि इसके पूर्व सिख समाज ने प्रदेशभर में गुरु तेगबहादुर साहेब की शहीदी यात्रा निकाली थी। जो लगभग 2100 किलोमीटर और 72 से अधिक गुरुद्वारों तक पहुंचकर गुरु महाराज की शहादत से जुड़ी यादों को हर समाज तथा वर्ग तक पहुंचाने का प्रयास किया था। गुरुद्वारा प्रबंधन कमेटी ने सिख समाज से सामूहिक कीर्तन समागम में शामिल होने की अपील की है। समागम में शामिल होने वाले समाज के लोगों को सफेद वस्त्र व केसरी चुनरी या पगड़ी पहनकर अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने के लिए आग्रह किया है। इस आयोजन को सफल बनाने के लिए प्रबंधन कमेटी ने समाज प्रमुखों को दायित्वों का विभाजन किया है।

कार्नर न्यूज

● बाजार में पहुंचे मैरी क्रिसमस सेलिब्रेशन के सजावटी सामान और उपहार

क्रिसमस के लिए सजने लगे बाजार हैंडमेड कार्ड-उपहारों की आई बहार

रायपुर। क्रिसमस एक ऐसा त्योहार है, जो खुशियां, प्यार और अपनेपन का संदेश लेकर आता है। ऐसे में मैरी क्रिसमस सेलिब्रेशन की तैयारियां महीनेभर पहले ही शुरू हो गई हैं। शहर के बाजार में सजे क्रिसमस के सजावटी सामान से मैरी क्रिसमस का उत्साह प्रतीत होने लगा है। शहर के गिफ्ट कार्नर, मॉल में सजावटी सामान पहुंच चुके हैं। सजावटी सामान के विक्रेताओं ने रंगबिरंगे सितारे, सांता क्लॉज ड्रेस, क्रिसमस ट्री और घंटियों से अपनी दुकानों को सजा लिया है। वहीं क्रिसमस के लिए लोग अपने घरों और चर्च को सजाने की तैयारी में जुट गए हैं। शंकर नगर स्थित गिफ्ट व क्रॉफ्ट हाउस के संचालक अनिकेत गुप्ता ने बताया कि क्रिसमस पर उपहारों और सजावटी सामान में मुख्य रूप से क्रिसमस ट्री, रोशनी और सांता क्लॉज से जुड़ी कलाकृतियां शामिल हैं। क्रिसमस से पहले एक उत्सव का माहौल बाजार में नजर आने लगा है। लोग क्रिसमस ट्री को सजाने के लिए चमकदार बाउबल्स, सितारे और लाइट्स खरीदने पहुंचने लगे हैं, जबकि उपहारों में कस्टमाइज किए गए फोन केस, टोट बैग और अन्य छोटे-मोटे सामान की भी मांग होने लगी है। बाजार में क्रिसमस ट्री, रोशनी वाले पर्दे, घंटियां (जिंगल बेल्स), बॉल, स्टार, सांता कैप और अन्य सजावटी सामान उपलब्ध हैं। सांता क्लॉज से जुड़ी कई चीजें जैसे सांता की ड्रेस, हैट और सांता के उपहार पहुंच चुके हैं। इस तरह गिफ्ट कार्नर व सजावटी सामानों के विक्रेताओं ने क्रिसमस के मद्देनजर पूरी तरह बाजार को सजा लिया है। अब दुकानों में आकर्षक साज-सज्जा के सामान के साथ क्रिसमस ट्री, सांता क्लॉज, सांताक्लॉज ड्रेस, स्टार, मास्क, झूमर आदि खूब बिकने लगे हैं। साथ ही दुकानों के बाहर छोटे-छोटे स्टॉल लगाए जा रहे हैं, जहां घर को सजाने की सामग्री बेची जा रही है।

हैंडमेड क्रिसमस कार्ड की बेहद डिमांड

गोलबाजार स्थित गिफ्ट कार्नर के संचालक कुशाल वैष्णव ने बताया कि क्रिसमस के खास मौके पर हैंडमेड क्रिसमस ग्रीटिंग कार्ड की खूब डिमांड रहती है। ऐसे में कलरफुल क्रॉफ्ट पेपर, सजावटी मोती, कलर पेंसिल, स्टीकर आदि खरीदने लोग पहुंचने लगे हैं। ज्यादातर लोग इस मौके पर अपने प्रियजनों को खास महसूस कराने के उन्हें हाथों से बना हैंडमेड क्रिसमस ग्रीटिंग कार्ड से विश करना पसंद करते हैं। हाथ से बने ग्रीटिंग कार्ड न केवल देने वाले की भावनाओं को व्यक्त करते हैं, बल्कि इसे तैयार करने में मेहनत और लगन को भी दर्शाते हैं। यही वजह है कि हैंडमेड क्रिसमस कार्ड व क्रॉफ्ट सामग्री की खासी डिमांड हो रही है। हैंडमेड क्रिसमस कार्ड से अपने परिवार, दोस्तों और रिश्तेदारों को अनूठे अंदाज में विश करने का स्पेशल तरीका में से एक है। क्रिसमस आते ही खासकर यूथ में सबसे अधिक चलन में रहता है।

सजावटी सामग्री से दुकानें गुलजार

वीआईपी रोड स्थित एक सजावटी सामान के शॉप संचालक अनिरुद्ध अग्रवाल ने बताया कि क्रिसमस पर घरों की शोभा और चार-चांद लगाने के लिए सजावटी सामग्री बाजार में पहुंच चुकी है। हमारी शॉप में क्रिसमस सजावटी और गिफ्ट सामान में क्रिसमस ट्री, रंगबिरंगे सितारे, कार्ड, झूमर, बेल, हैंगिंग ट्री, क्रिस्टल बॉल, रेडियम बॉल, गिफ्ट आइटम, जिंगल बेल्स, इंटीरियर एवं होम डेकोरेशन, कैंडल, बैनर, बैलून के सांताक्लॉज, ड्रेस, मास्ट, टेडीवियर, रौलेक्स, फ्लॉवर के गुलदस्ते, आर्टिफिशियल पौधे, बैलून, परी पंख आदि सामग्री उपलब्ध है, जिसकी कीमत दो रुपए से लेकर दो हजार रुपए तक है।

ज्योतिष

2026 में शनि और राहु की चाल में होगा बदलाव, इनका शुरू होगा गोल्डन टाइम

वैदिक ज्योतिष मुताबिक साल 2026 में कई बड़े और छोटे ग्रह राशि परिवर्तन करेंगे। जिसमें न्यायाधीश शनि और मायावी ग्रह राहु का भी नाम शामिल है। आपको बता कें शनि देव मार्च और अप्रैल के महीने में अस्त, उदय होंगे। वहीं राहु ग्रह कुंभ से निकलकर मकर राशि में प्रवेश करेंगे। इन दोनों ग्रहों की चाल में बदलाव से कुछ राशियों का भाग्य चमक सकता है। साथ ही इन राशियों को आकस्मिक धनलाभ के साथ तरक्की के योग बन रहे हैं। वहीं फंसा हुआ धन मिल सकता है। आइए जानते हैं ये लकी राशियां कौन सी हैं

मकर राशि : शनि आपकी राशि से तीसरे भाव पर उदय होंगे। वहीं राहु ग्रह आपकी गोचर कुंडली के लग्न भाव पर संचरण करेंगे। इसलिए इस समय आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। साथ ही आपके साहस और पराक्रम में वृद्धि होगी। वहीं बेरोजगार लोगों को नई नौकरी का प्रस्ताव आ सकता है। पुराने निवेश या धन संबंधी मामलों में सफलता मिलने की संभावना है। इस अवधि में किए गए प्रयास आपको अच्छा लाभ देंगे।

तुला राशि : शनि देव आपकी राशि से छठे स्थान पर तो वहीं राहु ग्रह चतुर्थ भाव पर संचरण करेंगे। इसलिए इस समय आपको वाहन और प्रापर्टी की प्राप्ति हो सकती है। अचानक धन लाभ के योग बन रहे हैं। आप बुद्धिमानी और सूझबूझ से महत्वपूर्ण फैसले सही समय पर ले पाएंगे। वहीं जिन लोगों का काम- कारोबार रियल स्टेट, प्रापर्टी और जमीन- जायदाद से जुड़ा हुआ है तो उनको अच्छा लाभ हो सकता है।

मिथुन राशि : शनि आपकी राशि से कर्म भाव पर उदय होंगे। वहीं राहु का गोचर अष्टम भाव पर होगा। इसलिए इस समय आपको काम-कारोबार में तरक्की मिल सकती है। साथ ही व्यापारियों को अच्छा धनलाभ हो सकता है। साथ ही बड़े लाभ के रास्ते खुलेंगे। परिवार में सुख और खुशहाली का माहौल रहेगा। वहीं मित्रों और सहयोगियों का समर्थन मिलेगा। पिता के साथ संबंध मधुर रहेंगे।

सुनहला पहनने से इन राशियों को मिल सकता है अपार पैसा, पद- प्रतिष्ठा

रत्न शास्त्र में कुल 84 उपरत्नों का वर्णन मिलता है। वहीं 9 मुख्य रत्न माने जाते हैं। यहां हम बात करने जा रहे हैं सुनहला उपरत्न के बारे में, जो पुखराज का उपरत्न है। वहीं इसका संबंध गुरु बृहस्पति से होता है। आपको बता दें कि पुखराज बाजार में काफी मंहगा होता है। इसलिए जिन लोगों पर पुखराज खरीदने का बजट नहीं है तो वो लोग सुनहला धारण कर सकते हैं। सुनहला पहनने से मान- सम्मान की प्राप्ति होती है। आइए जानते हैं सुनहला धारण करने की सही विधि और लाभ

ये लोग पहन सकते हैं सुनहला : अगर आपकी जन्मपत्री में गुरु बृहस्पति उच्च (सकारात्मक) शुभ स्थित हैं, तो आप इस रत्न को पहन सकते हैं। वहीं कर्क लग्न वाले इस रत्न को धारण कर सकते हैं क्योंकि गुरु आपके भाग्य के स्वामी होते हैं। साथ ही मीन राशि- लग्न, धनु राशि- लग्न वाले भी सुनहला धारण कर सकते हैं। वहीं अगर गुरु आपकी जन्म कुंडली में कमजोर स्थित हो तो भी सुनहला धारण कर सकते हैं। लेकिन कुंडली में गुरु ग्रह नीच के स्थित हैं तो सुनहला नहीं धारण करना चाहिए।

सुनहला धारण करने के लाभ : सुनहला धारण करने से व्यक्ति कम्युनिकेशन में सुधार होता है। साथ ही व्यक्ति डिसीजन अच्छे ले पाता है। वहीं अगर आपके व्यापार में लगातार लॉस हो रहा है तो ज्योतिषी की सलाह पर आप इस उपरत्न को धारण कर सकते हैं। साथ ही यह रत्न व्यक्ति को अपने लक्ष्य तक पहुंचने में मदद करता है। वहीं जो बच्चे पढ़ाई में कमजोर हैं उन बच्चों को भी सुनहला पहना सकते हैं। वहीं इसको धारण करने से मानसिक शांति मिलती है और समाज में मान-सम्मान बढ़ता है।

सुनहला रत्न धारण करने के नियम : सुनहला को बाजार से कम से कम 8 से सवा 8 रत्ती का धारण करना चाहिए। वहीं सुनहला को गुरुवार के दिन पहनना शुभ माना जाता है। वहीं इसको सोने या चांदी के धातु में जड़वाकर धारण कर सकते हैं। साथ ही इसको तर्जनी मतलब इंडेक्स फिंगर में धारण करना चाहिए। इसको धारण करने से पहले गाय के कच्चे दूध और गंगाजल से शुद्ध कर लें। वहीं साथ ही इस रत्न को धारण करने के बाद गुरु से संबंधित दान भी जरूर निकालें और इस दान को किसी मंदिर के पुजारी को दक्षिणा रखकर दे आए।

तापमान नियंत्रण बिगड़ता है और क्रॉनिक बीमारियों का जोखिम भी बढ़ सकता है

ठंड में पानी कम पीना पड़ सकता है भारी! किडनी-दिमाग पर ऐसे पड़ता है घातक असर

सर्दियां आते ही तापमान गिरने के साथ हमारी प्यास भी कम होने लगती है। दरअसल ठंड के कारण लोग दिनभर पानी कम पीते हैं, कई बार तो आधा लीटर से भी कम। वहीं विशेषज्ञ चेतावनी देते हैं कि यह आदत धीरे-धीरे शरीर के लिए खतरनाक साबित हो सकती है। पानी की कमी न सिर्फ किडनी पर दबाव बढ़ाती है, बल्कि दिमाग और पाचन जैसे कई महत्वपूर्ण सिस्टम पर भी असर डालती है।

किडनी पर बढ़ता बोझ

शरीर को साफ रखने का सबसे बड़ा काम किडनी करती है। जब पानी कम पिया जाता है, तो शरीर गाढ़ा यूरिन बनाने लगता है ताकि पानी की बचत हो सके।इससे किडनी को सामान्य से ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है। लंबे समय तक ऐसा जारी रहने पर किडनी की फिल्टर करने की क्षमता कम हो सकती है और इंफेक्शन या स्टोन जैसी समस्याओं का खतरा भी बढ़ जाता है।

दिमाग तक कम पहुंचती है ऑक्सीजन

बता दें कि पानी की कमी से ब्लड वॉल्यूम घटने लगता है, जिसका सीधा असर दिमाग तक पहुंचने वाली ऑक्सीजन पर पड़ता है। नतीजतन ध्यान भटकना, चक्कर आना, मूड स्विंग, थकान और आलस जैसी दिक्कतें बढ़ जाती हैं। यह स्थिति लंबे समय में संज्ञानात्मक क्षमता को भी प्रभावित कर सकती है।

पाचन प्रक्रिया पर असर

सर्दियों में पानी कम पीने से पाचन तंत्र सुस्त पड़ सकता है। इससे कब्ज, गैस और अपच जैसी समस्याएं बढ़ती हैं। भोजन ठीक से न पचने पर भूख कम लगना भी आम बात है।

लंबे समय तक पानी की कमी रहने पर शरीर में तनाव बढ़ता है, तापमान नियंत्रण बिगड़ता है और क्रॉनिक बीमारियों का जोखिम भी बढ़ सकता है। इसलिए, सर्दियों में भी रोज़ 1.5-2 लीटर पानी जरूर पिएं, चाहे प्यास लगे या न लगे।

मांसपेशियों में दर्द और ऊर्जा की कमी

हमारी मसल्स को ऊर्जा पहुंचाने में पानी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कम हाइड्रेशन होने पर मसल्स स्टिफ हो जाते हैं और हल्की-सी मेहनत में भी दर्द या थकान महसूस होने लगती है।

सर्दी के मौसम में ज्यादा आता है हार्ट अटैक, जानिए इसके कारण और बचाव

सर्दियों में तापमान गिरने पर हार्ट अटैक और ब्लड क्लॉट्स (रक्त के थक्के) का खतरा काफी बढ़ जाता है। ठंड का असर हमारे शरीर की नसों, हार्ट और ब्लड सर्कुलेशन पर पड़ता है, जिससे दिल की बीमारियां बढ़ सकती हैं। हालांकि कुछ सरल सावधानियों से आप अपना दिल पूरी तरह सुरक्षित रख सकते हैं। चलिए जानते हैं इसके बारे में विस्तार से।

ठंड में हार्ट अटैक और ब्लड क्लॉट्स क्यों बढ़ते हैं : कम तापमान में शरीर की नसें संकुचित (सिकुड़) जाती हैं। इससे ब्लड प्रेशर बढ़ता है और दिल पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है। ठंड में खून थोड़ा गाढ़ा हो सकता है। इससे ब्लड क्लॉट बनने की संभावना बढ़ जाती है। इस मौसम में शरीर को गर्म रखने के लिए दिल को सामान्य से ज्यादा पंप करना पड़ता है। दिल की कमजोरी या पहले से हार्ट प्रॉब्लम वाले लोगों में ज्यादस खतरा बढ़ जाता है। ज्यादातर लोग ठंड में कम चल-फिरते हैं। इससे मोटापा, कोलेस्ट्रॉल और शुगर बढ़ सकती है जो हार्ट के जोखिम को बढ़ाते हैं।

सर्दियों में हार्ट को सुरक्षित रखने के आसान उपाय

शरीर को गर्म रखें : पूरे शरीर को कवर करें, मोज़े, दस्ताने और टोपी जरूर पहनें, सीने को ठंडी हवा से बचाकर रखें। हल्की एक्सरसाइज जारी रखें: रोज 20–30 मिनट वॉक, हल्का योग सीढ़ियां चढ़ना–उतरना जारी रखें, लेकिन ठंड में अचानक ज्यादा मेहनत वाला वर्कआउट न करें।

हाइड्रेटेड रहें, संतुलित भोजन लें : कई लोग ठंड में पानी कम पीते हैं। पानी कम होने से खून गाढ़ा होने लगता है और क्लॉट का खतरा बढ़ता है। संतुलित डाइट खाएं: ओमेगा-3 युक्त फूड (अखरोट, अलसी, मछली) फाइबर वाली चीजें अपनी डाइट में शामिल करें। कम नमक और कम तला हुआ भोजन खाएं। विटामिन डी और बी12 की कमी से भी समस्याएँ बढ़ती हैं, ध्यान रखें।

अचानक तापमान, स्मोकिंग-शराब से बचें

गर्म कमरे से निकलकर तुरंत बहुत ठंड में न जाएं। तापमान का अचानक बदलाव हार्ट पर झटका डाल सकता है। स्मोकिंग और अल्कोहल से दूरी: सिगरेट ब्लड कोशिकाओं को और ज्यादा संकुचित कर देती है। इससे क्लॉट और हार्ट अटैक दोनों का खतरा दोगुना हो जाता है।

नियमित जांच करें, हल्के में न लें : शुगर, बीपी और कोलेस्ट्रॉल चेक करते रहें: जो भी लोग पहले से हार्ट के मरीज हैं, या डायबिटीज, हाई **BP**, हाई कोलेस्ट्रॉल, मोटापा से ग्रसित हैं वह इन पर अधिक ध्यान दें। इन लक्षणों को हल्के में न लें: अगर सीने में भारीपन, जबड़े/कंधे में दर्द, पसीना, बेचैनी महसूस हो रही है तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

ये लोग रहें ज्यादा सावधान : 50 से ऊपर उम्र के लोग, डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर, कोलेस्ट्रॉल के पीड़ित , जिन्हें दिल की कोई पुरानी समस्या है ओर धूम्रपान करने वालों के लिए सर्दी का मौसम ज्यादा जोखिम भरा होता है। ऐसे में गर्म रहें, सक्रिय रहें, और जरूरी जांच करवाते रहें।

सुबह खाली पेट लहसुन खाने से कई बीमारिया पास भी नहीं फटकेंगी

कच्चा लहसुन दिखने में भले ही छोटा हो, लेकिन इसके फायदे बहुत बड़े हैं। यह शरीर को अंदर से साफ रखता है, वजन कंट्रोल करने में मदद करता है, इम्युनिटी बढ़ाता है और त्वचा को भी साफ बनाता है। रोजाना सिर्फ एक या दो कली कच्चा लहसुन खाने से कई तरह के हेल्थ लाभ मिलते हैं। इसलिए इसे कई लोग नेचुरल मेडिसिन भी कहते हैं। पेट में गैस, खांसी, दर्द या इम्युनिटी बढ़ाने में यह बहुत उपयोगी माना जाता है।

डॉक्टरों का क्या कहना है : इस संबंध में डॉक्टर बताते हैं कि लहसुन सिर्फ हेल्दी फूड नहीं है, बल्कि एक प्राकृतिक एंटीबायोटिक है। इसमें मौजूद एलिसिन नाम का तत्व इसे बहुत शक्तिशाली बनाता है। एलिसिन खून को साफ करता है, पाचन सुधारता है और दिल को स्वस्थ रखने में भी मदद करता है।

नेचुरल डिटॉक्स – शरीर की गंदगी बाहर निकालें : आजकल पैक्ड फूड, कम पानी, तनाव और नींद की कमी के कारण शरीर में टॉक्सिन जमा हो जाते हैं। इससे थकान, गैस, मुहांसे, सुस्ती और पाचन खराब होने जैसी समस्याएं होती हैं। कच्चे लहसुन में मौजूद सल्फर कंपाउंड शरीर के खराब बैक्टीरिया को खत्म करते हैं और लिवर को सक्रिय करके डिटॉक्स की प्रक्रिया तेज कर देते हैं। सुबह खाली पेट कच्चा लहसुन खाने से शरीर हल्का और साफ महसूस होने लगता है।

इम्युनिटी को बनाता है मजबूत : अगर मौसम बदलते ही सर्दी-खांसी आपको पकड़ लेती है, तो कच्चा लहसुन आपके लिए बहुत उपयोगी है। यह प्राकृतिक एंटीबायोटिक और एंटीवायरल गुणों वाला फूड है। एलिसिन और एंटीऑक्सीडेंट इम्युनिटी सेल्स को मजबूत बनाते हैं, जिससे शरीर वायरस और बैक्टीरिया से तेजी से लड़ पाता है। कई शोधों में पाया गया है कि जो लोग नियमित रूप से लहसुन खाते हैं, उन्हें सामान्य सर्दी-जुकाम कम होता है।

पाचन शक्ति को बेहतर करता है : कच्चा लहसुन पेट के लिए किसी वरदान जैसा है। यह अच्छे बैक्टीरिया बढ़ाता है और खराब बैक्टीरिया को खत्म करता है। यदि आप रोजाना इसे खाली पेट खाएँगे, तो पाचन बेहतर होगा और पेट हल्का महसूस होगा। गैस, कब्ज, ब्लोटिंग और भारीपन से परेशान लोगों के लिए यह बहुत फायदेमंद है।

गाजर कुछ दिनों तक रहेंगी एकदम ताजी, अपनाएं ये तरीके

गाजर एक ऐसी सब्जी है, जो सलाद, सूप, सब्जी और कई अन्य चीजों में इस्तेमाल की जाती है। इसमें कई पोषक तत्व होते हैं, जिनकी वजह से इसे खाने में शामिल करना फायदेमंद होता है। हालांकि, कई लोग गाजर को खरीदकर लाते हैं तो कुछ दिनों बाद ही खराब हो जाती है। आइए, आज हम आपको कुछ ऐसे तरीके बताते हैं, जिन्हें अपनाकर आप गाजर को कुछ दिनों के लिए ताजा रख सकते हैं।

गाजर के हरे पत्तों को काट दें : अक्सर लोग गाजर के हरे पत्तों को काटकर फेंक देते हैं, लेकिन अगर आप उन्हें काटकर फेंकने की बजाय अलग स्टोर करें तो इससे गाजर की ताजगी को बरकरार रखा जा सकता है। इसके लिए सबसे पहले गाजर के पत्तों को काटकर एक सूती कपड़े में लपेटकर फ्रिज में रखें। इससे गाजर कुछ दिन तक ताजा रहेगी। बता दें कि गाजर के पत्तों में विटामिन-C की मात्रा टमाटर से भी ज्यादा होती है।

गाजर को पानी में रखें : अगर आप कुछ दिनों के लिए गाजर को स्टोर करना चाहते हैं तो इसके लिए आप गाजर को पानी में रख सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले एक कटोरी में गाजर को पानी से भरकर रखें और इसे फ्रिज में रखें। इससे गाजर कुछ दिनों तक ताजगी के साथ रहेगी। आप चाहें तो गाजर को सलाद या सूप में इस्तेमाल करने से पहले इस तरीके को आजमा सकते हैं।

गाजर को प्लास्टिक की थैली में रखें : अगर आप गाजर को प्लास्टिक की थैली में रखना चाहते हैं तो इसके लिए सबसे पहले गाजर को अच्छे से धो लें, फिर उन्हें साफ कपड़े से पोंछकर थैली में पैक करें और फ्रिज में रखें। इससे गाजर कुछ दिनों तक ताजगी के साथ रहेगी। आप चाहें तो गाजर को सलाद या सूप में इस्तेमाल करने से पहले इस तरीके को आजमा सकते हैं। ध्यान रखें कि थैली को ढंग से बंद करें ताकि हवा न जाए।

गाजर को बंद डिब्बे में रखें : अगर आप गाजर को लंबे समय तक स्टोर करना चाहते हैं तो इसके लिए एक बंद डिब्बे का इस्तेमाल कर सकते हैं। सबसे पहले गाजर को धोकर अच्छे से सुखा लें, फिर उन्हें बंद डिब्बे में रखें और फ्रिज में रखें। इससे गाजर कुछ दिनों तक ताजगी के साथ रहेगी।

पर्दों की देखभाल करने के लिए अपनाएं सरल व प्रभावी तरीके जिससे दिखें हमेशा नए

घर की सजावट में पर्दों का अहम योगदान होता है। ये न केवल कमरे की सुंदरता बढ़ाते हैं, बल्कि धूप और धूल से भी बचाते हैं। हालांकि, अक्सर लोग पर्दों की सफाई और देखभाल को नजरअंदाज कर देते हैं, जिससे उनकी उम्र कम हो जाती है। इस लेख में हम आपको कुछ आसान और प्रभावी तरीके बताएंगे, जिनसे आप अपने पर्दों को लंबे समय तक नया जैसा बना सकते हैं।

पर्दों को नियमित धोएं

पर्दों की सफाई के लिए उन्हें नियमित रूप से धोना बहुत जरूरी है। हफ्ते में एक बार या महीने में दो बार पर्दों को धोना चाहिए ताकि उन पर जमी धूल और गंदगी हट सके। इसके लिए हल्के साबुन का उपयोग करें और ठंडे पानी में धोएं। गर्म पानी से पर्दे सिकुड़ सकते हैं या उनका रंग फीका हो सकता है, इसलिए ठंडा पानी ही सबसे अच्छा है। ध्यान रखें कि पर्दे धोते समय उन्हें उल्टा करके धोएं।

धूप से बचाएं

धूप से पर्दों का रंग फीका हो सकता है या वे सिकुड़ सकते हैं। इसलिए जहां तक संभव हो अपने पर्दों को धूप से बचाकर रखें। अगर आपके कमरे में बहुत धूप आती है तो पर्दों को थोड़ा दूर रखकर लगाएं या फिर ऐसे पर्दों का उपयोग करें, जो धूप को पूरी तरह रोकते हैं। इसके अलावा आप पर्दों पर हल्के रंग की परत भी लगा सकते हैं, जिससे धूप का असर कम होगा।

किनारों को सही करें

पर्दों के किनारों पर अक्सर मोड़ आ जाते हैं, जिससे उनका लुक खराब हो सकता है। इन मोड़ों को हटाने के लिए इस्त्री का उपयोग करें। इसके लिए पहले पर्दों को उल्टा करके रखें, फिर उसके किनारों पर इस्त्री करें ताकि मोड़ खुल जाएं। इसके बाद हल्के हाथ से प्रेस करें ताकि पर्दे सही आकार में आ जाएं। इस प्रक्रिया से आपके पर्दों का लुक पहले जैसा दिखेगा और वे लंबे समय तक नए जैसे लगेंगे।

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

एक स्टूडेंड की दर्दनाक कहानी के ईद-गिर्द घूमती है फिल्म मुनकर

डरावनी पिछले साल 7 फरवरी, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी।

इस फिल्म का डायरेक्शन आंगी उम्बारा ने किया था। इस फिल्म की एक खास बात भी थी कि इसमें सबसे ज्यादा यंग कलाकारों ने काम किआ था। फिल्म में अधिश्टि जारा, रतु सोफ्या, सास्किया चाडविक, कनीशिया युसुफ और खदीजाह अरूमा नजर आए थे। कहानी और माहौल दोनों मिलकर दर्शकों को ऐसा एक्सपीरियंस देते हैं जो आम हॉरर फिल्मों से अलग होता है। इसे देखने वालों को कहानी में अजीब सा डर और बेचैनी भी महसूस होती है। इस फिल्म का नाम 'मुनकर'है, जिसकी कहानी एक स्टूडेंट के इर्द-गिर्द घूमती है जिसे उसके कुछ साथ पढ़ने वाली कुछ लड़कियां लगातार परेशान करती रहती है। हालात इतने बिगड़ जाते हैं कि एक दिन वो उनसे बचने की कोशिश करते हुए एक दर्दनाक घटना का शिकार हो जाती है। इस हादसे के बाद उसके माता-पिता टूट जाते हैं और वे एक ऐसे शेमन की मदद लेते हैं, जो उसकी आत्मा को वापस बुलाता है। इसके बाद वही आत्मा उन लोगों से बदला लेने निकल पड़ती है, जिन्होंने उसे चोट पहुंचाई थी. ये पूरी कहानी लोककथा 'हरलीना'से इंस्पायर है। हालांकि, इस फिल्म को रिलीज होने के बाद दर्शकों और क्रिटिक्स से मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली थी। कई लोगों ने इसकी कहानी और हॉरर माहौल की तारीफ की, वहीं कुछ का कहना था कि इसे और रफ्तार बनाया जा सकता था।

टॉलीवुड

महाकुंभ की महाझलक, सनातन की रक्षा करने आए बालकृष्ण

नंदमुरी बालकृष्ण की इस साल की बड़ी फिल्म 'अखंडा 2' का ट्रेलर रिलीज हो गया है और ये शानदार है।

ट्रेलर में सनातन हिंदू धर्म के बल पर जोर दिया गया है और इसमें महाकुंभ की प्रचंड झलक देखने को मिल रही है। नंदमुरी बालकृष्ण और ब्लॉकबस्टर मेकर बोयापति श्रीनु की धार्मिक एक्शन फिल्म 'अखंडा 2: थांडव' जल्द ही दुनिया भर में रिलीज होने जा रही है। टीम ने इसके प्रचार के लिए बड़े स्तर पर और पूरे इंडिया में अभियान चलाया। 14 रील्स प्लस बैनर के तहत राम अचंता और गोपिचंद अचंता ने फिल्म बनाई है, और एम तेजस्विनी नंदमुरी प्रस्तुत कर रही हैं। पहले से रिलीज किए गए गाने और टीजर ने दर्शकों में उत्सुकता बढ़ा दी थी। शनिवार को फिल्म का थिएटर ट्रेलर बैंगलोर में रिलीज किया गया, जिसमें कन्नड़ स्टार शिव राजकुमार मौजूद थे। ट्रेलर की शुरुआत एक चेतावनी से होती है। कुछ बुरे लोग, भारत के अंदर और बाहर, देश की आध्यात्मिक नींव को नष्ट करना चाहते हैं। उनका लक्ष्य सनातन हिंदू धर्म को मिटा देना और देश में डर और भ्रम फैलाना है। इसमें आगे कहा जाता है, 'लेकिन जब श्रद्धा डगमगाने लगती है, तब एक शक्तिशाली ताकत उठती है। वह है अखंडा, जो दिव्य आग की तरह प्रकट होता है और विरोधियों के खिलाफ लड़ने के लिए तैयार होता है।' बोयापति श्रीनु इस बार और भी बड़े विजन के साथ फिल्म बना रहे हैं। 'अखंडा 2' की कहानी सिर्फ भारत तक सीमित नहीं है; इसमें राष्ट्रीय सुरक्षा और आध्यात्मिक ताकत का मिश्रण है। फिल्म का दायरा बहुत बड़ा है और कुंभ मेला का सीन ट्रेलर की बड़ी खासियत है।

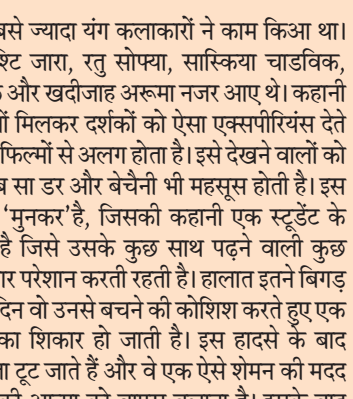

भोजपुरी

प्यार के लिए घर से भागीं काजल, शादी के बाद सब भूला

भोजपुरी स्टार्स की फिल्मों के आने का फैंस इंतजार करते हैं। ऐसी ही एक एक्ट्रेस काजल राघवानी की धमाकेदार भोजपुरी फिल्म का ट्रेलर रिलीज हो गया है। 'मैं कौन हूं' एक तेज-तर्रार भोजपुरी एक्शन–ड्रामा के साथ आध्यात्मिक जागरण की कहानी है। भोजपुरी स्टार्स की फिल्में आते ही धूम मच जाती है। कई सितारे ऐसे हैं जिनकी फिल्मों के आने का फैंस इंतजार करते हैं। अब ऐसी ही एक एक्ट्रेस काजल राघवानी की धमाकेदार भोजपुरी फिल्म का ट्रेलर रिलीज हो गया है। इसका नाम है 'मैं कौन हूं'। ट्रेलर को देखकर फैंस जोरदार तरीके से कमेंट कर रहे हैं। ट्रेलर को दो दिन में ही 53 हजार के पार व्यूज मिल चुके हैं। 'मैं कौन हूं' एक तेज-तर्रार भोजपुरी एक्शन–ड्रामा के साथ आध्यात्मिक जागरण की कहानी है। इस फिल्म में रोमांच, सस्पेंस और गहरी भावनाओं के साथ एक ऐसी यात्रा दिखाई गई है, जिसमें एक्टर सिर्फ दुनिया के अन्याय से ही नहीं, बल्कि अपनी आत्मा और अपनी वास्तविक पहचान से भी मुकाबला करता है। कहानी एक ऐसे आदमी की है जो पहले प्यार में डूबा रहता है, लेकिन जिंदगी की विश्वासघात, षड्यंत्र और दर्द उसे भगवान महाकाल की शरण में ले आते हैं। जब विलन उसे मिटाने की कोशिश करते हैं, तभी उसके भीतर दबी आध्यात्मिक शक्तियां जगती हैं — वही शक्तियां जो उसे 'मैं कौन हूं?' का जवाब देती हैं। काजल राघवानी, आनंद चतुर्वेदी , संजय पांडेय और देव सिंह की दमदार अदाकारी इस एक्शन भरी कहानी को और भी दमदार बनाती है। निर्देशक मृत्युंजय श्रीवास्तव ने एक्शन, भावना और आध्यात्मिक ऊर्जा को बड़े पर्दे पर गजब तरीके से उतारा है। ट्रेलर में संगीत, सिनेमैटोग्राफी और हर चीज की खूबसूरत झलक देखने को मिलती है।

लाइफ स्टाइल

लाल लहंगे में रुपाली का लुक छाया

रुपाली गांगुली ने अपनी लाल लहंगे में तस्वीरें शेयर की हैं। जहां वह किसी दुल्हन से कम नहीं लग रहीं। लहंगे को बड़ी-ही खूबसूरती से सेक्विन सितारों से सजाया गया है। हर कली पर छोटे-छोटे गोल्डन सितारों से फ्लोरल बूटियां बनाई, तो कली के बॉर्डर को भी सितारों से ही हाइलाइट किया है। किसी कली पर फूलों के पैच कुछ- कुछ दूरी पर लगे हैं, तो कहीं पूरी बेल बनाकर उसे हैवी बनाया है। वहीं, आखिर में बॉर्डर को भी स्क्वायर पैटर्न बनाकर हाइलाइट किया, जो शानदार लगा। जिसे पहनी रुपाली का लुक शानदार लगा।

छोटे कद की लड़कियों पर खूब जचते हैं ये हेयरस्टाइल, एक बार ट्राई करके देखिए

छोटी हाइट वाली लड़कियों के लिए हेयरस्टाइल चुनते समय सबसे ज़रूरी बात होती है- चेहरे की शेप और बालों की लंबाई । सही हेयरस्टाइल आपके लुक को न सिर्फ बैलेंस्ड बल्कि ऊंचा और स्लिम भी दिखा सकता है। आज हम आपको कुछ कुछ बेहतरीन हेयरस्टाइल आइडियाज़ बताने जा रहे हैं जो आपको स्टाइलिश और आत्मविश्वासी लुक देंगे ।

लेयर्ड कट : लेयर्स बालों में वॉल्यूम और मूवमेंट देती हैं, जिससे चेहरा लंबा दिखाई देता है। शॉर्ट हाइट वाली लड़कियों के लिए फेस-फ्रेमिंग लेयर्स सबसे अच्छा विकल्प हैं। अगर बाल लंबे हैं, तो फ्रंट लेयर या साइड लेयर कट करवा लें ताकि चेहरा ज्यादा लंबा दिखे।

बॉब कट : यह कंधे तक आने वाला बॉब कट होता है जो हर फेस शेप पर सूट करता है। ये स्टाइल छोटी हाइट वाली लड़कियों पर इसलिए अच्छा लगता है क्योंकि यह लुक को "क्लीन और एलिगेंट" बनाता है। साइड पार्टिंग करें ताकि चेहरा थोड़ा लंबा और शार्प दिखे।

हाई पोनीटेल : हाई पोनीटेल सिर के ऊपरी हिस्से पर

वॉल्यूम बढ़ाकर ऊंचाई का भ्रम पैदा करती है। यह हर ड्रेस पर सूट करती है — इंडियन या वेस्टर्न दोनों में। बालों के सामने हल्के फ्रंट फ्लिक्स छोड़ें ताकि चेहरा सॉफ्ट लगे।

हाफ-अप हाफ-डाउन

ये रोमांटिक और यंग लुक देता है। यह स्टाइल सिर के ऊपरी हिस्से में वॉल्यूम जोड़ता है जिससे हाइट ज्यादा लगती है। सॉफ्ट वेव्स या कर्ल्स डालें ताकि बाल बाउंसी लगें।

स्टाइलिंग के लिए टिप्स

- -हमेशा बालों में वॉल्यूम बढ़ाने वाले प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करें।
- - बहुत फ्लैट या ऑयली हेयरस्टाइल से बचें - इससे चेहरा चौड़ा और हाइट कम लग सकती है।
- -साइड पार्टिंग या मिड हाई बन हमेशा चेहरा लम्बा दिखाते हैं।

इस शादी सीजन में जरूर ट्राई करें इंडो-वेस्टर्न ड्रेसेस, हटाए नहीं हटेगी लोगों की आपसे नजर

देवउठनी एकादशी के साथ ही शादियों का मौसम शुरू हो गया है। यह समय हर किसी के लिए खास होता है, चाहे वो जिनकी शादी होने वाली हो या जो किसी खास शादी में शामिल होने वाले हों। खूबसूरत दिखना बेहद ज़रूरी है। खासकर लड़कियां, सबसे अलग और स्टाइलिश दिखना चाहती हैं। पारंपरिक लुक को मॉडर्न टच देना इन दिनों एक नया फैशन ट्रेंड है, और इंडो-वेस्टर्न आउटफिट्स को खूबसूरती से अपनाया जा सकता है। ऐसे कपड़े न केवल आकर्षक होते हैं, बल्कि पहनने में भी बेहद आरामदायक होते हैं।

स्कर्ट के साथ कुर्ता, जैकेट संग लहंगा : लंबे कढ़ाई वाले या प्रिंटेड कुर्ते को फ्लेयर्ड स्कर्ट के साथ पहनने से शाही और पारंपरिक एहसास के साथ एक मॉडर्न लुक मिलता है। इसे सिल्वर या ऑक्सीडाइज़्ड ज्वेलरी के साथ पहनें। जैकेट स्टाइल लहंगा- हल्के वज़न का लहंगा पहनें और उसके साथ फ्रंट-ओपन या शॉर्ट जैकेट पहनें। यह ड्रेस सादगी और शान का बेहतरीन मेल है।

केप के साथ पलाज़ो सूट, साड़ी ड्रेप स्कर्ट : प्लेन या फ्लेयर्ड पलाज़ो को क्रॉप टॉप या शॉर्ट कुर्ते और नेट केप के साथ पहनें। यह आपको एक खूबसूरत और उत्सवी लुक देता है।साड़ी ड्रेप स्कर्ट- अगर आप साड़ी को अलग अंदाज़ में पहनना चाहती हैं, तो स्कर्ट के ऊपर साड़ी स्टाइल का दुपट्टा डालें। और भी क्लासी लुक के लिए इसे बेल्ट से पूरा करें।

डेनिम जैकेट संग अनारकली ऑफ शोल्डर टॉप : पारंपरिक अनारकली को डेनिम जैकेट के साथ पहनने से एक बेहद जवां और फ्यूजन लुक मिलता है। स्टेटमेंट इयररिंग्स पहनें। ऑफ-शोल्डर टॉप के साथ शरारा सेट- शरारा की खूबसूरती बढ़ाने के लिए, पारंपरिक दुपट्टे को छोड़कर ऑफ-शोल्डर या रफ़ल टॉप पहनें। यह लुक किसी पार्टी के लिए भी परफेक्ट है।

क्रॉप टॉप और श्रग के साथ धोती पैंट : यह एक बहुत ही ट्रेंडी विकल्प है जहाँ आप एथनिक परिधान को पूरी तरह से मॉडर्न ट्विस्ट के साथ पहन सकती हैं। चटख रंग चुनें और कम से कम मेकअप करें। ये इंडो-वेस्टर्न ड्रेसेज़ न सिर्फ़ आपको स्टाइलिश दिखाएँगी, बल्कि आपके लुक में आराम और प्रयोग का तड़का भी लगाएँगी। परंपरा और ट्रेंड का यह मेल आपको इस शादी के सीज़न में अनोखा और ख़ास बनाएगा।

हर लड़की अपने वार्डरोब में शामिल करें ये ट्रेंडी फुटवियर्स, हर इवेंट में निखारेंगे पर्सनालिटी

फुटवियर (महिलाओं के फुटवियर) किसी भी आउटफिट का एक अहम हिस्सा होते हैं, जो न सिर्फ़ आपके लुक को पूरा करते हैं, बल्कि आपकी पर्सनालिटी को भी निखारते हैं। अलग-अलग मौकों पर अलग-अलग तरह के जूते पहनने से आपका फ़ैशन सेंस और भी बेहतर हो जाता है। फुटवियर सिर्फ़ ज़रूरत नहीं, बल्कि एक फ़ैशन स्टेटमेंट है। सही जूते चुनकर, आप न सिर्फ़ अपने आउटफिट को निखार सकते हैं, बल्कि आत्मविश्वास और स्टाइलिश भी महसूस कर सकते हैं।

हील्स : हील्स किसी भी महिला की अलमारी का एक ज़रूरी हिस्सा होती हैं। ये न सिर्फ़ लंबाई बढ़ाती हैं, बल्कि आउटफिट को एक एलिगेंट और फ़ॉर्मल लुक भी देती हैं।

स्टाइल टिप्स- ब्लॉक हील्स को फ्लेयर्ड जींस या ए-लाइन स्कर्ट के साथ पहनें। स्टिलेटोज़ सैंडल किसी छोटी काली ड्रेस या सूट के साथ परफेक्ट लगते हैं। ऑफिस में न्यूड या ब्लैक हील्स पहनकर एक प्रोफेशनल लुक बनाएँ।

फ्लैट्स : फ्लैट्स उन लोगों के लिए सबसे अच्छा विकल्प हैं जो आराम और स्टाइल दोनों चाहते हैं। बैले फ्लैट्स, लोफ़र्स या एस्कॉर्ट ड्राइविंग शूज़ अच्छे विकल्प हैं। स्टाइल टिप्स- स्किनी जींस या कैप्री के साथ बैले फ्लैट्स पहनें। स्टाइलिश लुक के लिए ट्राउज़र या क्यूलॉट्स के साथ लोफ़र्स चुनें। प्रिंटेड फ़्लैट्स के साथ प्लेन आउटफिट में रंग भरें।

स्नीकर्स : स्नीकर्स सिर्फ़ स्पोर्ट्स के लिए ही नहीं, बल्कि कैज़ुअल और ट्रेंडी लुक के लिए भी पहने जाते हैं। ये आरामदायक और बहुमुखी होते हैं।स्टाइल टिप्स- ड्रेस या स्कर्ट के साथ स्नीकर्स पहनकर कैज़ुअल-चिक लुक पाएँ। हाई-टॉप स्नीकर्स को शॉर्ट्स या डेनिम के साथ पहनें।

आज़माएं हॉल्टर, स्ट्रैपलेस व कॉर्सेट जैसे डिजाइनर ब्लाउस, मिलेगा स्टाइलिश और ग्लैमरस लुक

जब बात पारंपरिक परिधानों की आती है, तो महिलाएं अपने लुक को निखारने के लिए सबसे पहले ब्लाउज़ डिज़ाइन्स पर ध्यान देती हैं। साड़ी या लहंगे को स्टाइलिश बनाने में ब्लाउज़ अहम भूमिका निभाते हैं। अगर आप फैशनेबल और ट्रेंडी ब्लाउज़ डिज़ाइन्स की तलाश में हैं, तो यह लेख खास आपके लिए है। यहाँ ब्लाउज़ डिज़ाइन इतने खूबसूरत बताए गए हैं कि आप हर बार कुछ नया ट्राई करना चाहेंगी। आइए जानें ऐसे ही कुछ शानदार ब्लाउज़ डिज़ाइन्स के बारे में।

हाल्टर नेक ब्लाउज़ : आप इस स्टाइलिश हाल्टर नेक ब्लाउज़ को लहंगे या जॉर्जेट साड़ी के साथ पहन सकती हैं। यह डिज़ाइन एक जवां और ट्रेंडी लुक देता है और गर्मियों के फंक्शन्स के लिए एकदम सही है।

बैकलेस सीक्विन ब्लाउज़ : ग्लिटर और सीक्विन वर्क से सजा बैकलेस ब्लाउज़ आपको एक रॉयल और बोल्ड लुक देगा। यह स्टाइल नाइट फंक्शन्स, रिसेप्शन या पार्टी वियर साड़ियों के साथ बेहद खूबसूरत लगता है।

डीप वी-नेक स्लीवलेस ब्लाउज़ : यह डिज़ाइन सादगी और स्टाइल का एकदम सही मेल है। यह नेक-ग्रेसिंग डिज़ाइन आपको एक एलिगेंट और फेमिनिन लुक देता है, खासकर फ्लोरल प्रिंट्स या सिल्क साड़ियों के साथ।

शीर फ़ैब्रिक ब्लाउज़ : ख़ास मौकों पर, आप पारदर्शी या शीर फ़ैब्रिक ब्लाउज़ को खूबसूरती से पहन सकती हैं। ये डिज़ाइन साड़ी में एक आधुनिक और कामुक स्पर्श जोड़ने के लिए एकदम सही हैं।

कटआउट डिज़ाइन ब्लाउज़ : अगर आप कुछ अलग ट्राई करना चाहती हैं, तो कटआउट स्टाइल ब्लाउज़ चुनें। इसे किसी अनोखे कढ़ाई वाले या मिरर वर्क वाले लहंगे के साथ पहनकर आप बेहद स्टाइलिश लुक पा सकती हैं।

हाई नेक और लॉन्ग स्लीव ब्लाउज़ : यह डिज़ाइन एक शाही और खूबसूरत लुक के लिए एकदम सही है। ख़ास तौर पर सर्दियों की शादियों या औपचारिक समारोहों के लिए, यह लुक आपको एक क्लासिक टच देता है।

कॉर्सेट स्टाइल ब्लाउज़ : फिटेड कॉर्सेट ब्लाउज़ भी सबसे ट्रेंडी स्टाइल में से एक है। यह ब्लाउज़ लहंगे के साथ एक बोल्ड और कॉन्फिडेंट लुक देता है और फिगर को खूबसूरती से उभारता है।

कार्नर न्यूज

स्टाइल सही हो, तो यह आपके पूरे लुक को रॉयल बना सकता है

सर्दी में शादी-पार्टी के लिए साड़ी को एलीगेंट बनाने वाले शॉल और दुपट्टा ड्रेपिंग स्टाइल्स

सर्दियों की शादी में साड़ी पहनना खूबसूरत दिखता है, लेकिन ठंड से बचने के लिए शॉल या दुपट्टा सही तरह से ड्रेप करना भी जरूरी है। अगर स्टाइल सही हो, तो यह आपके पूरे लुक को रॉयल बना सकता है। आज हम आपको बताते हैं विंटर वेडिंग्स में साड़ी के साथ शॉल और दुपट्टा ड्रेप करने के एलीगेंट और ट्रेंडी तरीके।

रॉयल साइड-ड्रेप शॉल स्टाइल

इसमें शॉल को एक तरफ से सिर्फ कंधे पर डालें और दूसरी तरफ लंबाई में खुला छोड़ दें। यह लुक लहंगा स्टाइल साड़ी जैसा दिखता है। र्दियों में गर्माहट भी मिलेगी और ग्लैमरस लुक भी बनेगा। कैशमीरी या पश्मीना शॉल इस स्टाइल में सबसे अच्छा लगता है।

बेल्टेड दुपट्टा ड्रेप

दुपट्टे को पल्लू की तरह कंधे पर डालें और कमर पर एक स्टाइलिश बेल्ट लगा दें। यह मॉडर्न और ट्रेंडी लुक है। ठंड में दुपट्टा जगह पर टिका रहता है। खासकर बनारसी दुपट्टा या सिल्क दुपट्टे पर यह स्टाइल खूबसूरत लगता है

हाफ-शॉल केप ड्रेप स्टाइल

शॉल को पीठ पर ओढ़कर सामने से दोनों सिरों को हल्का टक करें, जैसे केप हो। साड़ी पर यह गाउन जैसा रॉयल लुक देता है सर्दियों में कवर भी मिलता है। पार्टी और रिसेप्शन के लिए यह परफेक्ट है।

फुल-रैप स्टाइल

पूरी शॉल को बॉडी के साथ लपेटकर पल्लू को ऊपर से निकालें। यह ठंड से पूरी सुरक्षा देता है। लंबी या हैवी शॉल पर यह स्टाइल शाही दिखता है। सिंपल साड़ी को भी रिच लुक दे देता है

दुपट्टा-ओवर-पल्लू स्टाइल

साड़ी का पल्लू एक तरफ सेट करें, और उस पर दूसरी तरफ से दुपट्टा डालें। डबल-लेयर की वजह से लुक ग्रैंड दिखाई देता है। यह ब्राइड्समेड या भाभी-जी लुक के लिए परफेक्ट है। खासकर बनारसी + नेट या सिल्क + शिफॉन कॉम्बिनेशन बेहतरीन लगता है।

फ्रंट काउल दुपट्टा ड्रेप

दुपट्टे को गले में स्टोल की तरह डालें और सामने काउल बनाएं। यह बिल्कुल मॉडर्न और अनोखा लुक लगता है। यह साड़ी के साथ फ्यूजन लुक देता है। विंटर नाइट फंक्शंस के लिए बढ़िया विकल्प है।

टिप्स ताकि आपका ड्रेपिंग और भी शानदार लगे

- -हैवी शॉल हो तो साड़ी को सिंपल रखें
- -दुपट्टे और शॉल का रंग साड़ी से कॉन्ट्रास्ट या मैचिंग चुनें
- -पिन्स का स्मार्ट इस्तेमाल करें ताकि ड्रेप खुलकर भी न गिरे
- -विंटर वेडिंग्स में वेलवेट, पश्मीना, बनारसी दुपट्टे सबसे एलीगेंट दिखते हैं